डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

# रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 02.06.2025 से 08.06.2025 ▶ वर्ष-42 ▶ अंक-23 ▶ मूल्य ₹ 10.00

देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन

## देवी अहिल्याबाई का राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान - प्रधानमंत्री

- प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देवी अहिल्याबाई होलकर को समर्पित डाक टिकट और सिक्का जारी किया।
- प्रधानमंत्री ने किया इंदौर मेट्रो का शुभारंभ और दतिया तथा सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण।
- प्रधानमंत्री ने प्रदेश के 1271 अटल ग्राम सेवा सदन के लिए 483 करोड़ रुपये जारी किए।
- प्रधानमंत्री ने देवी अहिल्या राष्ट्रीय सम्मान से डॉ. जयमती कश्यप को किया सम्मानित।
- प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में दतिया और सतना के नए एयरपोर्ट तथा इंदौर मेट्रो का वर्चुअली उद्घाटन करते हुए

**भोपाल,** लोकमाता देवी अहिल्याबाई राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति के अमूल्य योगदान का प्रतीक हैं। हमारी सरकार लोकमाता अहिल्याबाई के आदर्शों पर चलते हुए कार्य कर रही है, 'नागरिक देवो भवः' वर्तमान में गवर्नेंस का मंत्र है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती, सभी देशवासियों के लिए प्रेरणा और राष्ट्र निर्माण के लिए हो रहे भागीरथी प्रयासों में अपना योगदान देने का अवसर है। देवी अहिल्याबाई का मानना था कि 'जनता की सेवा और उनके जीवन में सुधार लाना ही शासन का उद्देश्य है', उनकी इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। यह बातें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के 300वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भोपाल में जम्बूरी मैदान पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं।

प्रधानमंत्री ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में लोकमाता अहिल्याबाई द्वारा सुशासन, महिला स्वावलंबन, धार्मिक स्थलों के उन्नयन के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया।

प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनी में प्रदेश में अधोसंरचना विकास के अंतर्गत संचालित गतिविधियों, विभिन्न धार्मिक लोक के विकास सहित राज्य के अन्य विकासोन्मुखी नवाचारों का भी अवलोकन किया। श्री मोदी ने कहा कि इंदौर मेट्रो की शुरुआत और दतिया तथा सतना के हवाई सेवा से जुड़ने से मध्यप्रदेश में सुविधाएं बढ़ेंगी, विकास को गति मिलेगी और रोज़गार के नए अवसरों का सृजन भी होगा।

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े गणतंत्र के नायक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देवी अहिल्याबाई होलकर की पावन धरा पर पधारे हैं। हमारे लिए आज का दिन अद्वितीय है। लोकमाता अहिल्या महारानी का जन्म 300 वर्ष पूर्व हुआ। उन्होंने एक आदर्श बहू और आदर्श पत्नी रहते हुए शासन चलाया। देवी अहिल्याबाई ने घर के धन और शासन के धन का अंतर बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सेना ने आतंकवादियों को धूल चटाई, जिन आतंकियों ने बहनों का सिंदूर उजाड़ने का काम किया, उन्हें सबक सिखाया है। उन्होंने कहा कि भारत ने जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उपलब्धि हासिल की है। मध्यप्रदेश सरकार गरीब, किसान, युवा और नारी सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य कर रही है।

### इंदौर मेट्रो रेल का ऐतिहासिक शुभारंभ

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर अब मेट्रो ट्रेन प्रणाली से जुड़ गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भोपाल से वर्चुअल माध्यम से इंदौर मेट्रो परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन किया। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर इंदौर में शुरू हुए मेट्रो रेल परियोजना के शुभारंभ के इस ऐतिहासिक अवसर पर उत्सव जैसा माहौल रहा, जिसमें नागरिकों विशेष कर महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मेट्रो परियोजना के शुभारंभ ने इंदौर को देश के उन आधुनिक नगरों की सूची में शामिल कर दिया है, जहां भविष्य की परिवहन प्रणाली अब हकीकत बन चुकी है।

### /संक्षिप्त खबर/

**तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जारी**

**भोपाल,** उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने सरदार वल्लभ भाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय से रोज़गारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में शत-प्रतिशत प्रवेश के संबंध में प्रचार-प्रसार एवं विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से तैयार 'प्रचार रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह 10वीं पास विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होंगी। यह प्रचार रथ तकनीकी शिक्षा अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रवेश की प्रक्रिया एवं अन्य जानकारियों से विद्यार्थियों को अवगत कराएगा। उल्लेखनीय है कि संचालनालय तकनीकी शिक्षा द्वारा सत्र 2025-26 के लिए तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है।

**भीतर के पृष्ठों पर**


- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं


(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

## प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र के 11 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश में होंगे विभिन्न कार्यक्रम - मुख्यमंत्री

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में मीडिया से चर्चा में कहा कि आगामी माह तीन ऐसी महत्वपूर्ण तिथियां होंगी जिनका मध्यप्रदेश और देश के लिए विशेष महत्व है। आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस है इस नाते यह दिन जल गंगा संवर्धन अभियान के लिए महत्वपूर्ण दिन है। यह पर्यावरण दिवस भी है, और राज्य सरकार पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए अधिकाधिक प्रयास कर रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान का औपचारिक शुभारम्भ गुड़ी पड़वा से हो चुका है। प्रदेश में यह अभियान 30 जून तक चलेगा। जनप्रतिनिधि और आम नागरिक अभियान में व्यापक भागीदारी कर रहे हैं।

### प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 11 वर्ष

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण दिवस के पश्चात 9 जून को महत्वपूर्ण तिथि है जब यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के सफल 11 साल पूरे होने का भी दिन है। मध्यप्रदेश में इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी न केवल लगातार तीन कार्यकाल के लिए सरकार बनाने के लिए बधाई के पात्र हैं, बल्कि उन्होंने जो ऐतिहासिक फैसले लिए हैं, वे इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के लिए राष्ट्र हित सर्वोपरि है।

## प्रधानमंत्री श्री मोदी की अध्यक्षता में संपन्न नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग बॉडी की बैठक में मुख्यमंत्री शामिल

**नई दिल्ली,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नीति आयोग की गवर्निंग बॉडी की 10वीं बैठक में सम्मिलित हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से भेंट कर प्रदेश विकास की योजनाओं पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद (गवर्निंग काउंसिल) की बैठक 'विकसित राज्य फॉर विकसित भारत @2047' थीम पर केंद्रित थी। मुख्यमंत्री ने बैठक में शामिल होकर प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का मार्गदर्शन प्राप्त किया और इस बैठक को भारत के भविष्य निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में सभी राज्य 'टीम इंडिया' की भावना के साथ कार्य कर रहे हैं। आज मध्यप्रदेश विकास और लोक कल्याण के संकल्प पथ पर अग्रसर है और निरंतर नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण के विजन से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की प्रथम पंक्ति में स्थापित करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। नीति आयोग की बैठक में मध्यप्रदेश सरकार की ओर से विभिन्न विकासपरक कार्यों और योजनाओं की उपलब्धि विस्तार से सबके सामने रखी गई।

## ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट | राज्य में 1744 एकड़ भूमि 46 औद्योगिक इकाइयों को आवंटित - मुख्यमंत्री

**नरसिंहपुर,** प्रदेश सरकार वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। यह अद्भुत समय चल रहा है। मध्यप्रदेश में निवेश की खुशबू देशभर में फैल रही है। प्रदेश में विकास का क्रम जारी है, इस विकास यात्रा में सभी राज्यों के उद्योगपतियों का स्वागत है। जहां जनप्रतिनिधि, उद्योगपति, अधिकारी साथ में मिलकर प्रदेश के औद्योगिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं।

यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरसिंहपुर जिले में आयोजित कृषि उद्योग समागम में उद्यमियों को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के फरवरी में आयोजन के बाद पूरे देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी मध्यप्रदेश को निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं। 15 औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों को आवंटन आदेश और आशय पत्र वितरित किये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मेड इन इंडिया का दौर चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित मध्यप्रदेश की संकल्पनाओं को साकार करने के लिए हमें सभी क्षेत्रों में समान प्रगति करनी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में माइनिंग, टेक्सटाइल, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योगों के विकास की अपार संभावनाएं हैं।

### 35 हजार लोगों को रोज़गार के अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 (जीआईएस) के सफल आयोजन के बाद मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए नए अवसर सृजित हुए हैं। राज्य सरकार द्वारा 1744 एकड़ भूमि 46 औद्योगिक इकाइयों को आवंटित की गई है। इन इकाइयों में लगभग 24,500 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है, जिससे लगभग 35,000 रोज़गार के अवसर पैदा होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि समागम में कुल 52 इकाइयों से रुपये 4376 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे 6100 से अधिक रोज़गार के अवसर प्राप्त होंगे।

## 24 मई

### भारत में लगभग 7 लाख करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आया

● भारत में एफडीआई में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग

सात लाख करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आया। यह वित्तीय वर्ष 2023-24 की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि है। भारत ने वर्ष 2014 से 2019 के बीच एफडीआई के मानदंडों में कई सुधार किए, जिससे एफडीआई में वृद्धि हुई। सुधारों में रक्षा, बीमा और पेंशन के क्षेत्र में एफडीआई सीमा में वृद्धि और निर्माण, नागरिक उड्डयन के लिए उदार नीतियां शामिल हैं।

● चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपन एआई ने अबू धाबी में अपने एआई प्लेटफॉर्म 'स्टारगेट' की पहली अंतर्राष्ट्रीय तैनाती की घोषणा की है। यह दुनिया का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर होगा। इसके तहत एक गीगावॉट का कंप्यूटिंग क्लस्टर बनेगा। इसमें से 200 मेगावॉट वर्ष 2026 तक ऑपरेशनल हो जाएगा।

## 25 मई

### भारतीय छात्रों ने पढ़ाई छोड़ी तो अमेरिकी स्टूडेंट वीसा होगा रद्द

● अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प सरकार ने नया आदेश जारी किया है। ट्रम्प प्रशासन

ने कहा है कि कोई विदेशी छात्र अगर बिना जानकारी के कोर्स छोड़ता है, क्लास नहीं जाता है या पढ़ाई बीच में छोड़ता है, तो उसका स्टूडेंट वीसा रद्द किया जा सकता है। साथ ही, विदेशी छात्रों के नए वीसा इंटरव्यू रोक दिए गए हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में भारतीय छात्र पढ़ाई करते हैं।

● केंद्र सरकार ने कहा है कि प्रकाशन संबंधी गतिविधियों में लगे और विदेशी अंशदान प्राप्त करने वाले गैरसरकारी संगठन (एनजीओ) कोई समाचार पत्र प्रकाशित नहीं कर सकेंगे। इसके साथ ही उन्हें भारत के समाचार पत्र पंजीयक से यह प्रमाण पत्र लेना होगा कि वे कोई समाचार सामग्री प्रसारित नहीं करते हैं। केंद्र ने कहा कि विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकरण चाहने वाले एनजीओ को नए नियमों का पालन करना होगा। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि उसने एफसीआरए के तहत बनाए गए नियमों में संशोधन किया है और अब से विदेशी धन प्राप्त करने की अनुमति मांगने वाले एनजीओ को यह हलफनामा देना होगा कि वे फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के अच्छे आचरण संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे।

## 26 मई

### चेहरे को स्कैन करके हो जाएगा ब्लड टेस्ट

● भारत में ऐसी तकनीक विकसित कर ली गई है, जिससे मरीज के चेहरे को फोन

से स्कैन कर दस से अधिक जांच की जा सकेंगी। एआई आधारित तकनीक पर दो ऐप 'क्विक वाइटल्स' और 'अमृत स्वस्थ भारत' बनाए गए हैं। ऐप के जरिए चेहरे को स्कैन करना है और 20 से 60 सेकंड में ब्लड प्रेशर, हार्ट रेट, ऑक्सीजन सेचुरेशन, हीमोग्लोबिन, रेस्पिरेटरी रेट और तनाव स्तर की रिपोर्ट सामने होगी। हैदराबाद के सरकारी नीलोफर अस्पताल में 'अमृत स्वस्थ भारत' ऐप का प्रयोग पायलट प्रोजेक्ट की तरह शुरू किया गया। प्रोजेक्ट को अब अन्य राज्यों और आदिवासी इलाकों में बढ़ाने की योजना है।

● देश का पहला बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट 'मुंबई-अहमदाबाद' हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर' पर तेजी से काम चल रहा है। इस कॉरिडोर का पहला स्टेशन गुजरात के सूरत में लगभग तैयार हो चुका है। गुजरात के गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी ने बताया कि इस स्टेशन पर बुलेट ट्रेन ट्रायल रन अगले वर्ष शुरू होगा, जबकि पूरी सेवा वर्ष 2028 तक शुरू होने की उम्मीद है। यह परियोजना महाराष्ट्र और गुजरात के बीच 508 किलोमीटर लंबा हाई-स्पीड रेल मार्ग विकसित कर रही है। ट्रेन की गति 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी, जिससे दो महानगरों के बीच यात्रा समय घटकर सिर्फ दो घंटे सात मिनट रह जाएगा।

## 27 मई

### इंसानी ब्रेन सेल्स से चलने वाला कम्प्यूटर तैयार

● ऑस्ट्रेलिया की टेक स्टार्ट-अप 'कॉर्टिकल लैब्स' ने इंसानी ब्रेन सेल्स से

चलने वाला दुनिया का पहला कम्प्यूटर तैयार किया है। इस कम्प्यूटर का नाम 'सीएल-1' है। इसकी कीमत करीब 30 लाख रुपये होगी। यह कम्प्यूटर मेडिकल और साइंटिफिक रिसर्च के लिए बनाया गया है। सीएल-1 कम्प्यूटर इंसानी ब्रेन सेल्स और सिलिकॉन हार्डवेयर को मिलाकर बनाया गया है। इसे खासतौर पर न्यूरोलॉजिकल, साइकोलॉजिकल और जटिल बीमारियों की दवाओं और इलाज की टेस्टिंग के लिए बनाया गया है। कॉर्टिकल लैब्स की टीम का कहना है कि उन्होंने जिस तकनीक का इस्तेमाल किया है, उसे सिंथेटिक बॉयोलॉजिकल इंटेलीजेंस (एसबीआई) कहा जाता है। यह एआई से अलग है, क्योंकि इसमें इंसानी दिमाग से मिलते-जुलते बायोलॉजिकल मटेरियल का इस्तेमाल होता है।

● हिमालय की झीलें इंसानों के दबाव और खराब प्रबंधन के चलते दम तोड़ने लगी हैं। सबसे ज्यादा खराब हालत मध्य हिमालय की झीलों की है। यहां मौजूद 60 में से 30 झीलें पूरी तरह सूख चुकी हैं, जबकि बाकी झीलों का पानी सड़ने लगा है। नैनीताल, भीमताल, सातताल और नौकुचियाताल मध्य हिमालय का हिस्सा है। इन सभी की हालत गंभीर है। पांच-दस वर्षों में ये जैविक मृत्यु का शिकार हो जाएंगी। इन झीलों के पानी की वर्तमान स्थिति पर वाटर ट्रीटमेंट कंसल्टेंसी ग्लोब एक्वा की ताजा रिपोर्ट बताती है कि झीलों में ऑक्सीजन की भारी कमी हो गई है। इससे पानी सड़ रहा है। इसके साथ ही भीमताल और सातताल झीलें तो अंदर से मरने भी लगी हैं।

## 28 मई

### साधिकार समिति की मंजूरी से ही कट सकेंगे 25 से ज्यादा पेड़

● पेड़ों की कटाई पर अब सख्ती होगी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने

कहा है कि 25 से ज्यादा पेड़ काटने से पहले अनुमति लेना जरूरी है। इसके लिए एक उच्चस्तरीय केंद्रीय साधिकार समिति बनेगी। इस समिति में पर्यावरण मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक के प्रतिनिधि होंगे। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोडल एजेंसी बनाया गया है। पेड़ काटने से पहले हर पेड़ की जियो टैगिंग होगी। समिति देखेगी कि क्या पेड़ काटने के अलावा कोई और रास्ता है। अगर कोई और विकल्प नहीं है, तभी पेड़ काटने की अनुमति दी जाएगी। समिति को छह हफ्ते में रिपोर्ट देनी होगी। पेड़ काटने से ऑक्सीजन की जो कमी होगी, उसका आकलन भी करना होगा। जितने पेड़ काटे जाएंगे, उनके बदले 10 से 100 गुना तक पौधरोपण करना होगा।

● इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्धविराम पर सहमति जताई है। रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने बंधकों के परिजनों को यह जानकारी दी। सीजफायर का प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के पश्चिम एशिया दूत स्टीव विटकॉफ द्वारा दिया गया है। हमास ने कहा कि वह प्रस्ताव पर विचार कर रहा है।

## 29 मई

### हर कॉलेज में स्टूडेंट सर्विस सेंटर बनाना जरूरी - यूजीसी

● विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी कॉलेजों में स्टूडेंट सर्विस सेंटर (एसएससी) की स्थापना को अनिवार्य किया है। एसएससी छात्रों की तनाव और

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
UGC
University Grants Commission

भावनात्मक समस्याओं को दूर करेंगे, ताकि वे अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे सकें। यह विद्यार्थियों को स्ट्रेस मैनेजमेंट भी सिखाएंगे। एसएससी मुख्य रूप से ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र-छात्राओं, विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आए छात्रों और विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को जरूरी सहायता देंगे। इसके माध्यम से वे व्यवहारिक रूप से चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे। यूजीसी ने स्पष्ट किया है कि एसएससी के पास आवश्यक संसाधन होने चाहिए। जिसमें फिजिकल और मेंटल हेल्थ काउंसलर्स, शारीरिक/मानसिक-मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के लिए जरूरी संसाधन होना चाहिए ताकि छात्रों को इसकी जानकारी दी जा सके और उनका मूल्यांकन किया जा सके।

● महाराष्ट्र के पालघर जिले में अब डूबते लोगों को बचाने के लिए तकनीक का सहारा लिया जाएगा। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पुलिस और नगर निकायों को दस रोबोटिक बोट्स दिए हैं। इन बोट्स की कुल कीमत 1.66 करोड़ रुपये है। जिला आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख श्री विवेकानंद कदम ने बताया कि इससे बचाव अभियान और अधिक सुरक्षित और तेज हो पाएंगे।

## 30 मई

### देश में पहली बार होगा नेशनल हाउसहोल्ड ट्रैवल सर्वे

● देश में पहली बार नेशनल हाउसहोल्ड ट्रैवल सर्वे (एनएचटीएस) जुलाई से शुरू होगा। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (मोस्पी) यह सर्वे रेलवे के कहने पर करेगा। यह नेशनल सैंपल सर्वे (एनएसएस) के 80वें राउंड का हिस्सा होगा। सर्वे एक वर्ष तक चलेगा। इसका उद्देश्य देश के नागरिकों की रोजमर्रा की यात्रा की जानकारी जुटाना है। मोस्पी की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, इस सर्वे में यह पता लगाया जाएगा कि लोग कहां, कैसे और किस उद्देश्य से यात्रा करते हैं। यह महत्वपूर्ण डेटा

सरकार को यह समझने में मदद करेगा कि किन क्षेत्रों में ट्रांसपोर्ट की सुविधाएं बढ़ाने की जरूरत है। इससे पब्लिक ट्रांसपोर्ट, पॉलिसी डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की योजना एनएसओ डोमेस्टिक टूरिज्म एक्सपेंडिचर सर्वे (डीटीईएस) भी करेगा। इसका उद्देश्य एक-दो दिन की घरेलू यात्रा पर भारतीय परिवारों के खर्च के आंकड़े जुटाना है। मोस्पी के बयान के मुताबिक, दोनों सर्वे (एनएचटीएस और डीटीईएस) पूरे भारत में किए जाएंगे।

● इस साल आम लोगों को दो तरह की सहूलियतें मिलेंगी। महंगाई कम रहेगी, लोन की किस्तों का बोझ कुछ कम होगा और देश की आर्थिक सेहत अच्छी रहने के चलते रोज़गार संबंधित चुनौतियां कम होंगी। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 में आगामी महीनों में बेहतर हालात का अनुमान लगाया गया है। इस रिपोर्ट में आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि उसका ध्यान देश में मांग बढ़ाने के उपायों पर होगा। साथ ही जब कभी बैंकिंग सिस्टम में अतिरिक्त कैश की जरूरत होगी, तो वह जरूरत पूरी की जाएगी। केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में कटौती जारी रखने का भी स्पष्ट संकेत दिया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

एजेंसी देना है
मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र
रोज़गार और निर्माण
प्रदेश के छिन्दवाड़ा, धार, रतलाम, राजगढ़ एवं नीमच में एजेंसी नियुक्त करना है।
एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें
0755-2760006
प्रमुख आकर्षण
• कैरियर की खबरें
• सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
• सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
• मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
• खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
• विज्ञान की बातें
मध्यप्रदेश माध्यम
www.mpmadhyam.in
आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

वर्ष 42, अंक 23 02.06.2025 से 08.06.2025
रोज़गार और निर्माण
rojgaraurnirman.in

• प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
• सम्पादक - रंजना चितले
• प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
• प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
• आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
• वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

**वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर** रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
**रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011**
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

## सम्पादकीय

# महिला सशक्तिकरण का कीर्तिमान स्थापित कर रहा मध्यप्रदेश

नारी सशक्तिकरण आर्थिक विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण आधार है। राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन को मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मिशन बनाकर साकार कर रहे हैं। केन्द्र और राज्य सरकार का फोकस वित्तीय सहायता, कौशल और प्रशिक्षण के माध्यम से महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने पर रहा है। ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक परिस्थितियों में बदलाव प्रमुख ध्येय है। प्रदेश की महिलाओं के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिये निरंतर प्रयासरत होकर सक्रियतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। नारी सशक्तिकरण को केवल योजना के रूप में नहीं बल्कि जन आंदोलन के रूप में देखा जा रहा है। नारी शक्ति मिशन इस दृष्टिकोण का विस्तार है जिसमें हर जिले से महिलाओं को जोड़ा जा रहा है। प्रदेश में इंदौर और भोपाल में 250 बिस्तरीय क्षमता के 3 वर्किंग विमन हॉस्टल संचालित हैं। इसके अतिरिक्त 'स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट' योजना में वर्ष 2024-25 में 5412 बिस्तरीय 8 नए हॉस्टलों को मंजूरी दी गई है। इनमें से 4 महिला एवं बाल विकास विभाग और 4 उद्योग विभाग द्वारा संचालित किये जायेंगे। इसमें सिंगरौली, देवास, नर्मदापुरम और झाबुआ में 100-100 बिस्तरों के 4 हॉस्टलों के लिए 40.59 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। अब घर से दूर काम करने वाली महिलाओं को सुरक्षित और सुविधाजनक आवास मिलेगा। घरेलू हिंसा, शोषण या किसी भी संकट में फंसी महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर उम्मीद की किरण बनकर उभरे हैं। प्रदेश में 57 वन स्टॉप सेंटर पहले से ही संचालित हैं। महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को अब 112 आपात सेवा से जोड़ा गया है। यानी अब कोई भी महिला मुसीबत में हो तो सिर्फ एक कॉल से पुलिस, काउंसलिंग, आश्रय और कानूनी मदद सब एक साथ मिल सकती है। वर्ष 2024-25 में लगभग 82 हजार 552 महिलाओं को त्वरित सहायता मिली है। योजना के प्रारंभ से अब तक एक लाख 57 हजार महिलाओं को लाभ मिल चुका है। लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने 1.27 करोड़ बहनों के खाते में 1551.86 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता उनके खातों में पहुंच रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत वर्ष 2024-25 में 2 लाख 73 हजार 605 बालिकाओं का पंजीकरण हुआ और लगभग 223 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति यूनि-पे के जरिए वितरित की गई। अब तक कुल 50 लाख 41 हजार 810 बेटियां इस योजना का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना ने हजारों महिला समूहों को कम ब्याज पर ऋण दिलाकर उनके छोटे-छोटे व्यवसायों को सहारा दिया है। अब महिलाएं न सिर्फ घर चला रही हैं, बल्कि दूसरों को भी रोज़गार दे रही हैं। अब तक 30 हजार 264 महिला समूहों और 12 हजार 685 महिला उद्यमियों को 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान के रूप में 648.67 लाख की राशि वितरित की जा चुकी है। ऐसी महिलाएं और बच्चियां जो बेहद कठिन हालात में हैं, उनके लिए 13 जिलों में 14 शक्ति सदन संचालित किये जा रहे हैं, जहां उन्हें सुरक्षित अस्थायी आश्रय मिलता है। वर्ष 2024-25 में एक हजार 824 महिलाएं और 461 बच्चे लाभान्वित हुए हैं। आगामी समय में सभी 10 संभागीय मुख्यालयों में शक्ति सदन स्थापित किये जायेंगे। 'सशक्त वाहिनी' के तहत हजारों बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और आत्म रक्षा प्रशिक्षण मिला है। इसके तहत 11 हजार से अधिक बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये शैक्षणिक एवं शारीरिक प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें से 156 युवतियों का विभिन्न सरकारी पदों पर चयन हुआ। साथ ही 2.6 लाख से अधिक महिलाओं ने सुरक्षा और अधिकारों को लेकर जागरूकता अभियान में भाग लिया। राज्य सरकार द्वारा नारी शक्ति मिशन के तहत जिला, परियोजना और ग्राम स्तर पर 100 दिवसीय जागरूकता अभियान 'हम होंगे कामयाब अभियान' चलाया गया। निश्चित ही सरकार के इन प्रयासों से मध्यप्रदेश में महिलाएं स्वावलंबी हो रही हैं और सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर रही हैं।

# भारतीय सैन्य शक्ति को मजबूती प्रदान करेगा पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट

भारत एक बार फिर अपनी सैन्य शक्ति को और मजबूती देने की दिशा में आगे बढ़ गया है। पिछले महीने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरे विश्व को अपनी सैन्य शक्ति से परिचित कराने के बाद भारत ने सैन्य शक्ति को मजबूती देने की दिशा में बड़ा निर्णय लिया है। दरअसल भारत ने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट बनाने का निर्णय लिया है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के उत्पादन के लिए 'मेड इन इंडिया' फाइटर जेट प्रोजेक्ट पर सहमति दी है। इसके तहत अब भारत भी ऐसे फाइटर जेट्स बनाएगा, जो दुनिया में मौजूद पांचवीं पीढ़ी के तमाम फाइटर जेट्स मुकाबला करने का माद्दा रखता हो। दुनिया में पांचवें जनरेशन के फाइटर जेट्स में एक बड़ा नाम अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-35 लाइटनिंग II का है। लॉकहीड मार्टिन द्वारा बनाया गया यह फाइटर जेट दुनिया में विशेष स्थान रखता है। पांचवीं पीढ़ी का यह फाइटर जेट न केवल अपनी स्टील्थ, सेंसर फ्यूजन, और मल्टी-रोल क्षमताओं के लिए जाना जाता है, बल्कि इसकी 50 हजार फीट की ऊंचाई से हमला करने और हेलीकॉप्टर जैसी लैंडिंग करने की क्षमता इसे एक अभेद्य हथियार बनाती है। एफ-35 तीन अलग-अलग वैरिएंट्स में आता है। एफ-35ए, एफ-35बी और एफ-35सी। इसकी वर्टिकल लैंडिंग इसे हेलिपैड जैसे छोटी सी जगहों से उड़ने और उतरने में सक्षम बनाती है। यह उसे न सिर्फ युद्धपोतों पर बल्कि अस्थायी रनवे पर भी तैनात करने की सुविधा देता है।

इस फाइटर जेट की खास बात है कि यह रूस के एस-400 जैसे एयर डिफेंस सिस्टम को प्रभावित करने में सक्षम है। एस-400 की रडार प्रणाली अत्याधुनिक जरूर है, लेकिन एफ-35 की स्टील्थ डिजाइन और इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग सिस्टम के आगे यह रूसी रक्षा कवच फेल साबित होता है। वर्ष 2019 में सीरिया में एफ-35 के मिशन ने यह दिखा दिया कि ये जेट एस-400 जैसे डिफेंस सिस्टम की मौजूदगी में भी ऑपरेशन कर सकता है, बिना ट्रैक हुए।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

# संपन्न किसान और उन्नत कृषि से ही बनेगा भारत विश्व का समृद्ध राष्ट्र

स्वतंत्रता की शताब्दी वर्षगांठ तक भारत को विश्व का सबसे विकसित राष्ट्र बनाने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किसान, युवा, महिला और गरीब के उत्थान को पहली प्राथमिकता दी है। उसी के अनुरूप मध्यप्रदेश सरकार ने उन्नत कृषि और कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना का मानो अभियान छेड़ दिया है। अपने अभियान को गति देने के लिये प्रदेशभर में कृषि मेले आयोजित किये जा रहे हैं।

कृषि एक ऐसी विधा है जो न केवल जीवन के लिये आधारभूत आवश्यकता अन्न, फल और सब्जी की आपूर्ति करती है अपितु यह समाज और राष्ट्र की समृद्धि का आधार भी है। कृषि से समाज के प्रत्येक वर्ग, हर आयु का व्यक्ति जुड़ा रहता है। स्त्री पुरुष, युवा और वृद्ध सभी कृषि उत्पाद अथवा उसकी बिक्री से जुड़े होते हैं। अतीत में जहां तक दृष्टि जाती है कृषि कार्य और उसके विपणन का उल्लेख मिलता है। संसार के सबसे पहले लिखित ग्रंथ ऋग्वेद में कृषि और कृषि उपकरणों का वर्णन है। उन्नत कृषि और कृषि उत्पाद के प्रदर्शन का भी उल्लेख मिलता है। कृषि उत्पाद के प्रदर्शन को हम आज के संदर्भ में मेला कह सकते हैं। अमेरिका सहित दुनिया के अन्य देशों में भी कृषि मेले आयोजित होने का उल्लेख मिलता है। भारत यदि 'सोने की चिड़िया' के सम्मान से सम्मानित रहा है तो उसका आधार कृषि, कृषि आधारित औद्योगिक उत्पाद, ग्रामीण शिल्प और उनका विपणन ही रहा है। भारत के कृषि और शिल्प उत्पाद पूरे संसार में लोकप्रिय थे। स्वतंत्रता के बाद लगभग सभी सरकारों ने कृषि विकास और कृषि उत्पाद के विपणन की योजनाएं तो बनाईं लेकिन वे वैसी गति नहीं पकड़ सकीं, जैसी अपेक्षित थी। अब पिछले कुछ वर्षों से भारत ने कृषि और ग्रामीण विकास में नई गति पकड़ी है। देश और प्रदेश दोनों में नवाचार किये जा रहे हैं। ये नवाचार बहुआयामी हैं। गांव के विकास, किसानों की समृद्धि के साथ मध्यप्रदेश के विशिष्ट कृषि उत्पाद को विश्व का बाजार उपलब्ध कराने के लिये भी योजनाएं बनी हैं। मध्यप्रदेश सरकार इस दिशा में क्रमबद्ध तरीके से काम कर रही है। मध्यप्रदेश सरकार ने पहले चरण में किसानों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिये कृषि उत्पादन में सहायता, उत्पाद का उचित मूल्य मिलने, कृषि कार्य में उपयोग होने वाले उपकरणों में अनुदान, किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर ऋण देने आदि के क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। यह मध्यप्रदेश सरकार की प्रोत्साहन योजनाओं और किसानों के परिश्रम का ही परिणाम है कि कृषि उत्पाद में मध्यप्रदेश अब देश में अपना विशिष्ट स्थान बना रहा है। गेहूं उत्पाद में तो मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है और कृषि कर्मण अवॉर्ड भी लगातार मिल रहे हैं। अपनी इस कृषि प्रगति को स्थाई बनाने के लिये मध्यप्रदेश सरकार अनेक नवाचार कर रही है। खेतों को सिंचाई के लिये पर्याप्त पानी का प्रबंध करने के लिये डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में काम कर रही मध्यप्रदेश सरकार ने नदी जोड़ो अभियान को तेज गति प्रदान की है ताकि सिंचाई के लिये जल की पर्याप्त उपलब्धता हो सके। इसके अतिरिक्त धरती का जल स्तर बढ़ाने का भी वैश्विक अभियान आरंभ किया है। मध्यप्रदेश सरकार ने कृषि और ग्राम्य विकास के अपने अभियान के अंतर्गत अब किसानों को व्यापक रूप से उन्नत कृषि तकनीक अपनाने, स्थानीय कृषि उत्पाद के आधार पर उद्योग लगाने एवं कृषि उत्पाद की नेशनल मार्केटिंग करने का बीड़ा उठाया है। इसी के लिये प्रदेशभर में कृषि मेले आयोजित किये जा रहे हैं। इन मेलों के माध्यम से एक ओर मध्यप्रदेश के किसान कृषि के आधुनिकीकरण से जुड़ेंगे और दूसरी ओर मध्यप्रदेश के क्षेत्रीय विशिष्ट उत्पाद भी संसार में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकेंगे। मध्यप्रदेश की धरती की इस विविध विशिष्टता को हम नर्मदा अंचल की तुअर दाल, मध्यभारत के विदिशा, रायसेन सीहोर आदि जिले के शरबती गेहूं, मालवा क्षेत्र के कपास, महाकौशल के बासमती चावल आदि और उत्पाद से समझ सकते हैं। यही स्थिति फलोद्यान की विविधता में है। मध्यप्रदेश की इस विशिष्टता का वैश्विक सम्मान स्थापित करने और कृषि क्षेत्र में हो रहे वैश्विक परिवर्तनों से मध्यप्रदेश के किसानों को परिचित कराने के लिये ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी सरकार ने व्यापक पैमाने पर कृषि मेले आयोजित करने का अभियान चलाया है। अभी ऐसे मेले संभागीय स्तर पर आयोजित किए जा रहे हैं और अगले चरण में एक विशाल मेला प्रांतीय स्तर पर भी आयोजित होगा।

संभागीय स्तर पर ऐसे मेले आयोजित करने की शुरुआत मंदसौर जिले से हुई थी। इसी वर्ष अप्रैल में संपन्न मंदसौर के उस संभागीय कृषि मेले में कृषि उत्पाद के प्रदर्शन के साथ किसानों की जागरूकता और आय बढ़ाने के उद्देश्य से संगोष्ठियों और विचार सत्र भी आयोजित किए गए थे। इनमें उन्नत कृषि तकनीकों, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और कृषि में सौर ऊर्जा के उपयोग की महत्ता पर विचार सत्र हुये थे। वहीं उन्नत कृषि यंत्र, बीजों के प्रकार, आधुनिकतम यंत्र, खेती की उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन किया गया था। किसानों को उनकी आय बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती, हॉर्टिकल्चर, फ्लोरीकल्चर अर्थात् बागवानी, फलोद्यान जैसी गतिविधियां अपनाने के लिए प्रेरित किया गया था। मेले में शासकीय विभागों के स्टॉल के साथ उन्नत किसानों की सहभागिता भी रही थी। मंदसौर के कृषि मेले में कृषि महाविद्यालय के विद्यार्थियों को भी आमंत्रित किया गया था।

अब इसी कड़ी में दूसरा कृषि मेला हाल ही नरसिंहपुर जिला मुख्यालय में संपन्न हुआ। जिसका शुभारंभ भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने 26 मई को किया था और इसका समापन 28 मई को हुआ। नरसिंहपुर जिले की अधिकांश भूमि नर्मदा नदी के जल से आप्लावित है। इस जिले को 'दाल का कटोरा' माना जाता है, इस जिले की तुअर दाल को 'जीआई' टैग भी मिला है। तुअर दाल के अतिरिक्त इस पूरे क्षेत्र में कृषि और फल उत्पाद की अपनी विशिष्टता है। नरसिंहपुर में संपन्न यह कृषि मेला संभागीय स्तर का था इसमें मण्डला जिले से नरसिंहपुर और कटनी से लेकर छिन्दवाड़ा जिले तक के किसानों ने सहभागिता की थी। इसमें उन्नत कृषि उत्पाद के साथ कृषि आधारित औद्योगिक सम्मेलन और उद्यमियों का समागम भी हुआ। इनमें दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन, शाक-सब्जी उत्पादन, श्रीअन्न (मोटा अनाज) उत्पादन, उद्यानिकी, बागवानी, उन्नत किस्म के बीज, खाद, उर्वरक की जानकारी के साथ ही उन्नत कृषि उपकरणों का प्रदर्शन भी किया गया। मेले में शासकीय विभाग के स्टाल भी थे, जिससे किसानों को आधुनिक कृषि उपकरणों की बुकिंग में मिलने वाली शासकीय सहायता राशि की औपचारिकता मेले में ही पूरी की गई। मेले में किसानों एवं ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को कृषि के क्षेत्र में नए स्टार्ट-अप्स के बारे में जानकारी भी दी गई। मध्यप्रदेश सरकार ने इस मेले को एक व्यापक स्वरूप दिया था। मेले में भविष्य की योजनाओं और आने वाले समय की चुनौतियों से किसानों को अवगत कराने के साथ कृषि उन्नयन की योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

मध्यप्रदेश सरकार विकास का आधार कृषि के उन्नयन और किसान को समृद्ध बनाने के लिये अनेक कदम उठाने जा रही है। इसके अंतर्गत नरसिंहपुर में 102 हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योगों का फूड पार्क बनाया जा रहा है। ऐसा फूड पार्क छिन्दवाड़ा के बोरगांव और मण्डला के मनेरी में भी स्थापित होगा। मध्यप्रदेश के कृषि उत्पाद आधारित उद्योगों की स्थापना पर भी जोर दे रही है। मध्यप्रदेश में 1300 करोड़ रुपये से अधिक के कृषि उद्योग आकार लेने जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में अब प्रति व्यक्ति आय एक लाख 52 हजार रुपये हो गई है। सरकार ने दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना आरंभ की है। इसके अंतर्गत किसान अपने कृषि कार्य के साथ दुग्ध डेरी भी आरंभ कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत किसान के पास कम से कम 25 दुधारु पशु होने चाहिए। इस योजना में 25 से 33 प्रतिशत तक अनुदान सरकार देगी। सरकार ने यह निर्णय दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और किसान की आय बढ़ाने के लिये लिया है। दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का योगदान अभी 9 प्रतिशत है। सरकार इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है।

इस मेले में भी पूरे संभाग के सभी कृषि महाविद्यालयों के छात्रों को आमंत्रित किया गया था। मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न विभागों द्वारा 100 से अधिक प्रदर्शनी स्टॉल लगाए थे। इनके माध्यम से किसानों को सब्सिडी आदि का मार्गदर्शन दिया गया। जिन किसानों को शासकीय सहायता लेने में कुछ कठिनाई आ रही थी, उनकी कठिनाई का निराकरण मौके पर ही किया गया। मेले के अंतर्गत केवल नरसिंहपुर जिले में 116 करोड़ रुपये की लागत के 86 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया। मध्यप्रदेश सरकार ने इस मेले में चार बिन्दुओं पर अतिरिक्त फोकस किया था। एक तो कृषि क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों से किसानों को सावधान करना, दूसरा जैविक खेती की ओर बढ़ना, सिंचाई सोलर पंप की ओर बढ़ना एवं सोलर प्लांट लगाने के लाभ एवं अनुदान तथा चौथा ग्रामीण युवाओं के लिए स्थानीय उत्पाद के आधार पर कुटीर, लघु अथवा मध्यम उद्योग की स्थापना। ये चारों बिन्दुओं की किसान, गांव और जिले को आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। स्थानीय युवाओं को रोज़गार के नए अवसर भी मिलेंगे।

कृषि मेले आयोजित करने की श्रृंखला में अब तीसरा कृषि मेला जुलाई महीने में सतना में आयोजित किया जाएगा। जबकि चौथा कृषि मेला चंबल के मुरैना में आयोजित होगा। इसके बाद 12 से 14 अक्टूबर तक राज्य स्तरीय विशाल कृषि मेला भोपाल के पास सीहोर में आयोजित किये जाने की योजना है। मध्यप्रदेश में पहले रीजनल इन्वेस्टर्स समिट और अब यह कृषि मेले। निःसंदेह यह कवायद आधुनिक विकास की स्पर्धा में मध्यप्रदेश का नाम उन्नत प्रांतों में अग्रणी बनाने की ही यात्रा है।

- रमेश शर्मा

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

# संघ लोक सेवा आयोग

धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली - 110069

## सूचनात्माक विज्ञापन सं. 06/2025

निम्नलिखित पदों पर चयन द्वारा सीधी भर्ती के लिए वेबसाइट **https://upsconline.gov.in/ora/** के माध्यम से **24 मई, 2025 से 12 जून, 2025 तक** ऑन-लाइन भर्ती आवेदन (ओआरए) आमंत्रित किए जाते हैं.

1. **(रिक्ति सं. 25050601224)** विधिक एवं संधि प्रभाग, विदेश मंत्रालय में **विधि अधिकारी (ग्रेड-I)** के पद के लिए दो रिक्तियां. **(अना.-02). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-12. आयुः अना. के लिए 50 वर्ष.**

2. **(रिक्ति सं. 25050602624)** नागर विमानन महानिदेशालय, नागर विमानन मंत्रालय में **प्रचालन अधिकारी** के पद के लिए 121 रिक्तियां **(अना.-50, ईडब्ल्यूएस-12, अ.पि.व.-33, अ.जा.-18, अ.ज.जा.-08) (पीडब्ल्यूबीडी-05).** एक सौ इक्कीस रिक्तियों में से, पांच रिक्तियां बेंचमार्क दिव्यांगता **(पीडब्ल्यूबीडी)** वाले व्यक्तियों की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं. बेंचमार्क दिव्यांगता **(पीडब्ल्यूबीडी)** वाले उम्मीदवारों के लिए आरक्षित पांच रिक्तियों में से, दो रिक्तियां बेंचमार्क दिव्यांगता **(पीडब्ल्यूबीडी)** वाले व्यक्तियों की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे बधिर और ऊंचा सुनने की अक्षमता अर्थात् बधिर **(डी)** या ऊंचा सुनने वाले **(एचएच)**, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवारों अर्थात् प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट सहित दिव्यांगता, अर्थात एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या एक हाथ प्रभावित **(दायां या बायां) (ओए)** या प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात **(सीपी)** या कुष्ठ रोग उपचारित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** और शेष दो रिक्तियां बेंचमार्क दिव्यांगता **(पीडब्ल्यूबीडी)** वाले व्यक्तियों की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे ऑटिज्म, बौद्धिक अक्षमता या विशिष्ट अधिगम अक्षमता, और मानसिक रोग संबंधी अक्षमता अर्थात् विशिष्ट अधिगम अक्षमता **(एसएलडी)**, बहुविध अक्षमताओं **(एमडी)** अर्थात् उपर्युक्त अक्षमताओं की श्रेणियों में से कम से कम दो अक्षमताओं वाले उम्मीदवारों के लिए भी उपयुक्त हैं. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-10. आयु : अना./ ईडब्ल्यूएस के लिए 35 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 38 वर्ष, अ.जा. / अ.ज.जा. के लिए 40 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 45 वर्ष.**

3. **(रिक्ति सं. 25050603624)** राष्ट्रीय परीक्षण शाला, उपभोक्ता. मामले विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में **वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन)** के पद के लिए बारह रिक्तियां **(अना.-05, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-03, अ.जा.-02, अ.ज.जा.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 08. आयुः अना. / ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष, अ.जा. / अ.ज.जा. के लिए 35 वर्ष.**

4. **(रिक्ति सं. 25050604624)** राष्ट्रीय परीक्षण शाला, उपभोक्ता मामले विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में **वैज्ञानिक-बी (यांत्रिकी)** के पद के लिए एक रिक्ति **(अना.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 10. आयुः अना. के लिए 35 वर्ष.**

5. **(रिक्ति सं. 25050605324)** सैन्य इंजीनियरिंग कॉलेज, पुणे, रक्षा मंत्रालय में **एसोसिएट प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरी (राजमार्ग इंजीनियरी)** के पद के लिए एक रिक्ति **(अ.पि.व.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में अकादमिक स्तर 13 ए1. आयु : अ.पि.व. के लिए 48 वर्ष.**

6. **(रिक्ति सं. 25050606324)** सैन्य इंजीनियरिंग कॉलेज, पुणे, रक्षा मंत्रालय में **यांत्रिक इंजीनियरी (मशीन डिजाइन) में एसोसिएट प्रोफेसर** के पद के लिए एक रिक्ति **(अना.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में अकादमिक स्तर 13ए1. आयुः अना. के लिए 45 वर्ष.**

7. **(रिक्ति सं. 25050607324)** सैन्य इंजीनियरिंग कॉलेज, पुणे, रक्षा मंत्रालय में **एसोसिएट प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरी (लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी)** के पद के लिए एक रिक्ति **(अ.पि.व.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में अकादमिक स्तर 13 ए1. आयु : अ.पि.व. के लिए 48 वर्ष.**

8. **(रिक्ति सं. 25050608624)** नौसेना मुख्यालय, नागरिक कार्मिक निदेशालय, रक्षा मंत्रालय में **सिविल हाइड्रोग्राफिक अधिकारी** के पद के लिए तीन रिक्तियां **(अना.-02, अ.ज.जा.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 07. आयुः अना. के लिए 30 वर्ष एवं अ.ज.जा. के लिए 35 वर्ष.**

9. **(रिक्ति सं. 25050609624)** रक्षा मंत्रालय के एकीकृत मुख्यालय (एआईआर), रक्षा मंत्रालय में **डाटा प्रोसेसिंग सहायक** के पद के लिए एक रिक्ति **(अना.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 07. आयुः अना. के लिए 30 वर्ष.**

10. **(रिक्ति सं. 25050610424)** रक्षा स्टाफ मुख्यालय, सिग्नल आसूचना निदेशालय, रक्षा मंत्रालय (सेना) के एकीकृत मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय में **कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भूटानी)** के पद के लिए दो रिक्तियां **(अना.-01, अ.पि.व.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 08. आयुः अना. के लिए 30 वर्ष और अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष.**

11. **(रिक्ति सं. 25050611424)** रक्षा स्टाफ मुख्यालय, सिग्नल आसूचना निदेशालय, रक्षा मंत्रालय (सेना) के एकीकृत मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय में **कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (बर्मी)** के पद के लिए दो रिक्तियां **(अना.-01, अ.पि.व.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 08. आयुः अना. के लिए 30 वर्ष और अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष.**

12. **(रिक्ति सं. 25050612424)** रक्षा स्टाफ मुख्यालय, सिग्नल आसूचना निदेशालय, रक्षा मंत्रालय (सेना) के एकीकृत मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय में **कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (चीनी)** के पद के लिए दस रिक्तियां **(अना.-05, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-03, अ.जा.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 08. आयुः अना. / ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष और अ.जा. के लिए 35 वर्ष.**

13. **(रिक्ति सं. 25050613424)** रक्षा स्टाफ मुख्यालय, सिग्नल आसूचना निदेशालय, रक्षा मंत्रालय (सेना) के एकीकृत मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय में **कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (बहासा इंडोनेशिया)** के पद के लिए दो रिक्तियां **(अना.-01, अ.जा.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-08. आयुः अना. के लिए 30 वर्ष और अ.जा. के लिए 35 वर्ष.**

14. **(रिक्ति सं. 25050614424)** रक्षा स्टाफ मुख्यालय, सिग्नल आसूचना निदेशालय, रक्षा मंत्रालय (सेना) के एकीकृत मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय में **कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (सिंहली)** के पद के लिए दो रिक्तियां **(अना.-01, अ.ज.जा.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर- 08. आयुः अना. के लिए 30 वर्ष और अ.ज.जा. के लिए 35 वर्ष.**

15. **(रिक्ति सं. 25050615424)** संयुक्त सचिव एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, रक्षा मंत्रालय का कार्यालय, रक्षा मंत्रालय में **कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (तिब्बती)** के पद के लिए छह रिक्तियां **(अना.-03, ईडब्ल्यूएस - 01, अ.पि.व.-01, अ.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01).** छह रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता **(पीडब्ल्यूबीडी)** वाले व्यक्तियों की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों अर्थात बहुविध अक्षमताओं **(एम डी)** अर्थात अक्षमताओं की श्रेणी में से कम से कम दो अक्षमताओं वाले उम्मीदवारों जैसे दृष्टिहीन और अल्प दृष्टि की अक्षमता अर्थात् दृष्टिहीन **(बी)** या अल्प दृष्टि **(एलवी)**, बधिर और ऊंचा सुनने की अक्षमता अर्थात् बधिर **(डी)** या ऊंचा सुनने वाले **(एचएच)**, प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट सहित दिव्यांगता अर्थात दोनों पैर प्रभावित लेकिन हाथ नहीं **(बीएल)** या दोनों हाथ प्रभावित **(बीए)** या एक पैर प्रभावित **(दांया या बांया) (ओएल)** या एक हाथ प्रभावित **(दांया या बांया) (ओए)** या एक पैर और एक हाथ प्रभावित **(ओएलए)** या प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात **(सीपी)** या कुष्ठ रोग उपचारित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या मांसपेशीय दुर्विकास **(एमडीवाई)** ऑटिज्म, बौद्धिक अक्षमता, या विशिष्ट लर्निंग अक्षमता, और मानसिक रोग संबंधी अक्षमता अर्थात् ऑटिज्म स्पैक्ट्रम डिसआर्डर **(एएसडी) (एम=माइल्ड, एमओडी=मॉडरेट)** या बौद्धिक अक्षमता **(आईडी)** या विशिष्ट लर्निंग अक्षमता (एसएलडी) या मानसिक रोग **(एमआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 08. आयु : अना. / ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष, अ.जा. के लिए 35 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 40 वर्ष.**

16. **(रिक्ति सं. 25050616624)** नौसेना मुख्यालय, नागरिक कार्मिक निदेशालय, रक्षा मंत्रालय में **कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी** के पद के लिए पांच रिक्तियां **(अना.-01, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-01, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्री य वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 10. आयुः अना. / ईडब्ल्यूएस के लिए 35 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 38 वर्ष और अ.जा. / अ.ज.जा. के लिए 40 वर्ष.**

17. **(रिक्ति सं. 25050617624)** नौसेना मुख्यालय, नागरिक कार्मिक निदेशालय, रक्षा मंत्रालय में **प्रधान सिविल हाइड्रोग्राफिक अधिकारी** के पद के लिए एक रिक्ति (अ.जा.-01). **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 10. आयुः अ.जा. के लिए 40 वर्ष.**

18. **(रिक्ति सं. 25050618624)** नौसेना मुख्यालय, नागरिक कार्मिक निदेशालय, रक्षा मंत्रालय में **प्रधान डिजाइन अधिकारी (इंजीनियरी)** के पद के लिए एक रिक्ति (अना.-01). **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-12. आयुः अना. के लिए 45 वर्ष.**

19. **(रिक्ति सं. 25050619424)** सिग्नल आसूचना निदेशालय, एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय में **अनुसंधान अधिकारी** के पद के लिए एक रिक्ति (अना.-01). **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 10. आयुः अना. के लिए 35 वर्ष.**

20. **(रिक्ति सं. 25050620424)** सिग्नल आसूचना निदेशालय, एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय में **अनुवादक (चीनी)** के पद के लिए एक रिक्ति (अ.जा.-01). **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 10. आयुः अ.जा. के लिए 40 वर्ष.**

21. **(रिक्ति सं. 25050621424)** सिग्नल आसूचना निदेशालय, एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय में **अनुवादक (फारसी)** के पद के लिए एक रिक्ति (अ.जा.-01). **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 10. आयुः अना. के लिए 35 वर्ष.**

22. **(रिक्ति सं. 25050622224)** प्रवर्तन निदेशालय, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय में **सहायक विधिक सलाहकार** के पद के लिए पांच रिक्तियां **(अना.-03, अ.पि.व.-01, अ.जा.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 11. आयुः अना. के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष और अ.जा. के लिए 45 वर्ष.**

23. **(रिक्ति सं. 25050623424)** केंद्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय में **सहायक निदेशक (राजभाषा)** के पद के लिए सत्रह रिक्तियां **(अना.-09, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-04, अ.जा.-02, अ.ज.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01).** सत्रह रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता सहित चोट, अर्थात एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या एक हाथ प्रभावित **(दायां या बायां) (ओए)** या एक पैर और एक हाथ प्रभावित **(ओएलए)** या प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात **(सीपी)** या कुष्ठ रोग उपचारित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या मांसपेशीय दुर्विकास **(एमडीवाई)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 10. आयुः अना. / ईडब्ल्यूएस के लिए 35 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 38 वर्ष, अ.जा. / अ.ज.जा. के लिए 40 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 45 वर्ष.**

24. **(रिक्ति सं. 25050624624)** केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एव परिवार कल्याण मंत्रालय में **ड्रग्स इंस्पेक्टर (मेडिकल डिवाइस)** के पद के लिए बीस रिक्तियां **(अना.-07, ईडब्ल्यूएस -03, अ.पि.व.-05, अ.जा.-03, अ.ज.जा.-02) (पीडब्ल्यूबीडी-02).** बीस रिक्तियों में से, दो रिक्तियाँ बेंचमार्क दिव्यांगता **(पीडब्ल्यूबीडी)** वाले व्यक्तियों की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं. बेंचमार्क दिव्यांगता **(पीडब्ल्यूबीडी)** वाले उम्मीदवारों के लिए आरक्षित दो रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता **(पीडब्ल्यूबीडी)** वाले व्यक्तियों की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे बधिर और ऊंचा सुनने की अक्षमता अर्थात् बधिर **(डी)** या ऊंचा सुनने वाले **(एचएच)** और शेष एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवारों अर्थात् प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट सहित दिव्यांगता, अर्थात दोनों पैर प्रभावित लेकिन हाथ नहीं **(बीएल)** या एक पैर प्रभावित **(दांया या बांया) (ओएल)** या एक हाथ प्रभावित **(दांया या बांया) (ओए)** या एक पैर और एक हाथ प्रभावित **(ओएलए)** या प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात **(सीपी)** या कुष्ठ रोग उपचारित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 08. आयुः अना. / ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष, अ.जा. / अ.ज.जा. के लिए 35 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 40 वर्ष.**

25. **(रिक्ति सं. 25050625124)** स्वास्थ्य एव परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एव परिवार कल्याण मंत्रालय में **लोक स्वास्थ्य विशेषज्ञ ग्रेड III** के पद के लिए अठारह रिक्तियां **(अना.-07, ईडब्ल्यूएस-02, अ.पि.व.-04, अ.जा.-03, अ.ज.जा.-02) (पीडब्ल्यूबीडी-01).** अठारह रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता **(पीडब्ल्यूबीडी)** वाले व्यक्तियों की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे दृष्टिहीन या अल्प दृष्टि के साथ अक्षमता अर्थात् दृष्टिहीन **(बी)** या अल्प दृष्टि **(एलवी)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 11 + प्रै.नि.भ.. आयुः अना. / ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.जा. / अ.ज.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

26. **(रिक्ति सं. 25050626124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III (एनेस्थिसियोलॉजी)** के पद के लिए दस रिक्तियां **(अना.-04, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-05). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 11 + प्रै.नि.भ.. आयुः अना. / ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष और अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष.**

27. **(रिक्ति सं. 25050627124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III (जैव-रसायन विज्ञान)** के पद के लिए दो रिक्तियां **(अना.-01, अ.पि.व.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 11 + प्रै.नि.भ.. आयुः अना. के लिए 40 वर्ष और अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष.**

28. **(रिक्ति सं. 25050628124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III (सामान्य चिकित्सा)** के पद के लिए छब्बीस रिक्तियां **(अना.-09, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-11, अ.जा.-04, अ.ज.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01)**. छब्बीस रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता सहित चोट, अर्थात एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या एक हाथ प्रभावित **(दायां या बायां) (ओए)** या कुष्ठ रोग उपचारित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के वेतन मैट्रिक्स में स्तर - 11 + प्रै.नि.भ.. आयुः अना. / ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.जा. / अ.ज.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

29. **(रिक्ति संख्या 25050629124)** स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III (सामान्य शल्य चिकित्सा)** के पद के लिए आठ रिक्तियां **(अना.-02, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-04, अ.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी -02)**. आठ रिक्तियों में से, दो रिक्तियां बेंचमार्क दिव्यांगता **(पीडब्ल्यूबीडी)** वाले व्यक्तियों की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे दृष्टिहीन और अल्प दृष्टि की अक्षमता अर्थात अल्प दृष्टि **(एलवी)** के लिए आरक्षित हैं.. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11+प्रै.नि.भ.. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

30. **(रिक्ति संख्या 25050630124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III (अस्थि विज्ञान)** के पद के लिए दो रिक्तियां. **(अना.-01, अ.पि.व.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 सहित प्रै.नि.भ.. आयु : अनारक्षित के लिए 40 वर्ष और अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष.**

31. **(रिक्ति संख्या 25050631124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III (प्रसूतिविज्ञान तथा स्त्री-रोग विज्ञान)** के पद के लिए नौ रिक्तियां. **(अना.-02, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-04, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-01 ) (पीडब्ल्यूबीडी -01)**. नौ रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट सहित दिव्यांगता अर्थात एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या कुष्ठ रोग उपचारित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 सहित प्रै.नि.भ.. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

32. **(रिक्ति संख्या 25050632124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III (बाल चिकित्सा)** के पद के लिए पांच रिक्तियां. **(अना.-03, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01)**. पांच रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) से संबंधित उम्मीदवारों जैसे बधिर और ऊंचा सुनने की अक्षमता अर्थात् ऊंचा सुनने वाले (एचएच) के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 सहित प्रै.नि.भ.. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

33. **(रिक्ति संख्या 25050633124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III (रेडियो निदान)** के पद के लिए सोलह रिक्तियां. **(अना.-05, ईडब्ल्यूएस-01, अ.पि.व.-06, अ.जा.-02, अ.ज.जा.-02) (पीडब्ल्यूबीडी -01)**. सोलह रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट सहित दिव्यांगता अर्थात एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या कुष्ठ रोग उपचारित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 सहित प्रै.नि.भ.. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

34. **(रिक्ति संख्या 25050634124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III (तपेदिक और श्वसन चिकित्सा फुफ्फुसीय चिकित्सा)** के पद के लिए तीन रिक्तियां. **(अना.-01, ईडब्ल्यूएस-01, अ.पि.व.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 सहित प्रै.नि.भ.. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष और अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष.**

35. **(रिक्ति संख्या 25050635124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III सहायक प्रोफेसर (जैव-रसायन)** के पद के लिए आठ रिक्तियां. **(अना.-04, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-02, अ.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी -01)**. आठ रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट सहित दिव्यांगता अर्थात दोनों पैर प्रभावित परंतु हाथ नहीं **(बीएल)** या एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 सहित प्रै.नि.भ.. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

36. **(रिक्ति संख्या 25050636124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III सहायक प्रोफेसर (सूक्ष्मजैविकी या जीवाणु विज्ञान)** के पद के लिए सात रिक्तियां. **(अना.-02, ईडब्ल्यूएस -02, अ.जा.-02, अ.ज.जा.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 सहित प्रै.नि.भ.. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष और अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 45 वर्ष.**

37. **(रिक्ति संख्या 25050637124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III सहायक प्रोफेसर (पैथोलॉजी)** के पद के लिए ग्यारह रिक्तियां. **(अना.-05, ईडब्ल्यूएस -02, अ.पि.व.-03, अ.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी -01)**. ग्यारह रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट सहित दिव्यांगता अर्थात दोनों पैर प्रभावित परंतु हाथ नहीं **(बीएल)** या एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या एक पैर और एक हाथ प्रभावित **(ओएलए)** या कुष्ठ रोग उपचारित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)**, तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या मांसपेशीय दुर्विकास **(एमडीवाई)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 सहित प्रै.नि.भ.. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

38. **(रिक्ति संख्या 25050638124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III सहायक प्रोफेसर (फार्माकोलॉजी)** के पद के लिए पांच रिक्तियां. **(अना.-03, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 सहित प्रै.नि.भ.. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष और अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष.**

39. **(रिक्ति संख्या 25050639124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III सहायक प्रोफेसर (फिजियोलॉजी )** के पद के लिए दस रिक्तियां. **(अना.-05, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-02, अ.जा.-02) (पीडब्ल्यूबीडी -01)**. दस रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे ऑटिज्म, बौद्धिक अक्षमता, विशिष्ट अधिगम अक्षमता और मानसिक रोग संबंधी अक्षमता अर्थात् विशिष्ट अधिगम अक्षमता **(एसएलडी)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 सहित प्रै.नि.भ.. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

40. **(रिक्ति संख्या 25050640624)** केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में **सहायक उत्पादन प्रबन्धक (मुद्रण और प्रचार)/सहायक निदेशक (उत्पादन)** के पद के लिए दो रिक्तियां. **(अना.-01, अ.पि.व.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-07. आयुः अना. के लिए 30 वर्ष और अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष.**

41. **(रिक्ति संख्या 25050641524)** केंद्रीय जल आयोग, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय में **सहायक अभियंता (संचार)** के पद के लिए पांच रिक्तियां. **(अना.-03, अ.पि.व.-01, अ.जा.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-07. आयुः अना. के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष और अ.जा. के लिए 35 वर्ष.**

42. **(रिक्ति संख्या 25050642524)** केंद्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधानशाला (सीएसआरएमएस), जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय में **वैज्ञानिक बी (सिविल इंजीनियरी)** के पद के लिए तीन रिक्तियां. **(अना.-01, अ.पि.व.-01, अ.जा.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-10. आयुः अना. के लिए 35 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 38 वर्ष और अ.जा. के लिए 40 वर्ष.**

43. **(रिक्ति संख्या 25050643524)** केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधानशाला (सीडब्ल्यूपीआरएस), जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय में **वैज्ञानिक बी (कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी)** के पद के लिए तीन रिक्तियां. **(अना.-02, अ.जा.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-10. आयुः अना. के लिए 35 वर्ष और अ.जा. के लिए 40 वर्ष.**

44. **(रिक्ति संख्या 25050644524)** कारखाना सलाह सेवा एवं श्रम संस्थान महानिदेशालय (डीजीएफएएसएलआई), श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में **उप निदेशक (स्टाफ प्रशिक्षण/उत्पादकता) के पद के लिए दो रिक्तियां (अना -02) (पीडब्ल्यूबीडी -01)**. दो रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता से संबंधित व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** अर्थात दृष्टिहीन और अल्प दृष्टि की अक्षमता अर्थात अल्प दृष्टि **(एलवी)** वाले व्यक्तियों की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11. आयुः अना. के लिए 40 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

45. **(रिक्ति संख्या 25050645624)** भारतीय खान ब्यूरो, खान मंत्रालय में **सहायक खान नियंत्रक** के पद के लिए पांच रिक्तियां **(अना-03, अ.पि.व.-02). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-10. आयुः अना. के लिए 35 वर्ष और अ.पि.व. के लिए 38 वर्ष.**

46. **(रिक्ति संख्या 25050646524)** प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में **प्रशिक्षण अधिकारी (महिला प्रशिक्षण को छोड़कर) (बढ़ई)** के पद के लिए एक रिक्ति **(अ.जा.-01). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-07. आयुः अ.जा. के लिए 35 वर्ष.**

47. **(रिक्ति संख्या 25050647524)** प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में **प्रशिक्षण अधिकारी (महिला प्रशिक्षण को छोड़कर) (कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन)** के पद के लिए उन्नीस रिक्तियां. **(अना.-10, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-05, अ.जा.-02, अ.ज.जा.-01) वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-07. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष, अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 35 वर्ष.**

48. **(रिक्ति संख्या 25050648524)** प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में **प्रशिक्षण अधिकारी (महिला प्रशिक्षण को छोड़कर) (ड्राफ्ट्समैन सिविल)** के पद के लिए तीन रिक्तियां. **(अना.-01, अ.पि.व.-01, अ.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी -01)**. तीन रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवारों जैसे दृष्टिहीन और अल्प दृष्टि की अक्षमता अर्थात् अल्प दृष्टि **(एलवी)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-07. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष, अ.जा. के लिए 35 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 40 वर्ष.**

49. **(रिक्ति संख्या 25050649524)** प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में **प्रशिक्षण अधिकारी (महिला प्रशिक्षण को छोड़कर) (इंजीनियरी ड्राइंग या ड्राइंग रीडिंग और अर्थमैटिक)** के पद के लिए सोलह रिक्ति. **(अना.-07, ईडब्ल्यूएस- 01, अ.पि.व.- 04, अ.जा.- 03, अ.ज.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी -01)**. सोलह रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे ऑटिज्म, बौद्धिक अक्षमता, विशिष्ट अधिगम अक्षमता और मानसिक रोग संबंधी अक्षमता अर्थात् ऑटिज्म स्पेक्ट्रम अक्षमता **(एएसडी) (एम = माइल्ड)** या विशिष्ट अधिगम अक्षमता **(एसएलडी)**, या मानसिक रोग **(एमआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-07. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष, अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 35 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 40 वर्ष.**

50. **(रिक्ति संख्या 25050650524)** प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में **प्रशिक्षण अधिकारी (महिला प्रशिक्षण को छोड़कर) (इलेक्ट्रीशियन या वायरमैन)** के पद के लिए तेरह रिक्तियां. **(अना.-09, ईडब्ल्यूएस- 01, अ.जा.-03). वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-07. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष और अ.जा. के लिए 35 वर्ष.**

51. **(रिक्ति संख्या 25050651524)** प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में **प्रशिक्षण अधिकारी (महिला प्रशिक्षण को छोड़कर) (फाउंड्रीमैन/ मोल्डर)** के पद के लिए एक रिक्ति.

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

(अना-01). वेतनमान: 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-07. आयु: अना. के लिए 30 वर्ष.

52. **(रिक्ति संख्या 25050652524)** प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में **प्रशिक्षण अधिकारी (महिला प्रशिक्षण को छोड़कर) (मैकेनिक रिफ्रिजरेशन और एअर कंडिशनिंग)** के पद के लिए पांच रिक्तियां. (अना.-01, ईडब्ल्यूएस- 01, अ.पि.व.- 02, अ.ज.जा.- 01). **वेतनमान: 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-07. आयु: अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष और अ.ज.जा. के लिए 35 वर्ष.**

53. **(रिक्ति संख्या 25050653524)** प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में **प्रशिक्षण अधिकारी (महिला प्रशिक्षण को छोड़कर) (मैकेनिक मोटर व्हीकल)** के पद के लिए छह रिक्तियां. (अना.-02, ईडब्ल्यूएस- 01, अ.पि.व. - 02, अ.जा.- 01). वेतनमान: 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-07. आयु: अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष और अ.जा. के लिए 35 वर्ष.

54. **(रिक्ति संख्या 25050654524)** प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में **प्रशिक्षण अधिकारी (महिला प्रशिक्षण को छोड़कर) (मैकेनिक ट्रैक्टर)** के पद के लिए एक रिक्ति. (अ.जा.-01). **वेतनमान: 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-07. आयु: अ.जा. के लिए 35 वर्ष.**

55. **(रिक्ति संख्या 25050655524)** प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में **प्रशिक्षण अधिकारी (महिला प्रशिक्षण को छोड़कर) (शिक्षण सिद्धांत/प्रशिक्षण पद्धति)** के पद के लिए **बाईस रिक्तियां**. (अना-09, ईडब्ल्यूएस-02, अ.पि.व. -06, अ.जा. -03, अ.ज.जा.-02) (पीडब्ल्यूबीडी-01). बाईस रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता **(पीडब्ल्यूबीडी)** वाले व्यक्तियों की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे दृष्टिहीन और अल्प दृष्टि के साथ अक्षमता अर्थात दृष्टिहीन **(बी)** या अल्प दृष्टि **(एलवी)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान: 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-07. आयु: अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष, अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 35 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 40 वर्ष.**

56. **(रिक्ति संख्या 25050656524)** प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में **प्रशिक्षण अधिकारी (महिला प्रशिक्षण को छोड़कर) (कार्यशाला गणना और विज्ञान)** के पद के लिए सात रिक्तियां. (अना.-04, ईडब्ल्यूएस -01, अ.जा.-02). **वेतनमान: 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-07. आयु: अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष और अ.जा. के लिए 35 वर्ष.**

57. **(रिक्ति संख्या 25050657124)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली **सरकार में विशेषज्ञ ग्रेड III (रेडियो निदान)** के पद के लिए इक्कीस रिक्तियां (अना.-06, ईडब्ल्यूएस -01, अ.पि.व.-07, अ.जा.-05, अ.ज.जा.-02) (पीडब्ल्यूबीडी -01). इक्कीस रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले उम्मीदवारों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट सहित दिव्यांगता अर्थात दोनों पैर प्रभावित परंतु हाथ नहीं **(बीएल)** या एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या कुष्ठ रोग उपचारित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)**, तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या मांसपेशीय दुर्विकास **(एमडीवाई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान: 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 सहित प्रै.नि.भ.. आयु: अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 45 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 48 वर्ष, अ.जा./ अ.ज.जा. के लिए 50 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 55 वर्ष.**

ऑन-लाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि आयु सीमा की गणना करने हेतु निर्णायक तिथि होगी.

उपर्युक्त पदों के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आयोग की ओआरए वेबसाइट **https://upsconline.gov.in/ora/** पर जाएं. "चयन द्वारा भर्ती हेतु उम्मीदवारों के लिए अनुदेश तथा अतिरिक्त सूचना" के साथ विस्तृत विज्ञापन, आयोग की वेबसाइट **https://upsc.gov.in** के साथ-साथ ऑन-लाइन भर्ती आवेदन पत्र (ओआरए) वेबसाइट **https://upsconline.gov.in/ora/** पर भी प्रदर्शित किए गए हैं.

**हिन्दी और अंग्रेजी पाठ में किसी प्रकार की विसंगति होने की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा.**

### शुद्धि-पत्र

**(संदर्भ सं. एफ1/134(27)/2025-भ.III, एफ1/133(26)/2025-भ.III और एफ1/81(12)/2025/भ.-VI)**

**2.** सभी संबंधितों की सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि (दिनांक 10-05-2025 के एम्प्लॉयमेंट न्यूज /रोजगार समाचार में प्रकाशित आयोग का सूचनात्मक विज्ञापन सं. 05/2025, मद संख्या 06, रिक्ति सं. 25050506310), मद संख्या 07, रिक्ति सं. 25050507310 क्रमशः) सैन्य इंजीनियरिंग कॉलेज, पुणे, रक्षा मंत्रालय में सहायक प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरी (निर्माण प्रबंधन) के पद के लिए एक रिक्ति और सैन्य इंजीनियरी कॉलेज, पुणे, रक्षा मंत्रालय में सहायक प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरी (मृदा यांत्रिकी) के पद के लिए एक रिक्ति में भर्ती के लिए 'स्तर-10' के रूप में इंगित 'वेतनमान को 'अकादमिक स्तर-10' के रूप में पढ़ा जाएं'.

**3.** सभी संबंधितों की सूचना हेतु यह भी अधिसूचित किया जाता है कि (दिनांक 10-05-2025 को एम्प्लॉयमेंट न्यूज/रोजगार समाचार में प्रकाशित आयोग का सूचनात्मक विज्ञापन सं. 05, मद संख्या 13, रिक्ति संख्या 25050513610) भारतीय खान ब्यूरो, खान मंत्रालय में वरिष्ठ सहायक खान नियंत्रक के पद के लिए दो रिक्तियों में भर्ती के लिए पीडब्ल्यूबीडी हेतु आयु 'पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष पढ़ी जाएं'.

**4.** अन्य सभी नियम व शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी.

**ILVA COMMERCE AND SCIENCE COLLEGE**
(Managed by Indore Loha Vyapari Parmarthik Trust)
Approved by M.P. Higher Education & Affiliated to DAVV Indore
Sch. No. 31, Sneh Nagar, Indore. Ph. : 0731-4094686, E-mail : collegeilva@gmail.com

**REQUIRES**

**PRINCIPAL (1)**

**ASSISTANT PROFESSOR**
(Under College Code 28)
- COMMERCE (6) - MANAGEMENT (5) - COMPUTERS (4)
- PHYSICS (1) - ENGLISH (2) - ECONOMICS (2) - HINDI (2)
- HISTORY (3) - POLITICAL SCIENCE (3)

**ASSISTANT PROFESSOR EDUCATION**
(Under College Code 28) (11)
METHOD OF TEACHING -
- BIOLOGY - CHEMISTRY - ECONOMICS - SOCIAL SCIENCE
- HINDI - HISTORY - MATHS - PERFORMING ARTS TEACHER
- MUSIC & DANCE TEACHER

SPORTS OFFICER (1)
OFFICE INCHARGE (1) - PG Degree in any discipline & having knowledge of Hindi & English Typing.
ACCOUNTANT (1) - M.Com. having experience in Education Institute.
OFFICE ASSISTANT (1) - Having knowledge of Scholarship, Computer with Hindi & English Typing.

**Eligibility, Qualification as per U.G.C./AICTE Norms.**
**Salary is no bar for deserving candidate.**

Apply with Photo, Complete Resume & all testimonials within 10 days of advertisement. Send soft copy to collegeilva @ gmail.com and hard copy to the college address.
Chairman

R-51029/2025

## केंद्र सरकार ने 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में की वृद्धि

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्र सरकार द्वारा 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में की गई वृद्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रीमंडलीय समिति ने विपणन सीजन 2025-26 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि की है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त किया है। डॉ. यादव ने बताया कि एमएसपी में रामतिल में 820 और रागी में 596 के साथ ही कपास में 589 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। मध्यप्रदेश में धान और सोयाबीन सहित इन सभी फसलों का उत्पादन व्यापक है। इस नाते मध्यप्रदेश के किसानों के कल्याण के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की है कि उत्पादों के न्यूनतम समर्थन मूल्यों में वृद्धि का लाभ मध्यप्रदेश के किसान भाइयों को भी प्राप्त होगा।

**MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY**
(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./6898/22/D-12/MPRRDA/2025 Bhopal, Dated : 30.05.2025

**NOTICE INVITING TENDER No. 1229 (PM-JANMAN) (BATCH-IV, YEAR-2024-25)**

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in**. as detailed below:
- **Name of Work** - Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.
- **SSR Applicable** : SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 01.01.2024 and amended upto issue date of NIT.
- **Table-4** : PM-JANMAN-Batch-IV

| S. No. | Name of District | No. of Packages | No. of Road | Total Length (in kms) | Total PAC (In Rs.) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Singrauli | 1 | 1 | 2.85 | 16863390.00 |

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in**. The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from **03.07.2025 (17:30 hrs)** and last date for online bid submission is **18.07.2025 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

**CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**
M.P. Madhyam/120355/2025
"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-51036/2025

## पारम्परिक शिल्पकला, आत्मनिर्भरता व स्वावलंबन का आधार है - मुख्यमंत्री

**भोपाल,** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए वोकल फॉर लोकल के विचार को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। यह हमारी पारंपरिक शिल्प कला, लोक कला और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का सशक्त माध्यम है। साथ ही वोकल फॉर लोकल का विचार स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाते हुए कारीगरों की आत्मनिर्भरता और उनके स्वावलंबन के लिए भी प्रभावी है। इस दिशा में ग्राम श्री ट्रस्ट द्वारा क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी के माध्यम से की गई पहल कारीगरों को नई पहचान और अवसर प्रदान करेगी। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल हाट में क्राफ्टरूट्स हस्तशिल्प प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल भी उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा भोज ने भोपाल और इस संपूर्ण अंचल को विशेष पहचान दी है। इसके साथ ही देश लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती मना रहा है। देवी अहिल्याबाई ने महिला स्वावलंबन और महिला सशक्तिकरण के अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी महिला स्वावलंबन की दिशा में सार्थक कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों के हस्तशिल्प की अपनी विशेष पहचान और आभा है। ऐसी प्रदर्शनियों के माध्यम से क्षेत्रीय स्तर के उत्पादों की ख्याति दूर-दूर तक फैलती है और कारीगरों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने का अवसर मिलता है। डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। बड़े उद्योगों से लेकर कुटीर उद्योगों तक के विस्तार के लिए प्रदेश में गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश में रोज़गारपरक उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प से बनने वाले उत्पाद प्लास्टिक का प्रभावी विकल्प हो सकते हैं। राज्य सरकारों, संस्थाओं सहित व्यक्तिगत स्तर पर भी इसे प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अपने संबोधन में हस्तशिल्प को प्रोत्साहित करने के लिए क्राफ्ट यूनिवर्सिटी स्थापित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि कारीगरों को एक राज्य से दूसरे राज्य आने-जाने में यात्रा के लिए राज्य सरकारों द्वारा सहयोग उपलब्ध कराया जाना चाहिए। महेश्वर में स्थापित धागा बैंक का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कारीगरों को उनके कार्यस्थल के आसपास ही कच्चा माल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाना आवश्यक है। श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि शासकीय अमले की कारीगरों के प्रति संवेदनशीलता, सहयोगी प्रवृत्ति और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान की पहल से हस्तशिल्प को तेजी से प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूह और बालिका शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

क्राफ्टरूट्स संस्था के संस्थापक श्रीमती अनार पटेल ने कहा कि हस्तशिल्प कृषि के बाद रोज़गार देने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। वर्ष 1995 में स्थापित उनकी संस्था द्वारा अब तक 70 हजार से अधिक बहनों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया है।

**म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम**
कार्यालय परियोजना यंत्री
संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./758/तशा/प.यं./2025 दिनांक 27.05.2025

**प्रेस विज्ञप्ति**

इस कार्यालय द्वारा SITC OF PREPAID ENERGY METER AT 80+160 QUARTER PIPLANI BHOPAL ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2025_MPPHC_427030_1 **दिनांक 06.06.2025 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक** खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120340/2025 R-51035/2025 **परियोजना यंत्री**

## कैंसर से पीड़ित मरीजों की नि:स्वार्थ भाव से की जा रही सेवा अनुकरणीय

**जबलपुर,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विराट हॉस्पिस जबलपुर में इस नि:स्वार्थ कार्य को संचालित करने वाली साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी से भी भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा है कि कैंसर के मरीजों की नि:स्वार्थ भाव से की जा रही सेवा अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री ने विराट हॉस्पिस जबलपुर में भर्ती कैंसर मरीजों से भेंट की, जिन्हें डॉक्टर भी जवाब दे चुके हैं और गरीब परिवारों के होने की वजह से जीवन के अंतिम समय में उन्हें देखभाल के लिये रखा गया है।

# भारतीय नौसेना

## नाविकों के रूप में नामांकन के लिए अविवाहित पुरुष/महिला उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है - खेल कोटा प्रविष्टि-02/2025 बैच

**1. खेल अनुशासन** : ऐसे उत्कृष्ट खिलाड़ी, जिन्होंने निम्नलिखित विषयों में अंतर्राष्ट्रीय/जूनियर या सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लिया हो:-

**(ए) पुरुष उम्मीदवारों के लिए अनुशासन**: एथलेटिक्स, एक्वेटिक्स, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, क्रिकेट, घुड़सवारी, फुटबॉल, कलात्मक जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, कबड्डी, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती, स्क्वैश, गोल्फ, टेनिस, कयाकिंग और कैनोइंग, नौकायन, शूटिंग और नौकायन.

**(बी) महिला उम्मीदवारों के लिए अनुशासन**: एथलेटिक्स, एक्वेटिक्स, मुक्केबाजी, भारोत्तोलन, कुश्ती, कयाकिंग और कैनोइंग, नौकायन, शूटिंग और नौकायन.

**नोट**:- (i) निशानेबाजी के लिए, नवीनतम राष्ट्रीय रैंकिंग के अनुसार ओलंपिक स्पर्धाओं में केवल शीर्ष 50 एथलीट ही आवेदन करने के पात्र हैं. (ii) नौकायन के लिए, आईएलसीए7, आईएलसीए6, 49er और 49er (एफएक्स) वर्गों में अंतर्राष्ट्रीय/वरिष्ठ राष्ट्रीय पदक विजेता ही आवेदन करने के पात्र हैं.

**2. पात्रता की शर्तें: (ए) डायरेक्ट एंट्री पेटी ऑफिसर (खेल प्रवेश)/चीफ पेटी ऑफिसर (खेल प्रवेश)**:-

**शैक्षणिक योग्यता** : किसी भी स्ट्रीम में 10+2 उत्तीर्ण या समकक्ष परीक्षा.

**खेल प्रवीणताः डायरेक्ट एंट्री पेटी ऑफिसर (खेल प्रवेश)**:-

**(i)** राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राज्य का प्रतिनिधित्व करके जूनियर/सीनियर स्तर पर पदक विजेता होना चाहिए या अंतरराष्ट्रीय स्तर (व्यक्तिगत स्पर्धा) पर देश का प्रतिनिधित्व किया हो. **(ii)** जूनियर/सीनियर स्तर (टीम स्पर्धा) पर राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राज्य या देश का प्रतिनिधित्व किया हो. **(iii)** खेलो इंडिया गेम्स और यूथ गेम्स या उससे ऊपर के खेलों में पदक विजेता होना चाहिए. **(iv)** अंतिम चयन के लिए उम्मीदवारों की सिफारिशों के साथ संबंधित खेल प्राधिकरणों (संघों) से प्रमाणपत्र होना चाहिए.

**डायरेक्ट एंट्री चीफ पेटी ऑफिसर (खेल प्रवेश)**: **(i)** विश्व चैंपियनशिप/एशियाई चैंपियनशिप में किसी भी पदक का विजेता. **(ii)** एशियाई खेलों में किसी भी पदक का विजेता. **(iii)** राष्ट्रमंडल खेलों/विश्व कप में किसी भी पदक का विजेता. **(iv)** एशियाई खेलों/राष्ट्रमंडल खेलों/विश्व कप में दो बार भारत का प्रतिनिधित्व किया हो. **(v)** ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो.

**आयु** : पाठ्यक्रम प्रारंभ होने की तिथि के अनुसार 17½ से 25 वर्ष. उम्मीदवारों का जन्म **01 सितंबर 2000 से 29 फरवरी 2008 (दोनों तिथियां सम्मिलित)** के बीच हुआ होना चाहिए.

**3. वेतन और भत्ते** : प्रारंभिक प्रशिक्षण अवधि के दौरान 14,600/- रुपये प्रतिमाह का वजीफा स्वीकार्य होगा. प्रारंभिक प्रशिक्षण के सफल समापन पर उन्हें पेटी ऑफिसर्स के लिए वेतन स्तर 5 और चीफ पेटी ऑफिसर्स के लिए वेतन स्तर 6 में रखा जाएगा. इसके अलावा, उन्हें 5200/- रुपये प्रतिमाह एमएसपी और डीए (जैसा लागू हो) का भुगतान किया जाएगा.

**4. बीमा कवर** : सभी नाविकों के लिए 75 लाख रुपये का बीमा कवर (योगदान पर) लागू है.

**पदोन्नति और भत्ते**

**5. पदोन्नति** : मास्टर चीफ पेटी ऑफिसर-I (सूबेदार मेजर के समकक्ष) के पद तक पदोन्नति की संभावनाएं मौजूद हैं.कमीशन प्राप्त अधिकारी के पद पर पदोन्नति के अवसर भी उन लोगों के लिए उपलब्ध हैं, जो अच्छा प्रदर्शन करते हैं, निर्धारित परीक्षा/चयन प्रक्रिया उत्तीर्ण करते हैं और समय-समय पर निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं.

**6. सुविधाएं: (क)** प्रशिक्षण की पूरी अवधि के दौरान और उसके बाद, नाविकों को किताबें, पढ़ने की सामग्री, वर्दी, भोजन और आवास आदि निःशुल्क दिए जाते हैं.

**(ख)** नाविक चिकित्सा उपचार और स्वयं तथा आश्रितों के लिए छुट्टी यात्रा रियायत, समूह आवास लाभ बीमा कवर और अन्य विशेषाधिकारों के हकदार हैं. नाविकों को वर्तमान नियमों के अनुसार वार्षिक और आकस्मिक अवकाश का लाभ उठाने का भी विशेषाधिकार है. बच्चों की शिक्षा और मकान किराया भत्ते भी स्वीकार्य हैं. सेवानिवृत्ति के बाद के लाभों में पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण शामिल हैं.

**चयन मानदंड**

**7. चयन मानदंड** : योग्य उम्मीदवारों को नामित नौसेना केंद्रों पर ट्रायल के लिए बुलाया जाएगा. ट्रायल में सफल होने वाले उम्मीदवारों को आईएनएस हमला, मुंबई/आईएनएस इंडिया, दिल्ली में मेडिकल जांच से गुजरना होगा. नामांकन का प्रस्ताव केवल चयनित उम्मीदवारों को भेजा जाएगा, जो विशेष खेल विषयों में आवश्यकता और रिक्तियों की उपलब्धता के आधार पर सख्ती से निर्धारित किया जाएगा. चयन ट्रायल के स्थान में बदलाव के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा. अधूरे आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे.

**8. चिकित्सा मानक : (क)** प्रवेश पर लागू वर्तमान नियमों में निर्धारित चिकित्सा मानक के अनुसार अधिकृत सैन्य डॉक्टरों द्वारा चिकित्सा जांच की जाएगी.

**(ख) लिंग** : यदि किसी उम्मीदवार में बाहरी शारीरिक जांच में विपरीत लिंग की प्रमुख विशेषताएं पाई जाती हैं, तो उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा. लिंग परिवर्तन सर्जरी कराने वाले किसी भी उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा.

**(ग) गर्भावस्था** : यदि कोई महिला उम्मीदवार गर्भवती पाई जाती है, तो उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा और उसकी उम्मीदवारी खारिज कर दी जाएगी. उम्मीदवार को रिपोर्टिंग के समय या प्रारंभिक प्रशिक्षण के समापन तक गर्भधारण नहीं करना चाहिए. यदि प्रशिक्षण के दौरान बाद में गर्भवती पाई जाती है, तो उम्मीदवारी खारिज कर दी जाएगी.

**(घ) न्यूनतम ऊंचाई मानक** : पुरुषों के लिए न्यूनतम ऊंचाई मानक 157 सेमी और महिलाओं के लिए 152 सेमी है.

**(ङ)** उम्मीदवार को अच्छे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में होना चाहिए, किसी भी बीमारी/ दिव्यांगता से मुक्त होना चाहिए जो शांति और युद्ध की स्थिति में तट पर और पानी पर कर्तव्यों के कुशल प्रदर्शन में बाधा उत्पन्न कर सकती है.

**नोटः- (i) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे चिकित्सा जांच से पहले अपने कानों को मोम से साफ करें और दांतों से टार्टर हटा दें.** (ii) ऊंचाई में छूट और टैटू के बारे में विनियम वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर उपलब्ध हैं.

**9. दृश्य मानक**

| चश्मा के बिना | | चश्मा के साथ | |
|---|---|---|---|
| बेहतर आंख | खराब आंख | बेहतर आंख | खराब आंख |
| 6/12 | 6/12 | 6/6 | 6/6 |

**नोटः-** नौसेना में इसी पद के लिए पिछली भर्ती में किसी सशस्त्र बल अस्पताल द्वारा स्थायी रूप से चिकित्सकीय रूप से अयोग्य घोषित किए गए आवेदकों को आवेदन न करने की सलाह दी जाती है.

**प्रशिक्षण और प्रारंभिक नियुक्ति**

**10. प्रशिक्षण** : पाठ्यक्रम के लिए प्रारंभिक प्रशिक्षण आईएनएस चिल्का में आयोजित किया जाएगा, उसके बाद विभिन्न नौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में आवंटित ट्रेड में व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा. सेवा की आवश्यकता के अनुसार शाखा/ट्रेड आवंटित किया जाएगा.

**11. अनुप्रयुक्त के रूप में सेवामुक्ति** : प्रशिक्षण के दौरान किसी भी समय असंतोषजनक प्रदर्शन के कारण नाविकों को अनुप्रयुक्त के रूप में सेवामुक्त किया जा सकता है. इसके अतिरिक्त, यदि तीन वर्ष की परिवीक्षा अवधि में अपेक्षित स्तर तक खेल प्रदर्शन में सुधार नहीं होता है, तो डीईपीओ/डीईसीपीओ प्रविष्टियों को सेवामुक्त किया जा सकता है.

**12. परिवीक्षा** : डायरेक्ट एंट्री पेटी ऑफिसर और चीफ पेटी ऑफिसर रैंक के रूप में नामांकित मेधावी खिलाड़ी तीन वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे, जिसके दौरान उन्हें निम्नलिखित मानदंडों को पूरा करना होगा, जिसके विफल होने पर उन्हें तीन वर्ष पूरे होने पर सेवा से सेवामुक्त किया जा सकता है: -

**(ए) डायरेक्ट एंट्री पेटी ऑफिसर (स्पोर्ट्स एंट्री)** : परिवीक्षा अवधि के दौरान उन्हें अपने प्रदर्शन के स्तर में और सुधार करना चाहिए तथा कम से कम राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सेवा दल का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम होना चाहिए.

**(बी) डायरेक्ट एंट्री चीफ पेटी ऑफिसर (स्पोर्ट्स एंट्री).**

(i) टीम स्पर्धाओं में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में तीन वर्षों में कम से कम दो बार सेवा दल का प्रतिनिधित्व किया हो.

(ii) व्यक्तिगत स्पर्धाओं में तीन वर्षों में कम से कम दो बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सेवा दल का प्रतिनिधित्व किया हो या तीन वर्षों में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कम से कम एक बार कोई पदक जीता हो.

**13. प्रारंभिक नियुक्ति** : प्रारंभिक नियुक्ति प्रशिक्षण के सफल समापन के अधीन है. प्रारंभिक नियुक्ति 15 वर्ष की होती है.

**चयन प्रक्रिया**

**14. आवेदन पत्र दिए गए प्रारूप के अनुसार प्रस्तुत किया जाना चाहिए. चयन प्रक्रिया इस प्रकार है:-**

**(क)** आवेदन केवल साधारण डाक से प्राप्त किए जाएंगे. स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक या कूरियर के माध्यम से प्राप्त आवेदन पत्र अस्वीकार कर दिए जाएंगे.

**(ख)** शॉर्टलिस्टिंग मानदंड उच्च खेल उपलब्धियों पर आधारित होंगे.

**(ग)** पात्र शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को कॉल अप लेटर पोस्ट किए जाएंगे, जिसमें चयन ट्रायल के लिए तिथि, समय और स्थान का उल्लेख किया जाएगा.

**(घ)** चयन ट्रायल के समय सभी मूल प्रमाणपत्र और अंक पत्र प्रस्तुत किए जाने चाहिए.

**(ङ)** भर्ती चिकित्सा परीक्षा में चिकित्सीय रूप से अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किए गए उम्मीदवार अधिकतम 21 दिनों की अवधि के भीतर निर्दिष्ट सैन्य अस्पताल से विशेषज्ञ समीक्षा प्राप्त कर सकते हैं. आगे कोई समीक्षा/ अपील स्वीकार्य नहीं है.

**(च)** भर्ती चिकित्सा में चिकित्सीय रूप से स्थायी रूप से अयोग्य घोषित किए गए उम्मीदवार सरकारी खजाने पर सैन्य प्राप्य आदेश (एमआरओ) द्वारा 40/- रुपये का भुगतान करके 21 दिनों के भीतर सैन्य अस्पताल में विशेषज्ञ राय के लिए अपील कर सकते हैं. (नामित सैन्य अस्पताल में विशेषज्ञ की राय के अलावा अन्य मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा). आगे कोई समीक्षा/अपील स्वीकार्य नहीं है.

**(छ)** चयन सूची उन उम्मीदवारों में से तैयार की जाएगी, जो विशेष खेल विषयों में उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर सभी मामलों में अर्हता प्राप्त करते हैं.

**(ज)** चयनित उम्मीदवारों की उम्मीदवारी केवल वर्तमान बैच के लिए वैध है.

**(ज)** सभी चयनित सूचीबद्ध उम्मीदवारों को नामांकन के प्रस्ताव के साथ पुलिस सत्यापन फॉर्म भी भेजा जाएगा और उम्मीदवारों को संबंधित जिला पुलिस अधिकारियों से इस फॉर्म पर अपने पिछले विवरण सत्यापित करने के बाद नामांकन के समय आईएनएस हमला में जमा करना होगा. सत्यापित पुलिस सत्यापन रिपोर्ट के बिना उम्मीदवार नामांकन के लिए पात्र नहीं होंगे. पुलिस सत्यापन फॉर्म का प्रारूप इंटरनेट साइट **www.joinindiannavy.gov.in** से भी डाउनलोड किया जा सकता है.

**(झ)** छह महीने की अवधि के बाद भर्ती/नामांकन के संबंध में कोई पूछताछ नहीं की जाएगी.

**15. आवेदन कैसे करें : (क) आवेदन पत्र** : आवेदन केवल दिए गए प्रारूप के अनुसार ए4 आकार के कागज पर जमा करना है. केवल एक आवेदन पत्र अग्रेषित किया जाना है. एक ही प्रविष्टि के लिए एक से अधिक आवेदन भेजने वाले उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा. फॉर्म इंटरनेट **www.joinindiannavy.gov.in** से भी डाउनलोड किए जा सकते हैं. **(ख) लिफाफा** : आवेदन वाले लिफाफे के ऊपर प्रविष्टि का प्रकार, खेल अनुशासन और उपलब्धियां स्पष्ट रूप से लिखी जानी चाहिए. लिफाफे भूरे रंग के होने चाहिए. **उदाहरणः** डायरेक्ट एंट्री पेटी ऑफिसर/चीफ पेटी ऑफिसर - 02/2025 कबड्डी - राष्ट्रीय स्तर. **(ग) दस्तावेज की सूची** : आवेदन पत्र में उल्लखित दस्तावेज को छिद्रित करके आवेदन के साथ मजबूत धागे से मजबूती से बांधना है. **(घ) फोटो** : उम्मीदवारों को आवेदन के साथ एक अतिरिक्त हाल ही में खींची गई रंगीन पासपोर्ट आकार की तस्वीर जमा करनी होगी, जिसमें फोटो के पीछे उनका नाम और हस्ताक्षर हो. फोटोग्राफ की पृष्ठभूमि नीली होनी चाहिए. बिना फोटोग्राफ या निर्दिष्ट प्रारूप में प्राप्त न होने वाले आवेदन को अस्वीकार कर दिया जाएगा. कंप्यूटर जनरेटेड/डिजिटल फोटोग्राफ स्वीकार नहीं किए जाएंगे.

**नोटः** कार्यालय के पते/मुहर के साथ सत्यापन अधिकारी का नाम स्पष्ट और सुपाठ्य होना चाहिए.

**16. आवेदनों को अग्रेषित करना** : आवेदनों को निम्नलिखित पते पर अग्रेषित किया जाना चाहिए:-

**सचिव**

**भारतीय नौसेना खेल नियंत्रण बोर्ड, नौसेना मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय, नौसेना भवन, कमरा नंबर डब्ल्यू-016, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली-110 010**

**आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 17 जून, 2025 है और उत्तर पूर्व, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप और मिनिकॉय द्वीप के उम्मीदवारों के लिए 24 जून, 2025 है.**

**17. महत्वपूर्ण जानकारी** : इस विज्ञापन में दिए गए नियम एवं शर्तें परिवर्तन के अधीन हैं, इसलिए इन्हें केवल दिशानिर्देश माना जा सकता है.

- किसी भी कठिनाई का सामना करने पर संभावित उम्मीदवार एनएचक्यू/रक्षा मंत्रालय से टेलीफोनः **011-28702429** पर संपर्क कर सकते हैं.

**एजेंटों/धोखेबाजों से सावधान रहें**

नौसेना भर्ती संगठन के अधिकारियों के साथ संबंध होने का दावा करने वाला व्यक्ति किसी उम्मीदवार को भर्ती करवाने का वादा कर सकता है और इस बहाने पैसे ऐंठ सकता है. **हम यह दावा करना चाहेंगे कि ऐसा संभव नहीं है.** किसी भी व्यक्ति द्वारा हाथ से प्रस्तुत किए गए आवेदन एनएचक्यू, एमओडी में खारिज कर दिए जाते हैं. केवल वे आवेदन, जो निर्दिष्ट पोस्ट बॉक्स पर प्राप्त होते हैं, सत्यापन के लिए स्वीकार किए जाते हैं. उसके बाद, सभी शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदकों को एनएचक्यू, एमओडी द्वारा कॉल अप लेटर सह एडमिट कार्ड जारी किया जाता है. उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन, परिणाम की घोषणा, शारीरिक फिटनेस टेस्ट और मेडिकल एनएचक्यू, एमओडी द्वारा नामित विभिन्न स्वतंत्र टीमों द्वारा आयोजित किए जाते हैं. किसी भी एजेंट के वादों के आगे समर्पण करने से पहले दो बार सोचें! अगर आपको लगता है कि आप अवैध तरीके से काम करवा सकते हैं, तो आप हारने के लिए बाध्य हैं! आपको सलाह दी जाती है कि आप देश के कानून का पालन करने वाले नागरिक के रूप में खुद को संचालित करें और अनुचित साधनों का उपयोग करने से बचें.

# खेल कोटा भर्ती के लिए आवेदन पत्र

डायरेक्ट एंट्री पेटी ऑफिसर (खेल प्रविष्टि)/चीफ पेटी ऑफिसर (खेल प्रविष्टि) - 02/2025 बैच

(विकल्प पर निशान लगाएं)

| केवल भारतीय नौसेना कार्यालय उपयोग के लिए | | | |
|---|---|---|---|
| कोड संख्या | वैधता स्थिति | | आवेदन संख्या |
| | *वैध | *अमान्य | |

1. मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र के अनुसार बड़े अक्षरों में नामः-

2. मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र में पिता का नामः -

3. स्थायी पता, पिनकोड और टेलीफोन नम्बर, ई-मेल आईडी (यदि कोई हो) सहितः-

जिला

राज्य

फोन नंबर

पिन कोड

ई-मेल

4. वर्तमान पता, पिनकोड और टेलीफोन नम्बर, ई-मेल आईडी (यदि कोई हो) सहितः-

जिला

राज्य

फोन नंबर

पिन कोड

ई-मेल

प्राप्त अंक / कुल अंक

5. शैक्षिक विवरण–

| शैक्षणिक योग्यता | उत्तीर्ण होने का वर्ष | परीक्षा आयोजित करने वाला प्राधिकारी | जिस राज्य से परीक्षा उत्तीर्ण की | प्रमाणपत्र की क्रम संख्या | प्राप्त अंक / कुल अंक | % |
|---|---|---|---|---|---|---|
| मैट्रिक | | | | | | |
| 12वीं | | | | | | |

6. राष्ट्रीयता : ____________________

7. जन्म तिथि (दिन/माह/वर्ष): ____________________

8. लिंगः पुरुष/महिला

| 9. वैवाहिक स्थिति : | विवाहित | अविवाहित | 10. क्या आपको पहले भी सशस्त्र बलों से छुट्टी मिल चुकी है? | हां | नहीं |
|---|---|---|---|---|---|

11. खेल अनुशासनः

12. भागीदारी का स्तरः अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/राज्य/विश्वविद्यालय स्तर

13. दृश्यमान पहचान चिह्न (कम से कम दो):-

| | |
|---|---|
| 1. | |
| 2. | |

## घोषणा

1. मैं यह घोषणा करता हूं कि आवेदन में दिए गए सभी कथन मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य हैं और आवेदन मेरे द्वारा भरा गया है.
2. मुझे कभी भी किसी परीक्षा में बैठने से नहीं रोका गया है, न ही मुझे अनुशासनात्मक आधार पर रक्षा प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों से वापस बुलाया गया है, न ही मुझे कभी भी गिरफ्तार किया गया है, न ही मुझ पर मुकदमा चलाया गया है या आपराधिक न्यायालय द्वारा दोषी ठहराया गया है या पुलिस द्वारा दर्ज किसी अन्य मामले में शामिल किया गया है. मैंने इस बैच के लिए एक से अधिक आवेदन प्रस्तुत नहीं किए हैं.
3. मैं वचन देता हूं कि यदि चयन के किसी भी चरण में मेरी उम्मीदवारी के लिए अयोग्यता पाई जाती है और इसके परिणामस्वरूप मेरी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाती है, तो मैं मुआवजे के लिए कोई दावा नहीं करूंगा.
4. तथ्यों का जानबूझकर गलत प्रस्तुतीकरण और जानकारी को छिपाने के परिणामस्वरूप उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और मुझे भविष्य की परीक्षाओं के लिए आवेदन करने से स्थायी रूप से या निर्दिष्ट अवधि के लिए रोक दिया जा सकता है.

स्थानः ..............................

आवेदक के हस्ताक्षर

दिनांकः ..............................

माता-पिता के हस्ताक्षर

**दस्तावेज की सूचीः निम्नलिखित दस्तावेज को नीचे दिए गए क्रम में आवेदन के साथ मजबूत धागे से बांधकर और छेद करके संलग्न करना हैः-**

1. स्वयं सत्यापित प्रति **(क)** मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र. (जन्म तिथि के सत्यापन के लिए) **(ख)** 10वीं की मार्कशीट **(ग)** एनसीसी/खेल प्रमाणपत्र (यदि लागू हो) **(घ)** निवास प्रमाणपत्र **(ङ)** मार्कशीट के साथ 10+2 प्रमाणपत्र.
2. 22 x 10 सेमी आकार के दो स्व-पता लिखे लिफाफे, जिनमें से एक लिफाफे पर 10/- रुपये का स्टाम्प लगा हो.

**पहचान पत्र**

**आवेदन संख्या**

**जन्म तिथि (दिन/माह/वर्ष)**

| | |
|---|---|
| नाम (बड़े अक्षरों में) | |
| पिता का नाम : | |

**दृश्यमान पहचान चिह्न (कम से कम दो)**

| | |
|---|---|
| 1. | |
| 2. | |

सेवा एवं शिक्षा के स्वर्णिम इतिहास के साथ 102वें वर्ष में...

## SHRI GUJARATI SAMAJ INDORE

1, Nasia Road, Indore Ph. 0731-2706468, 2703447

### S.K.R.P. Gujarati Homoeopathic Medical College, Hospital & Research Center Indore

Recognized by NCH New Delhi,
Affiliated with MPMSU Jabalpur, M.P. & DAVV, Indore
Sch. No. 54, A.B. Road, Indore Ph. 0731-2574471, 2575940
E-mail: skrpghmcrc@gmail.com

**REQUIRES FOR TEACHING CADRE**

**PROFESSOR**
For Subject: • **Forensic Medicine & Toxicology** • **Anatomy** • **Materia Medica** • **Organon of Medicine**

**ASSOCIATE PROFESSOR**
For Subject: • **Anatomy** • **Materia Medica** • **Pathology** • **Forensic Medicine & Toxicology** • **Surgery** • **Community Medicine & Research Methodology**

**ASSISTANT PROFESSOR**
For Subject: • **Anatomy** • **Physiology** • **Materia Medica** • **Organon of Medicine** • **Pathology** • **Obs/Gynae** • **Forensic Medicine & Toxicology** • **Repertory** • **Community Medicine & Research Methodology**

**Eligibility/Qualification:** As per NCH norms, Degree must be included in 2nd/3rd Schedule, Candidate must be registered in the State Council of Homoeopathy. For Research Methodology P.G Degree in Statics, Bio Statics, Epidemiology is required.

**REQUIRES FOR HOSPITAL**

- **Deputy Medical Superintendent** • **Surgeon** (General Surgery)
- **General Physician** (Emergency Medicine & Critical Care)
- **Gynecology & Obstetrician** • **Radiologist** (One Call) • **Pharmacist**
- **House Physician** (Resident) • **Laboratory Technician** • **Public Relation Officer** or **Multipurpose Social Officer** • **Physiotherapist**
- **Yoga Instructor** or **Physician** • **X-ray Technician** or **Radiographer**
- **Nursing Staff In-charge** • **X-ray Attendant** • **Nursing Staff**
- **Operation Theater Nurse** • **Operation Theater Assistant**
- **Statics Assistant** (Community Medicine & Research)

VIGILANCE

**Salary : As per Shri Gujarati Samaj Indore Norms.**
Application with full details along with all necessary documents should be reached to the **Shri Gujarati Samaj Indore,** 1, Nasia Road, Indore (M.P.) & E-mail: **sgsindore@hotmail.com** & **skrpghmcrc@gmail.com** on or before **16.06.2025 bet. 11 AM to 4 PM**. Incomplete Application will not be considered.

| | | | |
|---|---|---|---|
| **Pankaj Bhai Sanghvi** | **Atul Bhai Sheth** | **Bhawnesh Bhai Patel** | **Dr. S.P. Singh** |
| Hon. Gen. Secretary | Chairman - E.B. (College) Sch.No. 54, A.B. Road | Chairman Governing Body | Principal |

R-51028/2025

---

## मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

**कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल**

**क्र./732/तशा/प.यं./2025** **दिनांक : 23.05.2025**

**प्रेस विज्ञप्ति**

इस कार्यालय द्वारा जिला गुना एवं अशोकनगर, निर्माण/रेनोवेशन/मरम्मत इत्यादि कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2025_MPPHC_426064_1, 2025_MPPHC_426065_1, 2025_MPPHC_426066_1, 2025_MPPHC_426067_1, 2025_MPPHC_426068_1, 2025_MPPHC_426069_1, 2025_MPPHC_426071_1 **दिनांक 09.06.2025 समय अपराह्न 17:00 बजे तक** खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120279/2025 R-51030/2025 **परियोजना यंत्री**

---

## म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

**कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन, रीवा (म.प्र.)**
**फोन नं. : 9425601556/9340714903**

**प्रेस-विज्ञप्ति**

संभाग रीवा के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हनुमना जिला मऊगंज में 50 बिस्तरीय भवन निर्माण का कार्य (विद्युतीय कार्य एवं सेनेटरी फिटिंग तथा बाह्य विकास कार्य सहित) निर्माण कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 07/2025-26 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER NO. 2025_MPPHC_427121_1 आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 10.06.2025 समय 17:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120306/2025 R-51031/2025 **परियोजना यंत्री**

---

## मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

**कार्यालय परियोजना यंत्री , भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-03**
**भोपाल-462003, Mobile No. : 9425601545**
**ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com**
**क्र.-मप्रपुआअविनि/551/पयं/भोपाल-03/तशा/2025**
**भोपाल, दिनांक : 28.05.2025**

**प्रेस विज्ञप्ति**

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत जिला बैतूल, सीहोर एवं शाजापुर में निर्माण कार्य अर्द्धशहरी पुलिस थाना भवन एवं हाईस्कूल गोड़ी गुराडिया सीहोर हेतु निविदा क्रमांक-05/2025-26 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक-427138, 427139, 427140, 427145 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 07.06.2025 सायं 5:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120313/2025 R-51032/2025 **परियोजना यंत्री**

---

## ESB मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल

**(मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग)**
**'चयन भवन', चिनार पार्क (ईस्ट), मेन रोड नं.-1, भोपाल-462011**

**समूह-1 उप समूह-1 एवं समूह-2 उप समूह-1 संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 की स्थगित परीक्षा के आयोजन के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना**

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा समूह-1 उप समूह-1 एवं समूह-2 उप समूह-1 संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 की आयोजन **तिथि 25.05.2025 को** निर्धारित की गई थी। उक्त दिनांक को संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा होने के कारण एवं अभ्यर्थियों से प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचारणोपरांत उपरोक्त परीक्षा को स्थगित किया गया था। उक्त परीक्षा का आयोजन **दिनांक 02.06.2025 को** किया जा रहा है, जिसके प्रवेश पत्र मण्डल की अधिकृत कार्यालयीन वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर अपलोड किये गए हैं। अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु अपना प्रवेश पत्र मण्डल की अधिकृत वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।

**विज्ञापन क्रमांक 61/2025**

म.प्र. माध्यम//120317/2025 R-51033/2025 **नियंत्रक**

---

## मुख्य महाप्रबंधक (मा. संसा. एवं प्रशा.)
## म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वि.कं. लि., जबलपुर

**Phone No. : CTI 0761-297057, E-mail : mpez.training@gmail.com**

### अप्रेंटिस एक्ट 1961 के अन्तर्गत स्नातक एवं तकनीकी (डिप्लोमा) अप्रेंटिस (एक वर्षीय) के आवेदन हेतु विज्ञापन

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जबलपुर द्वारा मध्यप्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थियों के लिये जिन्होंने BE/B.TECH. (ELECTRICAL/CIVIL/IT/CSE), B.COM. एवं DIPLOMA (ELECTRICAL/CIVIL) शासकीय मान्यता प्राप्त कॉलेज से वर्ष 2021 से 2025 के मध्य उत्तीर्ण की हो, को अप्रेंटिस एक्ट 1961 के अंतर्गत स्नातक एवं तकनीकी अप्रेंटिस में एक वर्षीय अप्रेंटिस हेतु आवेदन आमंत्रित करती है। कार्यालय में आवेदन प्राप्त करने की **अंतिम तिथि 30.06.2025 शाम 5:30 बजे तक** है। कुल रिक्तियों का विवरण निम्नानुसार है :-

| क्र. | विषय | शैक्षणिक योग्यता | अनु. जाति | अनु. जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | सामान्य | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | ग्रेजुएट इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग | B.E/B.Tech (Electrical Engineering) | 3 | 4 | 6 | 8 | 21 |
| 2. | ग्रेजुएट सिविल इंजीनियरिंग | B.E/B.Tech. (Civil Engineering) | 1 | 1 | 1 | 2 | 5 |
| 3. | ग्रेजुएट वाणिज्य एवं लेखा संकाय | B.Com. | 2 | 2 | 3 | 3 | 10 |
| 4. | तकनीकी (डिप्लोमा) इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग | Diploma (Electrical Engineering) | 3 | 3 | 5 | 6 | 17 |
| 5. | तकनीकी (डिप्लोमा) सिविल इंजीनियरिंग | Diploma (Civil Engineering) | 1 | 1 | 1 | 2 | 5 |
| 6. | ग्रेजुएट आई.टी./सी.एस.ई. | B.E. (IT/Computer Science Engineering) | 2 | 2 | 3 | 5 | 12 |
| | कुल | | 12 | 13 | 19 | 26 | 70 |

**नोट** - विस्तृत विवरण कंपनी की वेबसाइट **www.mpez.co.in** पर देख सकते हैं।

**आर-51037/2025** **अति. मुख्य महाप्रबंधक (प्रशिक्षण)**

**Save Energy For Better Tomorrow** **बिजली संबंधी शिकायतों निराकरण के लिए 1912 डायल करें**

---

## MADHYA PRADESH BUILDING DEVELOPMENT CORPORATION

**(An Agency of Govt. of M.P. Public Works Department)**
**16-A, CEDMAP Building, Arera Hills, Bhopal (M.P.)-462011**
**Telephone No. : 0755-4853297, 0755-4853295**
**E-mail : einc-mpbdc@mp.gov.in, dgmhqmpbdc@gmail.com**

MPBDC

**NIT No. : 3328/GM/MPBDC/CW/25/NIT-67** **Bhopal, Dated : 29.05.2025**

**NOTICE INVITING TENDER**

Madhya Pradesh Building Development Corporation Limited (MPBDC) Bhopal invites online tenders for the following works :-

1. Construction of Ayurveda College & Hospital at Dist. Narmadapuram M.P. - **PAC : Rs. 4,983.34 Lacs**
2. Construction of Composite District Office Building Maihar M.P. - **PAC : Rs. 2901.50 Lacs**
3. Construction work of residential quarters (E type 10, F type 14, G type 20, H type 13 and I type 10) at Ujjain M.P. - **PAC : Rs. 2,537.35 Lacs**
4. Construction of Government College, Orchha Dist. Niwadi M.P. - **PAC : Rs. 1129.79 Lacs**
5. Construction of Government College, Balwadhi Dist. Badwani M.P. - **PAC : Rs. 1124.09 Lacs**
6. Construction of Composite Tehsil Office Building at Kotma Dist. Anuppur M.P. - **PAC : Rs. 724.73 Lacs**
7. Construction of Composite Tehsil Office Building at Dist. Balaghat M.P. - **PAC : Rs. 633.01 Lacs**
8. Construction of Composite Tehsil Office Building at Ghatigaon Dist. Gwalior M.P. - **PAC : Rs. 633.82 Lacs**
9. Construction of Boundary wall at Govt. Autonomous Girls PG College of Excellence Dist. Sagar M.P. - **PAC : Rs. 143.97 Lacs**
10. Construction of Boundary wall at Govt. College Gulana Dist Shajapur M.P. - **PAC : Rs. 144.59 Lacs**
11. Construction of Boundary wall at Govt. College Rajnagar Dist. Chhatarpur M.P. - **PAC : Rs. 118.29 Lacs**
12. Construction of Boundary wall at Govt. College Pipliya Mandi Dist. Mandsaur (M.P.) - **PAC : Rs. 141.46 Lacs**
13. Construction of Boundary wall at Govt. College Bina Dist. Sagar M.P. - **PAC : Rs. 130.73 Lacs**
14. Construction of Boundary wall at Chaurai Dist. Chhindwara M.P. - **PAC : Rs. 168.19 Lacs**
15. Construction work of 100 bedded Critical Care Hospital Block (CCHB) in Gov. hospital, Dhar , M.P. - **PAC : Rs. 2423.00 Lacs**
16. (i) Construction and other associated works at Government Arts College, Niwas Mandla M.P. **PAC : Rs. 283.53 Lacs**
(ii) Construction of 50 Seated Boys and Girls Hostel at Govt. Higher Secondary School, Hathitara Dist. Mandla M.P. - **PAC : Rs. 364.12 Lacs (2nd Call)**
17. (i) Construction of Girls Toilet (08 Block Colleges) Barwani PG, GDC, NMDC, Anjad, Rajpur, Sendhwa, Niwai, Pansemal at Badwani Dhar (M.P.) - **PAC : Rs. 115.13 Lacs**
(ii) Girls Hostel (50 seats) with allied works, Barwani M.P. - **PAC : Rs. 338.98 Lacs (2nd Call)**
18. Various Construction and allied works in old College building Campus in Veer Balidani Khajya Nayak Government PG College, Sendhwa M.P. - **PAC : Rs. 295.81 Lacs (2nd Call)**
19. (i) Construction work of Incubation Center and allied works at Govt. College at Satna M.P. - **PAC : Rs. 531.66 Lacs**
(ii) Construction, renovation and upgradation with allied works in college building at Govt. College, Jaitwara Satna M.P. - **PAC : Rs. 338.5 Lacs (2nd Call)**
20. Construction and Renovation work at Government Chandra Vijay College, Dindori M.P. - **PAC : Rs. 233.82 Lacs (2nd Call)**

Detailed NIT and tender documents can be viewed, downloaded and purchased online from **05.06.2025 at 18:00 hrs. to 29.06.2025 at 15:30 hrs.** (for S. No. 01 to 14 only), **03.06.2025 at 18:00 hrs. to 26.06.2025 at 15:30 hrs.** (for S. No. 15 to 20 only), from website **www.mptenders.gov.in** PAC can vary at the time of uploading of tender document. Any amendment/ corrigendum 'if any' will be published on website only, will not be published on newspapers.

M.P. Madhyam/120337/2025 **MANAGING DIRECTOR**

R-51034/2025

## लोकायुक्त कार्यालय मध्यप्रदेश
## लोकायुक्त भवन, भोपाल

क्रमांक/387/स्टोर/2025 भोपाल, दिनांक : 22.05.25

### बाहरी स्रोत (Outsoursing) के माध्यम से मेन पॉवर उपलब्ध कराने संबंधी ई-निविदा सूचना

लोकायुक्त संगठन, म.प्र., भोपाल हेतु बाहरी स्रोत (Outsoursing) के माध्यम से मेन पॉवर उपलब्ध कराने हेतु एजेंसी चयन कार्य के संबंध में ई-निविदा **https://mptenders.gov.in** पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिये निम्नानुसार तिथियां निर्धारित की गई हैं:-

1. ऑनलाइन निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक 03.06.2025 समय सुबह 10:00 से **दिनांक 17.06.2025** समय सुबह 10:00 बजे तक।
2. ऑनलाइन प्राप्त निविदाओं में सर्वप्रथम तकनीकी निविदाएं दिनांक 17.06.2025 समय दोपहर 12:00 बजे अथवा उसके उपरांत लोकायुक्त कार्यालय परिसर, भोपाल में खोली जावेंगी, तत्पश्चात् तकनीकी निविदाओं में पात्र पाये गये निविदादाताओं की वित्तीय निविदायें **दिनांक 23.06.2025** समय दोपहर 03:00 बजे अथवा उसके उपरांत खोली जावेंगी।
3. निविदा स्वीकृत करने अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार सचिव, लोकायुक्त कार्यालय, म.प्र. भोपाल का होगा, इस हेतु पृथक से कोई पत्राचार नहीं किया जावेगा।
   निविदा संबंधी शेष शर्तें निविदा प्रपत्र में दी गई हैं।

**उप संचालक (वित्त)**

जी-13397/51021/2025 लोकायुक्त कार्यालय मध्यप्रदेश भोपाल, फोन - 2545572

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री, नया भोपाल संभाग
## लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)
### निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 06/व.ले.लि./2025-26 भोपाल, दिनांक 19.05.2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

| क्र. | पोर्टल टेंडर क्र. | कार्य का नाम | आमंत्रण क्र. | ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में) | अमानत राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 2025_PWDRB_425054_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-9 के शासकीय आवास गृहों में ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 25.00 | 50000/- |
| 2. | 2025_PWDRB_425055_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-11 एवं 12 के शासकीय आवास गृहों में ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 45.00 | 50000/- |
| 3. | 2025_PWDRB_425056_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-13 के शासकीय आवास गृहों में ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 40.00 | 50000/- |
| 4. | 2025_PWDRB_425058_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-24 के शासकीय आवास गृहों में ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 45.00 | 50000/- |
| 5. | 2025_PWDRB_425059_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-27 के शासकीय आवास गृहों में ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 35.00 | 50000/- |
| 6. | 2025_PWDRB_425082_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-13 एवं 24 के आंतरिक एवं बाहरी शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एवं पेंटिंग का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 25.00 | 50000/- |
| 7. | 2025_PWDRB_425083_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-9 के न्यू 364 जी-टाइप बहुमंजिला के आंतरिक शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एवं पेंटिंग का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 25.00 | 50000/- |
| 8. | 2025_PWDRB_425084_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-9 के न्यू 364 जी-टाइप बहुमंजिला के आंतरिक शासकीय आवासों में अतिआवश्यक मरम्मत एवं परिसर के अंदर उद्यान एवं बगीचों के रखरखाव का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 25.00 | 50000/- |
| 9. | 2025_PWDRB_425085_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-9 एवं 10 के आंतरिक एवं बाहरी शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एवं पेंटिंग का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 25.00 | 50000/- |
| 10. | 2025_PWDRB_425086_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-9 एवं 10 के शासकीय आवास गृहों की छत पर जल अवरोधक का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 40.00 | 50000/- |
| 11. | 2025_PWDRB_425087_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-13 एवं 24 के शासकीय आवास गृहों की छत पर जल अवरोधक का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 25.00 | 50000/- |
| 12. | 2025_PWDRB_425088_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में रंगाई पुताई एंव पेंटिंग का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 30.00 | 50000/- |
| 13. | 2025_PWDRB_425089_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 25.00 | 50000/- |
| 14. | 2025_PWDRB_425090_1 | उपसंभाग क्र.-2, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों की छत पर जल अवरोधक का कार्य। | प्रथम आमंत्रण | 25.00 | 50000/- |
| | | योग:- | | 435.00 | |

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं सबमिशन करने की **अंतिम तिथि 06.06.2025 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

**कार्यपालन यंत्री**

जी-13398/51020/2025 नया भोपाल संभाग, लो.नि.वि. भोपाल (म.प्र.)

## हाथकरघा संचालनालय मध्यप्रदेश
## माध्यमिक शिक्षा मण्डल परिसर, द्वितीय तल
## शिवाजी नगर भोपाल
### विज्ञप्ति

भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में वर्ष 2025-26 से प्रारंभ होने वाले हैण्डलूम टेकोलॉजी के त्रिवर्षीय डिप्लोमा कोर्स के प्रथम वर्ष तथा द्वितीय वर्ष में (लैटरल एंट्री सिस्टम) प्रवेश हेतु आवेदन पत्र हाथकरघा संचालनालय भोपाल में आमंत्रित किये जाने हैं। विस्तृत जानकारी, नियम शर्तों एवं आवेदन के लिये निम्न लिंक **https://rb.gy/sfs0xm** में देखें।

**संयुक्त संचालक**
**हाथकरघा संचालनालय, भोपाल**

जी-13389/51018/2025

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री
## म.प्र. लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग भोपाल
## शेड क्र.-8, बारह-दफ्तर जवाहर चौक, भोपाल

**Website : www.mppwd.nic.in, E-maill : eepwdbribpl@mp.nic.in, Phone : 0755-2775346**

क्र.- 1001/सेतु/व.ले.लि./2025 भोपाल, दिनांक : 21.05.2025

### निविदा सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर पंजीकृत ट्रेवल एजेंट्स/निवेशकर्ताओं से लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल के अंतर्गत निम्न प्रकार के वाहन शासकीय निर्माण कार्यों के निरीक्षण हेतु मासिक दर पर किराये पर लेने हेतु मुहरबंद निविदायें दिनांक 09.06.2025 को सायं 5.00 बजे तक पंजीकृत डाक से आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा के साथ रुपये 50,000/- (रुपये पचास हजार) की अमानत राशि कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग भोपाल के नाम बैंक एफ.डी.आर. अलग लिफाफे में देय होगी। विवरण निम्नानुसार है :-

| स.क्र. | वाहन का प्रकार | मॉडल का वर्ष | वाहन जहां उपयोग में ले जाना है। | अनुमानित संख्या | समय अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | इनोवा वाहन (क्रिस्टा) | सन् 2022 या बाद का | संपूर्ण मध्यप्रदेश के समस्त जिले | 4 | 12 माह |
| 2. | बोलेरो | सन् 2022 या बाद का | संपूर्ण मध्यप्रदेश के समस्त जिले | 8 | 12 माह |

जिन ट्रेवल एजेन्ट्स/निवेशकर्ताओं के पास उपरोक्तानुसार वाहन टैक्सी कोटे में रजिस्ट्रेशन हो वे ट्रेवल्स/निवेशकर्ता पंद्रह दिन में रजिस्ट्रेशन का एफिडेविट प्रस्तुत कर देंगे, वे आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। संतोषजनक सेवा देने पर यह अनुबंध अगले वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भी बढ़ाई जा सकती है। अपना आवेदन पूर्ण विवरण अनुसार प्रस्तुत करें।

निविदा प्रपत्र में किसी भी कार्य दिवस कार्यालयीन समय में विक्रय **दिनांक 06.06.2025 तक** आवश्यक दस्तावेज के परीक्षण कराने के उपरांत रुपये 5,000/- (पांच हजार रुपये) नगद जमा कर प्राप्त की जा सकती है। डाक से निविदा प्राप्त नहीं होने पर जवाबदारी विभाग की नहीं रहेगी। निविदायें दिनांक 13.06.2025 को 11.30 बजे इच्छुक निविदाकारों के समक्ष खोली जावेंगी। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण व शर्तें किसी भी कार्यालयीन दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

**कार्यपालन यंत्री**

जी-13349/51017/2025 लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग, भोपाल

## कार्यालय मुख्य अभियंता
## लोक निर्माण विभाग, रीवा परिक्षेत्र रीवा (म.प्र.)

**Website : www.mppwd.gov.in, Email : cepwdrewa@mp.nic.in**
**Phone No. : 07662-255200, Fax : 255380**

निविदा सूचना क्र. 01/सा./2025-26 रीवा, दिनांक : 22.05.2025

### निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

| टेण्डर आई.डी. क्रमांक | संभाग का नाम | आमंत्रण क्र. | कार्य पूर्ण करने की समयावधि | कार्य की अनुमा. राशि (लाख में) | अमानत राशि (रुपये में) | निविदा फार्म (रुपये में) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **क्र. एवं कार्य का नाम :**– 1. सिंहपुर नागौद मार्ग से खैरूआ सरकार पहुंच मार्ग लंबाई 4.20 कि.मी. का निर्माण कार्य। | | | | | | |
| 2025_PWDRB_425515_1 | सतना | प्रथम | 08 माह | 525.48 | 525500/- | 20000/- |
| **क्र. एवं कार्य का नाम :**– 2. सितपुरा से कुलगढ़ी पहुंच मार्ग लंबाई 10.00 कि.मी. का उन्नयन कार्य। | | | | | | |
| 2025_PWDRB_425519_1 | सतना | प्रथम | 12 माह | 970.99 | 970990/- | 20000/- |
| **क्र. एवं कार्य का नाम :**– 3. हटवा खास मार्ग से दादर एवं पटिया टोला खड़बड़ा तक मार्ग लं. 5.70 कि.मी. का निर्माण कार्य। | | | | | | |
| 2025_PWDRB_425523_1 | सीधी | प्रथम | 12 माह वर्षाकाल सहित | 593.64 | 593640/- | 20000/- |
| | | | Total :- | 2090.11 | | |

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा ऑनलाइन बिड सबमिशन की प्रारंभिक तिथि **दिनांक 29.05.2025 से अंतिम तिथि 19.06.2025 सायं 17.30 बजे तक** निर्धारित है विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट में किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**मुख्य अभियंता**

जी-13329/51019/2025 लो.नि.वि. रीवा परिक्षेत्र रीवा

# मध्यप्रदेश की तर्ज पर हर राज्य में हों कृषि उद्योग समागम - उपराष्ट्रपति

उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कृषि उद्योग समागम का शुभारंभ करते हुए

**नरसिंहपुर,** उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ नरसिंहपुर जिला मुख्यालय में कृषि उद्योग समागम-2025 कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि खेती-किसानी देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यह हमारी प्रगति का मूल आधार है। कृषि के क्षेत्र में विकास और नित नए नवाचार जरूरी हैं, इससे कृषि के विकास से ही देश में समृद्धि आएगी। देश का उदर-पोषण करने वाले अन्नदाता की खुशहाली में ही हमारे देश की खुशहाली सन्निहित है।

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कृषि उद्योग समागम के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई देते हुए कहा कि उनकी इस पहल का अन्य राज्यों को भी अनुसरण करना चाहिए। किसान हमारे अन्नदाता हैं। उन्होंने अन्नदाताओं का अभिनंदन करते हुए कहा

- **कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ाने के लिए नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा और मंडला में बन रहे फूड पार्क।**
- **राज्य स्तरीय कृषि उद्योग समागम 12 से 14 अक्टूबर तक सीहोर में होगा।**
- **नई तकनीक और नवाचारों से किसान कल्याण के लिए सरकार चला रही किसान कल्याण मिशन।**

कि किसान भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इनकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव बेहद कर्मठ और कार्यशील हैं। कोई ऐसा दिन नहीं रहता, जब वे गांव, गरीब और किसान की चिंता न करें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने गांव-किसान और उद्योग को जोड़ने की अभिनव पहल शुरू की है।

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि विकसित भारत का रास्ता गांव और किसान के खेत से निकलता है। देश में विकसित भारत के लिए महायज्ञ चल रहा है इसमें सबसे बड़ी आहुति किसान भाइयों की ही है। किसान केवल फसल उत्पादन तक सीमित न रहें।

**मध्यप्रदेश कृषि के मामले में शस्य श्यामला - मुख्यमंत्री**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि के मामले में शस्य श्यामला है। नरसिंहपुर पर मां नर्मदा की विशेष कृपा है। नरसिंहपुर जिला दाल का कटोरा है, यहां की तुअर दाल को जीआई टैग मिला है। दाल उत्पादक किसान देशभर में पहचान बना चुके हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है।

## मन की बात कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण के लिए चेतना जागृत करने का अनुपम प्रयास

**नई दिल्ली,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रवासियों से निरंतर संवाद के माध्यम 'मन की बात' के 122वें संस्करण का नई दिल्ली प्रवास के दौरान श्रवण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'मन की बात' कार्यक्रम का श्रवण करने के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम जन संवाद का अनूठा माध्यम है। यह कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण की दिशा में सामूहिक चेतना जागृत करने का अनुपम प्रयास है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम युवा शक्ति, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, गरीब कल्याण, पर्यावरण संरक्षण और नवाचार से लेकर समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने वाला संवाद कार्यक्रम है, जो राष्ट्रवासियों को नई ऊर्जा और दिशा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ओजस्वी, प्रेरणादायक और दूरदर्शी विचार राष्ट्रसेवा, सामाजिक जागरूकता और जनहित में कार्य करने की सतत प्रेरणा देते रहते हैं। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में बताया कि पिछले वर्षों में मधुमक्खी पालन क्षेत्र में भारत में एक क्रांति हुई है। आज से 10-11 वर्ष पहले भारत में वार्षिक शहद उत्पादन 70-75 हजार मीट्रिक टन होता था, जो अब बढ़कर करीब सवा लाख मीट्रिक टन के आसपास हो गया है। इस तरह शहद उत्पादन में लगभग 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

## कक्षा-10वीं और 12वीं बोर्ड की द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिये विशेष कक्षाओं का संचालन

**भोपाल,** लोक शिक्षण संचालनालय ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल की कक्षा-10वीं और 12वीं की द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिये विशेष कक्षाओं के संचालन का निर्णय लिया है। इसके लिये संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी और समस्त प्राचार्य शासकीय स्कूल को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये गये हैं। स्कूल शिक्षा विभाग का प्रयास है कि द्वितीय बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र अधिक से अधिक संख्या में उत्तीर्ण होकर अपनी आगे की पढ़ाई जारी रख सकें।

प्रदेश में कक्षा-10वीं एवं 12वीं में अध्ययनरत उत्तीर्ण विद्यार्थियों की द्वितीय बोर्ड परीक्षाएं 17 जून से प्रारंभ होंगी। इस परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के साथ-साथ श्रेणी सुधार के लिये विद्यार्थियों द्वारा आवेदन किये जा रहे हैं। ग्रीष्म अवकाश के दौरान विद्यालय प्राचार्य राज्य स्तर से उपलब्ध कराई गई। अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों के व्हाट्सअप ग्रुप पर साझा करेंगे। इसी के साथ प्राचार्य विद्यार्थियों की प्रगति की समीक्षा कर उनके कठिन बिन्दुओं के संबंध में विषय शिक्षकों के साथ साझा कर विद्यालय स्तर पर कार्ययोजना बनायेंगे।

प्रदेश में शासकीय विद्यालयों में ग्रीष्म अवकाश के बाद 2 जून से 14 जून के मध्य उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिये शालाओं में प्रात: 10:30 बजे से कक्षाएं संचालित होंगी। विद्यार्थियों को गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, हिन्दी और संस्कृत विषय की अध्ययन सामग्री प्रति सप्ताह जून माह में 2, 6 और 14 जून को विमर्श पोर्टल पर प्रसारित की जायेगी।

## मध्यप्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने के लिए सरकार संकल्पित

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद की 10वीं बैठक में शामिल हुए। यह बैठक 'विकसित राज्य फॉर विकसित भारत @2047' थीम पर केंद्रित रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण के विजन से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की प्रथम पंक्ति में स्थापित करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने बैठक में शामिल होकर प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त किया और इसे भारत के भविष्य निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया।

## महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिख रहा मध्यप्रदेश

**भोपाल,** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि 'महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना मानवता की प्रगति अधूरी है।' नारी सशक्तिकरण आर्थिक विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण आधार है। राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन को मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मिशन बनाकर साकार कर रहे हैं। केन्द्र और राज्य सरकार का फोकस वित्तीय सहायता, कौशल और प्रशिक्षण के माध्यम से महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने पर रहा है। ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक

**'आजीविका फ्रेश' से जैविक खेती को मिला बाजार**

जैविक खेती को बढ़ावा देते हुए 2,107 'आजीविका फ्रेश' आउटलेट्स की स्थापना की गई है, जहां स्व-सहायता समूहों द्वारा उत्पादित रसायन-मुक्त सब्जियों की बिक्री हो रही है। इन आउटलेट्स से 55.2 करोड़ रुपये का व्यापार किया जा चुका है।

परिस्थितियों में बदलाव प्रमुख ध्येय है। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधीन संचालित एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसने विगत वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों विशेष रूप से महिलाओं के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन किया है। मिशन की बहुआयामी गतिविधियां आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुकी हैं। कृषि, महिला उद्यमिता, वित्तीय समावेशन, स्व-रोज़गार, प्रशिक्षण और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में यह मिशन न केवल मध्यप्रदेश बल्कि समूचे देश के लिए प्रेरणास्रोत बन चुका है।

मिशन की अभिनव पहल 'नमो ड्रोन दीदी योजना' के तहत अब तक 89 महिलाओं को अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक से प्रशिक्षित कर उन्हें कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया गया है। ये 'ड्रोन दीदी' अब तक 17,393 एकड़ भूमि पर कीटनाशक छिड़काव का कार्य कर चुकी हैं, जिससे 47.94 लाख रुपये की आय अर्जित की गई है।

## खनिज ब्लॉकों के शीघ्र क्रियान्वयन के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध

**भोपाल,** प्रमुख सचिव खनिज श्री उमाकांत उमराव ने नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में भौमिकी तथा खनिकर्म संचालनालय द्वारा नीलामी प्रक्रिया, वैधानिक स्वीकृतियां और ब्लॉक क्रियान्वयन विषय पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। प्रमुख सचिव खनिज श्री उमराव ने कहा कि खनिज ब्लॉकों के शीघ्र क्रियान्वयन के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने इसके व्यापक आर्थिक लाभों को रेखांकित किया। प्रमुख सचिव ने कहा कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय कमेटी गठित की गई है, जो नीलामी प्रक्रिया संबंधी कठिनाइयों को दूर करने के तत्काल प्रयास करेगी। खनिकर्म संचालक श्री फ्रैंक नोबेल ने कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार की मंशा यह है कि मध्यप्रदेश राज्य में नीलाम हुए खनिज ब्लॉक में उत्पादन शीघ्र प्रारंभ हो।

कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सूचनाप्रद प्रस्तुतियां दी गयीं, जिनमें भारतीय खान ब्यूरो प्रतिनिधियों ने खान योजना की तैयारी एवं प्रस्तुति, उनकी महत्ता और मूल्यांकन के दौरान सामान्य त्रुटियों पर प्रकाश डाला। खान योजना स्वीकृति की प्रक्रिया भी समझाई। वन विभाग के प्रतिनिधि ने वन संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत प्रमुख प्रावधानों, परिवेश पोर्टल के उपयोग तथा वन स्वीकृति प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी।

## मुख्यमंत्री ने श्री जवाहरलाल दर्डा की कांस्य प्रतिमा का किया अनावरण

**जबलपुर,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सेठ गोविंददास शासकीय जिला चिकित्सालय, जबलपुर में वरिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री जवाहरलाल दर्डा की कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्री जवाहरलाल दर्डा ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया और जबलपुर से उनका गहरा नाता रहा है। जबलपुर में श्री दर्डा ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जबलपुर से नेताजी सुभाषचंद्र बोस का भी गहरा नाता रहा है। उन्होंने अंग्रेजों के दंभ को तोड़ा और 23 वर्ष की उम्र में आईसीएस की परीक्षा पास की जिस समय अंग्रेज भारतीयों के

ज्ञान स्तर को कम आंकते थे। महात्मा गांधी ने भी अफ्रीका से स्वतंत्रता की लड़ाई की शुरुआत कर एक नई दिशा दी। स्वतंत्रता संग्राम में कई महान विभूतियों ने अपना अमूल्य योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश के झाबुआ से चंद्रशेखर आजाद ने भी कभी अंग्रेजों की अधीनता नहीं स्वीकारी और उन्होंने स्वयं को जीते जी आजाद रहने का संकल्प पूरा किया। श्री दर्डा ने आजादी की लड़ाई लड़ी और स्वतंत्रता के बाद महाराष्ट्र के कई मंत्रालयों में 23 वर्ष तक कई जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सामाजिक सरोकार और जनहित के कई उल्लेखनीय कार्य किए।

- **मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं।**
- **मध्यप्रदेश तेजी से औद्योगिक विकास की ओर बढ़ रहा है।**
- **विकास को लेकर प्रदेश सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी।**

**स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि**

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं। वर्ष 2002-03 में जहां 5 मेडिकल कॉलेज थे, वहां अब 20 वर्ष बाद 30 मेडिकल कॉलेज हो गये हैं और 2 वर्ष बाद 50 मेडिकल कॉलेज हो जायेंगे। मध्यप्रदेश तेजी से औद्योगिक विकास की ओर बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश की विकास दर 12 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

# जल बचायें, क्योंकि जल की हर बूंद में समाया है जीवन - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में सफाई मित्रों को सम्मानित करते हुए

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल स्थित शीतलदास की बगिया पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बड़े तालाब के घाटों की सफाई में सेवा कार्य (श्रमदान) किया और सफाई मित्रों का सम्मान किया।

मुख्यमंत्री ने सफाई नौका में बैठकर सफाई कर्मियों से चर्चा की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने नागरिकों से जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाने की आत्मीय अपील भी की।

मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि हर संभव तरीके से जल बचाइये, क्योंकि जल की हर बूंद में जीवन है, अमृत है। इसकी हर बूंद में हमारा सुनहरा भविष्य समाया है। जल बचाना हमारी आज की जरूरत भी है और बेहतर कल के लिए जिम्मेदारी भी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण के लिए सभी संभव उपाय किये जायें। जल बचाना सिर्फ सरकार की ही नहीं पूरे समाज, हर वर्ग, हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। आज जल सहेजेंगे, तभी तो हमारा आने वाला कल संवरेगा।

- **मध्यप्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जा रहा है जल गंगा संवर्धन अभियान।**
- **इस अभियान के तहत सभी जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवन के लिए योजनाबद्ध तरीके से हो रहे हैं काम।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी जल स्रोतों के संरक्षण, पुनर्जीवन और सतत उपयोग के लिए लगातार योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान इसी दिशा में एक ठोस कदम है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सभी नागरिक अपने-अपने स्तर पर पानी बचाने में सहयोग करें। जल है तो कल है, यह पुण्य भावना प्रदेश के हर नागरिक के मन में होनी ही चाहिए।

डॉ. यादव ने सफाई मित्रों को 'सफाई दूत' निरुपित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक औपचारिक अभियान नहीं, बल्कि हमारे जीवन की शैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। जहां स्वच्छता होती है, वहीं लक्ष्मी का वास होता है। अपने घर, आस-पड़ोस और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

# कर्मचारियों के हित में है प्रदेश का हित प्रदेश के हित में राष्ट्र का हित - मुख्यमंत्री

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मंत्रालय परिसर में मंत्रालय कर्मचारी परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत तथा सम्मान किया गया। मंत्रालय परिवार ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कमल पुष्प की रजत प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित किया।

- **मंत्रालयीन कर्मचारी परिवार ने किया मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सम्मान।**
- **रिक्त पद भी भरेंगे, पदोन्नति का रास्ता भी निकाल रहे हैं।**
- **राज्य कर्मचारियों का बीमा कराएगी सरकार।**
- **तिरंगा यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।**

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी राज्यकर्मी सम्मान और साधुवाद के पात्र हैं, क्योंकि इनकी कर्मठता और सामूहिक परिश्रम से ही मध्यप्रदेश आज देश के अग्रणी राज्य के रूप में पहचाना जा रहा है। राज्यकर्मी सच्चे अर्थों में कर्मयोगी हैं। ये प्रदेश की शासन और प्रशासन व्यवस्था की धुरी हैं। राज्यकर्मी पूरी निष्ठा और मेहनत से अपने पदीय दायित्व निभाएं, इनके सभी हितों और अनुलाभों (इंसेंटिव्स) का सरकार पूरा ध्यान रखेगी। उन्होंने कहा कि सरकार सभी रिक्त पदों को क्रमशः भरने की दिशा में आगे बढ़ रही है। जल्दी ही सभी रिक्त पद भरे जाएंगे। पदोन्नति वाले मसले पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले से जुड़े दोनों पक्षों के साथ चर्चा कर शासकीय सेवकों को पदोन्नति देने के लिए राज्य सरकार पूरी गंभीरता से सभी जरूरी कदम उठा रही है। जल्द ही मामले का सकारात्मक समाधान निकालकर पात्रों को पदोन्नति दी जाएगी।

# सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचायें और 25 हजार रुपये पायें

**भोपाल,** सड़क दुर्घटनाओं में होनी वाली मृत्युदर में कमी लाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में गत कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार 'राह-वीर' योजना शुरू की गई है। योजना की गाइड लाइन जारी कर दी गई है। गाइड लाइन के अनुसार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर में अस्पताल पहुंचाने वाले 'राह-वीर' को 25 हजार रुपये की नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिया जायेगा। इसके साथ ही चुने हुए 'राह-वीरों' में से सबसे योग्य 10 राह-वीरों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपये के पुरस्कार दिये जायेंगे।

**'राह-वीर' के लिए पात्रता**

कोई भी व्यक्ति जो मोटर यान सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल अथवा ट्रामा केयर सेंटर पहुंचाकर जान बचाता है ऐसे सभी व्यक्ति 'राह-वीर' योजना के लिए पात्र होंगे। कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा पुलिस थाना, अस्पताल अथवा ट्रामा केयर सेंटर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। इसकी प्रति संबंधित 'राह-वीर' को भी भेजी जाएगी। मूल्यांकन समिति में संबंधित जिले के जिला मजिस्ट्रेट, एसएसपी, सीएमएचओ, आरटीओ शामिल होंगे।

# एमएसएमई क्लस्टरों को कॉमन फेसिलिटेशन सेंटर की तरह सुविधाएं

**भोपाल,** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप ने भोपाल में आयोजित विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक को संबोधित किया। श्री काश्यप ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए नई नीतियों के निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और संभावित क्लस्टरों को कॉमन फेसिलिटेशन सेंटर की तरह सुविधाएं दिलाने के प्रयास हो रहे हैं।

श्री काश्यप ने विभागीय उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि गत वित्त वर्ष में विभाग का बजट 700 करोड़ रुपये का था, लेकिन मुख्यमंत्री के सहयोग से विभाग को 2100 करोड़ रुपये मिले, जिससे अनुदान सहायता की सभी लंबित देनदारियों का भुगतान संभव हो पाया।

नव उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए नई स्टार्ट अप नीति में उद्योग लगाने का विचार आने से लेकर उसे धरातल पर उतारने तक उद्यमियों को वित्तीय और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के प्रावधान किये गये हैं। भारत सरकार के पोर्टल पर पंजीयन स्वीकृत होने पर नव उद्यमी को दस हजार रुपये प्रतिमाह की सहायता एक साल तक उपलब्ध कराने के प्रावधान किये गये हैं। यही नहीं माल निर्यात के लिए परिवहन व्यय पर अनुदान का प्रावधान भी किया गया है। प्रदेश में नए औद्योगिक क्षेत्रों एवं क्लस्टरों के निर्माण और विकास के प्रयासों में तेजी लाई गई है। इन पर मिलने वाले अनुदान का युक्तियुक्तकरण किया गया है, जिससे अनुदान में एकरूपता आई है।

# प्रदेश में शहरी क्षेत्र की महिलाओं को रोज़गार से जोड़ने के प्रयास

**भोपाल,** नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग शहरी क्षेत्र की महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिये उन्हें रोज़गार से जोड़ने के लगातार प्रयास कर रहा है। प्रदेश के 55 नगरीय निकायों में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत अमृत मित्र के रूप में 312 स्व-सहायता समूह की एक हजार 28 महिला सदस्यों को जल गुणवत्ता परीक्षण का कार्य सौंपा गया है। इस कार्य के लिये महिलाओं को करीब 3 करोड़ रुपये की राशि के कार्य आदेश जारी किये गये हैं। नगरीय निकायों ने महिला स्व-सहायता समूहों को बगीचों के रख-रखाव की जिम्मेदारी भी सौंपी है। केन्द्र सरकार का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'वुमन फॉर ट्रीज' में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को लगाये गये पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है, इसके लिए उन्हें आर्थिक सहायता दी जायेगी।

शहरी क्षेत्र के महिला स्व-सहायता समूहों को केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों से जोड़ा गया है। शहरी क्षेत्र के 211 स्व-सहायता समूह के 1142 समूह सदस्यों को 3 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि एरिया लेबल फेडरेशन के माध्यम से सौंपी गई है। राज्य सरकार का प्रयास है कि ये महिलाएं इन गतिविधियों से जुड़कर लखपति दीदी बनें।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) की गतिविधियों से जोड़ा गया है। यह महिलाएं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और सेनिटेशन जैसी गतिविधियो में कार्य कर रही हैं। प्रदेश में अब तक 202 स्व-सहायता समूह को इस कार्य से जोड़ा गया है। शहरी क्षेत्रों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रों में पूरक पोषण आहार वितरण कार्यक्रम में डे-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत एक हजार 689 शहरी स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को 12 हजार 454 आंगनवाड़ी केन्द्रों में पोषण आहार वितरण का कार्य सौंपा गया है।

# सैटेलाइट से होगी अवैध उत्खनन की निगरानी

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में खनिजों के अवैध उत्खनन पर नियंत्रण के लिये सैटेलाइट आधारित खनन निगरानी प्रणाली विकसित की गई है। प्रमुख सचिव खनिज श्री उमाकांत उमराव ने सेटेलाइट आधारित खनन निगरानी प्रणाली को लागू किये जाने के संबंध में जिला कलेक्टर्स को आदेश जारी कर दिये हैं। श्री उमराव ने बताया कि इस व्यवस्था के अंतर्गत प्रदेश की समस्त खदानों को जियो टैग किया गया है तथा इसे पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया है। प्रमुख सचिव ने बताया कि पोर्टल से सैटेलाइट के माध्यम से अवैध उत्खनन की पहचान कर एलर्ट्स जारी किये जा रहे हैं।

# लिज्जत के उत्पादों का लाजवाब स्वाद बहनों की मेहनत का परिणाम

**जबलपुर,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लिज्जत पापड़ जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड को स्थापित कर महिला सशक्तिकरण एवं संगठन की शक्ति की मिसाल पेश कर रही बहनों से श्री महिला गृह उद्योग के लिज्जत पापड़ भवन, जबलपुर में आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री ने छोटे से गृह उद्योग से देश का प्रतिष्ठित ब्रांड बनने की यात्रा में ढाई हजार से अधिक बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लिज्जत परिवार को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लिज्जत का यह भवन श्रम का मंदिर है। इस मंदिर में काम करके आशीर्वाद मिलता है। उन्होंने कहा कि श्री महिला गृह उद्योग की बहनों की मेहनत ही लिज्जत के उत्पादों के स्वाद को लाजवाब बनाती है। लिज्जत के देश-विदेश में विख्यात होने का कारण भी

बहनों की मेहनत है। मुख्यमंत्री ने अन्य जन प्रतिनिधियों के साथ श्री महिला गृह उद्योग के भवन का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने श्री महिला गृह उद्योग को मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5 लाख रुपये की राशि प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला, युवा, गरीब एवं किसानों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने नरसिंहपुर में हुए किसान उद्योग समागम कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रदेश सरकर किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद-बीज एवं उन्नत कृषि उपकरण उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादन को बढ़ाने और कृषि उत्पाद को बाजार में बेहतर मूल्य दिलाने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में रोज़गार के सृजन के लिए फूड प्रोसेसिंग उद्योगों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार और समाज की भागीदारी से महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

## मंत्रिपरिषद ने वित्तीय अधिकारों के प्रत्यायोजन को दी स्वीकृति

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा वित्तीय अधिकार पुस्तिका 2025, भाग-1 का अनुमोदन किया गया है। वित्त विभाग को लिपिकीय त्रुटियों को सुधारने और भावी आवश्यकताओं के अनुसार संशोधन करने की अनुमति दी गई है। साथ ही, हिन्दी अनुवाद जारी करने की भी अनुमति दी गई है। अनुमोदित वित्तीय अधिकार 1 जुलाई, 2025 से लागू होंगे।

वित्तीय अधिकार पुस्तिका 2012, भाग-1 में संशोधन के प्रमुख कारणों में 13 वर्ष से अधिक की अवधि में विभिन्न मदों के मूल्यों एवं लागतों में वृद्धि, कार्यालय संचालन से संबंधित कतिपय नवीन स्वरूपों के व्यय भी प्रचलन में आये हैं। अप्रासंगिक हो गई मदों का विलोपन, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में नवीन मदों को सम्मिलित किया जाना, अप्रासंगिक हो चुके कार्यालयीन उपकरण और सामग्री का विलोपन, अधिकारों का विकेंद्रीकरण के क्रियान्वयन में गति प्रदान करने के लिए, बजट प्रावधान का समय-सीमा में उपयोग शामिल है।

वित्तीय अधिकार पुस्तिका 2012, भाग-1 में संशोधन नवीन प्रावधान अंतर्गत बजट नियंत्रण अधिकारी घोषित किया जाने के लिए प्रशासकीय विभाग को अधिकार, कंसल्टेंसी फर्म अथवा एजेंसी से कार्य के लिए अधिकार, इंटर्न को संलग्न करने के लिए अधिकार, मूलभूत नियम 46 अंतर्गत मानदेय की स्वीकृति, पेंशन, उपदान के अधिक भुगतान को राइट ऑफ करने का अधिकार है। 80 प्रतिशत मेडिकल एडवांस देने का अधिकार विभाग को, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की अनुमति अथवा परामर्श की आवश्यकता नहीं होगी। वित्तीय अधिकार पुस्तिका 2025 भाग-1 का अनुमोदन ईज ऑफ डूइंग बिजनेस शासकीय कार्यों में लाने का प्रयास हैं।

## मध्यप्रदेश में 83 हजार से अधिक बच्चों को मिला निःशुल्क प्रवेश

**भोपाल,** राज्य शिक्षा केन्द्र में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत आयोजित की गई ऑनलाइन लॉटरी में 83 हजार 483 बच्चों को उनकी पसंद के निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश प्राप्त हुआ है।

इनमें से 72 हजार 812 बच्चे ऐसे हैं जिन्हें उनके द्वारा चयनित प्रथम वरीयता वाले स्कूलों में प्रवेश मिला है। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने आरटीई के तहत निजी विद्यालयों की प्रथम प्रवेशित कक्षा में वंचित समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों के निःशुल्क प्रवेश के लिये ऑनलाइन लॉटरी का बटन क्लिक किया।

इस प्रक्रिया का सीधा प्रसारण राज्य शिक्षा केन्द्र के यू-ट्यूब चैनल पर किया गया। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने कहा कि देशभर में आरटीई के तहत ऑनलाइन लॉटरी सिस्टम अपनाने वाला अग्रणी राज्य मध्यप्रदेश है।

# केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से पन्ना और दमोह सहित बुंदेलखंड समृद्ध होगा

*मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पन्ना में आयोजित गौरव दिवस समारोह में विकास कार्यों का लोकार्पण करते हुए*

- महाराजा छत्रसाल की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।
- श्री जुगलकिशोर लोक बनने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।
- पन्ना में शीघ्र ही खोला जाएगा मेडिकल कॉलेज।

**पन्ना,** बुंदेलखंड में बड़ा बदलाव आने वाला है, केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से पन्ना, दमोह और छतरपुर सहित समूचा बुंदेलखंड समृद्ध होगा। किसानों की जिंदगी बदलेगी, पूरे क्षेत्र में खुशहाली आएगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पन्ना में महाराजा छत्रसाल जयंती और पन्ना नगर के गौरव दिवस पर समारोह को संबोधित करते हुए कही।

### प्रदेश के 19 धार्मिक नगरों में हुई शराबबंदी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार के माध्यम से सुशासन की मिसाल बनेगी। प्रदेश में पन्ना सहित 19 धार्मिक नगरों में शराब दुकानें बंद की गई हैं। सरकार शराब दुकान बंद कर दूध की दुकानें खोलेगी, गोपालन पशुपालन को बढ़ावा दिया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्री जुगल किशोर लोक के साथ ही 90 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

डॉ. यादव ने कहा कि पन्ना की धरती शूरवीरों की धरती है यहां पर हीरे के अपार भंडार हैं। महाराज छत्रसाल ने भी सोच समझकर पन्ना को राजधानी बनाया। उन्होंने कहा कि पन्ना के हीरे खास हैं, यहां पूरे देश में सबसे अच्छे हीरे पाए जाते हैं। जुगलकिशोर लोक बनने से श्रद्धालुजन दूर-दूर से आकर यहां दर्शन करेंगे जिससे पन्ना में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और नगर समृद्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के दुश्मनों को मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिया और सेना ने दुश्मनों का खात्मा कर नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर का 300वां जयंती वर्ष चल रहा है। देवी अहिल्याबाई ने बनारस, सोमनाथ, द्वारकापुरी, गंगोत्री, बद्रीनाथ रामेश्वरम, मानसरोवर आदि देवस्थानों का निजी व्यय से जीर्णोद्धार कराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि बहन बेटी किसी कारण से विधवा हो जाती है तो विधवा बहनों की शादी के लिए दो लाख रुपये दिये जाने का निर्णय लिया गया है। गौमाता के संरक्षण और रखरखाव के लिए सरकार गौशालाओं में प्रति गौमाता को आहार के लिये 20 से बढ़ाकर 40 रुपये दिये जा रहे हैं। लाड़ली बहनों की राशि में भी सरकार बढ़ोतरी करते हुए आगामी 5 साल के अंदर 3 हजार रुपये प्रतिमाह करने जा रही है।

*(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)*

**फैक्ट फाइल**

**महिला सशक्तिकरण के लिये ज्ञान के चौथे स्तंभ नारी से महिलाओं के समग्र विकास और कल्याण के हो रहे हैं निरंतर प्रयास**

# प्रदेश की महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की पहल

मध्यप्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण के लिये संकल्पित है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिये गये मंत्र (GYAN) गरीब, युवा, किसान और नारी को अमल में लाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिये ज्ञान के चौथे स्तंभ नारी से महिलाओं के समग्र विकास और कल्याण के लिये कदम बढ़ाये गये हैं। महिला सशक्तिकरण के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में देवी अहिल्याबाई नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारंभ किया गया है। इस मिशन से मध्यप्रदेश की महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

### देवी अहिल्याबाई नारी सशक्तिकरण मिशन के लक्ष्य

'देवी अहिल्याबाई नारी सशक्तिकरण मिशन' के लक्ष्यों में जन्म के समय लिंगानुपात में 5 अंक प्रति हजार की वृद्धि, बालिका शिक्षा में 5 प्रतिशत की वृद्धि, मातृ मृत्यु दर में 10 प्रति हजार की कमी, महिला अपराधों में 5 प्रतिशत की कमी, बाल विवाह रोकने और श्रम-बल भागीदारी दर में महिलाओं की भागीदारी में 3 प्रतिशत तक वृद्धि करना प्रमुख है।

### स्वास्थ्य, सुरक्षा और शिक्षा पर ध्यान

प्रदेश में 1.57 लाख से अधिक महिलाओं को महिला हेल्पलाइन नं. 181 से सहायता मिली है। इस सेवा में सहायता, पुलिस और बाल हेल्पलाइन के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में 6.3 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं को 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना' योजना में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना में 11 हजार बालिकाओं को प्रतियोगी प्रशिक्षण और 2.6 लाख से अधिक को प्रतिभागी संवेदनशीलता अभियानों में शामिल किया गया है।

**मुख्य बिन्दु**

- प्रदेश के सभी जिलों में वन स्टॉप सेंटर स्थापित किए गए हैं।
- अब तक 1.27 लाख से अधिक संकटग्रस्त महिलाओं को मदद मिली है।
- वर्ष 2024-25 में 6.3 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं को 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना' योजना में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है।
- 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना में 11 हजार बालिकाओं को मिला प्रतियोगी प्रशिक्षण
- प्रदेश भर में 169 दीदी कैफे और 219 ई-एक्सप्रेस वाहनों से महिलाओं के लिए आजीविका संवर्धन का कार्य किया जा रहा है।
- महिला वित्त एवं विकास निगम से 30 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूहों को अब तक 648 लाख रुपये से अधिक का ब्याज अनुदान उपलब्ध कराया गया।
- पंचायती राज में 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।
- वर्तमान में प्रदेश में 51 प्रतिशत से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं।
- विमेन एंटरप्रन्योर के लिए डेडिकेटेड इंडस्ट्री पार्क की स्थापना की गई है।

### महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में 1.27 करोड़ महिलाओं को प्रतिमाह 1,552 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना में अब तक 50 लाख से अधिक बालिकाएं पंजीकृत हुई हैं। प्रदेश भर में 169 दीदी कैफे और 219 ई-एक्सप्रेस वाहनों से महिलाओं के लिए आजीविका संवर्धन का कार्य किया जा रहा है।

### महिलाओं को मिले 49.08 लाख आवास

प्रदेश में 7 लाख 29 हजार 162 से अधिक आवास परिवार की महिला सदस्यों के नाम से स्वीकृत किये गए हैं। इसके साथ ही 19 लाख 56 हजार 988 से अधिक आवास परिवार के पुरुषों के साथ संयुक्त रूप से पंजीकृत कराए गए हैं। इस तरह परिवार की महिला सदस्यों को अब तक 49.08 लाख आवासों में 26.86 लाख (54.72 प्रतिशत) आवास आवंटित किये गए हैं।

### स्वरोज़गार और कौशल विकास

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना में 54 हजार से अधिक युवतियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आरसेटी के माध्यम से 2.8 लाख से अधिक ग्रामीण युवतियों को स्वरोज़गार प्रशिक्षण दिलाया गया है। एमएसएमई नीति 2025 में महिला उद्यमियों को 50 प्रतिशत तक पूंजी अनुदान का प्रावधान किया गया है। अब तक 2.8 लाख से अधिक महिला उद्यमों की स्थापना कराकर पूंजी अनुदान उपलब्ध कराया गया है। मध्यप्रदेश उद्योग संवर्धन नीति-2025 के अंतर्गत राज्य महिलाओं के रोज़गार को प्राथमिकता दे रहा है।

### महिला पर्यटन, हस्तशिल्प और नवाचार

'सेफ टूरिज्म डेस्टिनेशन फॉर वुमन' के विचार से 10,000 महिलाओं को पर्यटन सेवाओं के लिए प्रशिक्षित किया गया है। होटल अमलतास, पचमढ़ी राज्य का पहला पूर्णतः महिला संचालित होटल बन गया है। चंदेरी, महेश्वरी, बाग प्रिंट जैसे हस्तशिल्प और हथकरघा आधारित कौशल और उद्यमिता में 5,500 महिलाएं कार्यरत हैं, इनके उत्पादों की ब्रांडिंग और ऑनलाइन मार्केटिंग के लिए "मृगनयनी" ऑनलाइन प्लेटफॉर्म मददगार सिद्ध हो रहा है।

### सामाजिक न्याय और पेंशन योजनाएं

प्रदेश में 18 लाख से अधिक महिलाओं विधवा, परित्यक्ता और केवल पुत्री वाली माताओं को सामाजिक सुरक्षा पेंशन उपलब्ध कराई जा रही है।

***शशांक मणि पांडे***

*(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)*

गीता समोता

## एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की

महिला उप-निरीक्षक गीता समोता ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराकर इतिहास रच दिया। राजस्थान के सीकर जिले के छोटे से गांव चक से ताल्लुक रखने वाली गीता सीआईएसएफ की पहली महिला अधिकारी हैं, जिन्होंने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने औली में आईटीबीपी के पर्वतारोहण प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद वर्ष 2019 में नेपाल में माउंट लो-बुचे पर चढ़ाई की थी।

मिजोरम

## देश का पहला पूर्ण साक्षर राज्य बना

मिजोरम अब भारत का पहला पूरी तरह से साक्षर

राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री श्री लालदुहोमा ने आइजोल में मिजोरम यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में यह घोषणा की। उनके साथ केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री श्री जयंत चौधरी भी उपस्थित रहे। यह सफलता यूएलएलएएस पहल के जरिये मिली है। मिजोरम ने शिक्षा मंत्रालय के 95 फीसदी के बेंचमार्क को भी पार कर लिया है। अब मिजोरम की साक्षरता दर 98.2 फीसदी है। वर्ष 2011 की जनगणना में यह दर 91.33 फीसदी थी।

रामजीराज ने

## नासा की वेबसाइट में पकड़ी खामी

बिहार के समस्तीपुर जिले के पोहपुर के रिंकेश कुमार

के 17 वर्षीय पुत्र रामजीराज चर्चा में हैं। उन्होंने जिले में बैठे-बैठे ही अमेरिका की एयरोस्पेस एजेंसी नासा की अधिकारिक वेबसाइट की खामी पकड़कर उसे हैक कर लिया। रामजीराज ने मेल के जरिए इसकी बग रिपोर्ट नासा को भेजी। नासा ने अपनी खामी को माना और उसे दुरुस्त करने की दिशा में आवश्यक पहल की। साथ ही रामजीराज को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है।

बेबी यिंगलियांग

## डायनासोर का 7 करोड़ वर्ष पुराना भ्रूण सुरक्षित मिला

चीन के एक संग्रहालय में वैज्ञानिकों को 7 करोड़ वर्ष

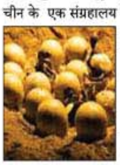

पुराना डायनासोर भ्रूण मिला है। यह भ्रूण एक जीवाश्म अंडे में सुरक्षित मिला, जिसे 'बेबी यिंगलियांग' नाम दिया गया है। यह अंडा 17 सेंटीमीटर लंबा है और इसमें ओविरैप्टरोसॉर प्रजाति का भ्रूण है, जो पक्षियों से मिलते-जुलते डायनसोर होते थे। भ्रूण की मुद्रा बिलकुल वैसी है जैसी आज के पक्षियों के अंडों में देखी जाती है, सिर नीचे की ओर और पैर दोनों ओर है। यह पहली बार है जब किसी गैर-पक्षी डायनासोर में यह व्यवहार देखा गया है।

वैभव तनेजा

## टेस्ला सीएफओ की सालाना सैलरी 1,139 करोड़ रुपये

भारतीय मूल के टेस्ला के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर

(सीएफओ) वैभव तनेजा को वर्ष 2024 में कुल 139.5 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,139 करोड़ रुपये की सैलरी प्राप्त हुई, हालांकि उनकी बेस सैलरी सिर्फ 4 लाख डॉलर है। उनकी यह कमाई खासतौर से स्टॉक ऑप्शन और इक्विटी अवॉर्ड के जरिए हुई जो उन्हें प्रमोशन के बाद मिले थे। टेस्ला के सीएफओ के तौर पर वैभव तनेजा ने सैलरी के मामले में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला को भी पीछे छोड़ दिया है। सत्या नडेला को वर्ष 2024 में 79.1 मिलियन डॉलर का कंपनसेशन मिला, जबकि सुंदर पिचाई की कमाई सिर्फ 10.73 मिलियन डॉलर रही। यानी वैभव की कमाई सुंदर पिचाई से 12 गुना ज्यादा रही।

कृष और कीरा अरोड़ा

## ब्रिटिश-भारतीय जुड़वां बच्चों को मिला मेन्सा क्लब में प्रवेश

लंदन के हाउंस्लो में रहने वाले 11 वर्षीय भारतीय मूल

के जुड़वा भाई-बहन कृष और कीरा को उच्च बुद्धिमत्ता वाले बच्चों के लिए मशहूर मेन्सा क्लब में शामिल किया गया है। कृष ने आईक्यू टेस्ट में 162 स्कोर किया, जो शीर्ष 0.26 प्रतिशत में आता है, जबकि कीरा ने 152 अंक हासिल कर टॉप 2 प्रतिशत में जगह बनाई। मां मौली अरोड़ा और पिता निशल अरोड़ा भारतीय हैं। कृष को गणित और पियानो में रुचि है, जबकि कीरा को कविता और लेखन पसंद है। दोनों बहन-भाई पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों में भी आगे हैं और भविष्य में बड़े लक्ष्य रखते हैं।

ग्लोबल 8000 एयरक्राफ्ट

## सबसे तेज उड़ान भरने वाले यात्री विमान ने पहली यात्रा पूरी की

दुनिया के सबसे लंबी दूरी के बिजनेस जेट ने अपनी

पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। बॉम्बार्डियर का ग्लोबल 8000 एयरक्रॉफ्ट दुनिया का सबसे तेज उड़ान भरने वाला नागरिक विमान है। इसकी अधिकतम रफ्तार 1,161 किलोमीटर प्रति घंटा और अधिकतम क्रूजिंग ऊंचाई 51 हजार फीट है। यह अपनी अनूठी टेकऑफ (1756 मीटर) और (लैंडिंग 682 मीटर) क्षमताओं के कारण छोटे एयरपोर्ट से भी उड़ान भर सकता है। यह सुपर जेट एक बार में 14,816 किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है, जिससे दुबई से ह्यूस्टन, सिंगापुर से लॉस एंजिलिस और लंदन से पर्थ तक नॉन-स्टॉप उड़ान संभव है।

हार्ट लैंप

## ट्रांसलेटेड एडिशन को मिला बुकर प्राइज

लेखिका, सामाजिक कार्यकर्ता और वकील बानू

मुश्ताक के कन्नड़ लघु कथा संग्रह हृदय दीप के ट्रांसलेटेड एडिशन 'हार्ट लैंप' को लंदन में अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पहली कन्नड़ कृति है जिसे 50,000 पाउंड के अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना गया है। बानू मुश्ताक ने टेट मॉर्डन में एक समारोह में अपनी इस रचना की अनुवादक दीपा भास्ती के साथ पुरस्कार प्राप्त किया। मुश्ताक ने अपनी इस उपलब्धि को विविधता की जीत बताया है।

डॉ. आनंद बंधोपाध्याय

## पोलियो अनुसंधान के लिए पुरस्कृत

भारत में पोलियो उन्मूलन और खसरा निगरानी अभियान

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कोलकाता में जन्में अमेरिका-आधारित चिकित्सक डॉ. आनंद बंधोपाध्याय को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित आईवीआई-एसके बायोसाइंस पार्क महनहून पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। गेट्स फाउंडेशन से जुड़े 45 वर्षीय डॉ. बंधोपाध्याय को यह पुरस्कार बेल्जियम की यूनिवर्सिटी ऑफ एंटवर्प के प्रोफेसर पिएरे वान डैम के साथ संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। दोनों वैज्ञानिकों को यह सम्मान विशेष रूप से नवीन मौखिक पोलियो वैक्सीन के विकास और उसके प्रभावशील प्रयोग के लिए दिया गया है।

वियतनाम में

## बैन होगा टेलीग्राम

दुनियाभर में पॉपुलर मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम फिर विवादों

में घिर गया है। इस बार वियतनाम सरकार ने टेलीग्राम पर कड़ा रुख अपनाया है और जल्द ही इस ऐप पर देश में पूरी तरह से प्रतिबंध लगाए जाने की तैयारी की जा रही है। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि टेलीग्राम देश की साइबर सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। वियतनाम सरकार का आरोप है कि टेलीग्राम देश में अवैध कंटेंट के प्रसार का जरिया बन गया है। देश के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट रूप से कहा है कि टेलीग्राम पर मौजूद कई ग्रुप्स ऐसे कंटेंट से भरे हैं, जो कि सरकार विरोधी गतिविधियों, ऑनलाइन धोखाधड़ी, मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध डाटा कारोबार को बढ़ावा दे रहे हैं।

डैनियल नोबोआ

## इक्वाडोर के राष्ट्रपति बने

इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने क्विटो में

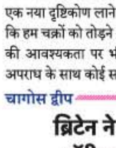

नेशनल असेंबली में एक समारोह के दौरान अपने पहले पूर्ण कार्यकाल के लिए शपथ ली। अप्रैल में फिर से चुनाव जीतने वाले 37 वर्षीय व्यवसायी, जिन्होंने वर्ष 2023 के अंत में स्नैप चुनाव जीतने के बाद अभी-अभी अपना 18 महीने का प्रारंभिक कार्यकाल पूरा किया था। उनका नया कार्यकाल वर्ष 2029 तक चलेगा। नोबोआ ने शासन में एक नया दृष्टिकोण लाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि हम चक्रों को तोड़ने आए हैं। उन्होंने स्थायी परिवर्तन की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपराध के साथ कोई समझौता नहीं होगा।

चागोस द्वीप

## ब्रिटेन ने आजाद कर मॉरीशस को दिया

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने एक समझौते पर

हस्ताक्षर किए, जिसके तहत चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस को हस्तांतरित कर दी गई, जिसमें गार्सिया सैन्य अड्डा भी शामिल है। यह सैन्य बेस हिंद महासागर में ब्रिटेन-अमेरीका रक्षा अभियानों में मुख्य भूमिका निभाता है। अब मॉरीशस से इस सैन्य बेस को 99 वर्ष के नए पट्टे पर ले लिया जाएगा। इस सौदे के तहत ब्रिटेन, मॉरीशस को प्रति वर्ष औसतन 101 मिलियन पाउंड 11.66 अरब रुपये का भुगतान करेगा, जो पट्टा अवधि के दौरान कुल 3.4 बिलियन पाउंड 39256 करोड़ रुपये होगा। स्टारमर ने यह भी दावा किया है कि इस व्यवस्था की लागत सालाना विमानवाहक पोत के संचालन से भी कम होगी।

एंड्री निकोलायेविच मोर्डविचव

## रूस ने थल सेना का कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया

रूसी रक्षा मंत्री एंड्री रेमोविच बेलौसोव ने कर्नल

जनरल एंड्री निकोलायेविच मोर्डविचव को थल सेना का कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया है। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित एक समारोह में बेलौसोव ने जनरल मोर्डविचव को थल सेना कमान स्टाफ से मिलवाया और उन्हें एक अनुभवी लड़ाकू अधिकारी बताया। जनरल मोर्डविचव ने विशेष सैन्य अभियान के दौरान अपनी नेतृत्व क्षमता का पूरा प्रदर्शन किया है। जनरल मोर्डविचव ने सेना के जनरल ओलेग साल्यूकोव की जगह ली है। जिन्हें हाल ही में रूस की सुरक्षा परिषद का उप सचिव नियुक्त किया गया था।

डेनमार्क ने

## रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाकर 70 साल की

डेनमार्क अपने सरकारी कर्मचारियों को 70 साल

की उम्र में रिटायर करेगा। यह फैसला देश की संसद में पारित होते ही लागू हो जाएगा। सरकार ने रिटायरमेंट की उम्र को देश की जीवन प्रत्याशा यानी देश में जीवन की औसन आयु से जोड़ दिया है। 2006 से ही डेनमार्क इस पर काम कर रहा है और हर वर्ष 5 साल में समीक्षा करता आया है। वर्तमान में रिटायरमेंट की उम्र 67 साल है, जो 2030 तक 68 और 2035 तक 69 साल हो जाएगी। अब 2040 तक यह 70 साल तक पहुंच जाएगी।

## स्मृति शेष

### अभिनेता मुकुल देव का निधन

फिल्म अभिनेता मुकुल देव का 54 साल की उम्र

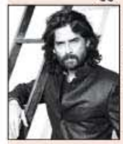

में निधन हो गया। उनके भाई अभिनेता राहुल देव ने यह जानकारी दी। राहुल ने बताया कि मुकुल पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उन्होंने हिंदी, पंजाबी, बंगाली और मलयालम भाषाओं की फिल्मों में अभिनय कर अपनी जगह बनायी थी।

### प्रसिद्ध परमाणु वैज्ञानिक श्रीनिवासन का निधन

भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में अहम योगदान

देने वाले प्रसिद्ध वैज्ञानिक और परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एस.आर. श्रीनिवासन का निधन हो गया, वह 95 वर्ष के थे। उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। परिवार ने एक बयान में कहा, हम परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग के पूर्व सचिव डॉ. एस.आर. श्रीनिवासन के निधन की घोषणा करते हुए दुखी हैं।

### लेखक रतन जग्गी का निधन

पंजाबी और हिंदी के साहित्यकार पद्मश्री डॉक्टर रतन

सिंह जग्गी का 98 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। डॉक्टर जग्गी ने 150 से ज्यादा किताबें लिखी थीं। उन्हें साहित्य अकादमी ने राष्ट्रीय पुरस्कार और पंजाब सरकार ने पंजाबी साहित्य शिरोमणी पुरस्कार से सम्मानित किया था।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

# मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 3302/60/2024/चयन इन्दौर, दिनांक : 23.05.2025

## सहायक प्राध्यापक (इतिहास) परीक्षा -2022
## चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)
## पदनाम-सहायक प्राध्यापक, इतिहास

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 29/2022 दिनांक 30.12.2022 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत **विज्ञापित पद सहायक प्राध्यापक, इतिहास** के कुल 77 पद (अनारक्षित-32, अ.जा.-08 अ.ज.जा.-15, अ.पि.वर्ग-17, ई.डब्ल्यू.एस.-05) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-11, अ.जा.-03, अ.ज.जा.-05, अ.पि.वर्ग-06 ई.डब्ल्यू.एस.-02) (कुल विज्ञापित पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांग-01, श्रवणबाधित दिव्यांग-01, दृष्टिबाधित दिव्यांग-निरंक पद एवं बहु-दिव्यांग-निरंक पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए है। उक्त पदों की पूर्ति के लिए सहायक प्राध्यापक (इतिहास) परीक्षा-2022 दिनांक 09.06.2024 को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 25.09.2024 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के **साक्षात्कार 17.02.2025 से 21.02.2025 तक** आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक/1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/29/2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 29/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 10.09.2024 में उल्लेखित प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात् घोषित किया जाएगा।
3. अतएव, लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

**सहायक प्राध्यापक (इतिहास) परीक्षा-2022**

**पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)**

| | अनारक्षित | अ.जा. | अ.ज.जा. | अ.पि.व. | ई.डब्ल्यू.एस. | योग |
|---|---|---|---|---|---|---|
| कुल पदों की संख्या | 32 | 8 | 15 | 12 | 5 | 72 |
| इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद | 11 | 3 | 5 | 4 | 2 | |
| कुल पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद | | | | | | 1 |
| कुल पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद | | | | | | 1 |

**मुख्य सूची**

| स. क्र. | अनुक्रमांक | नाम | लिंग | | Seat | | श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 144114 | AJEET KUMAR MISHRA | M | | UNR | | UNR |
| 2. | 140544 | SAURABH RAWAT | M | | UNR | | OBC |
| 3. | 144586 | MOHIT NAGAR | M | | UNR | | UNR |
| 4. | 140422 | GANDHARV SINGH RAJPOOT | M | | UNR | | OBC |
| 5. | 143422 | DHARMENDRA BAHADUR SINGH | M | | UNR | | UNR |
| 6. | 142606 | PRATIBHA DUBEY | F | | UNRF | | UNR |
| 7. | 141204 | VIKRANT KUMAR SHARMA | M | | UNR | | UNR |
| 8. | 142744 | RAVI SHANKAR YADAV | M | | UNR | | OBC |
| 9. | 141832 | DIVYA SINGH | F | | UNR | | UNR |
| 10. | 140917 | ABHISHEK PANDEY | M | | UNR | | UNR |
| 11. | 140048 | HARIOM YADAV | M | | UNR | | OBC |
| 12. | 144176 | SHUBHANGI GUPTA | F | | UNRF | | EWS |
| 13. | 140762 | ABHASH TIWARI | M | | UNR | | EWS |
| 14. | 140624 | SONIA MANDLOI | F | | UNRF | | UNR |
| 15. | 140527 | GOPAL | M | | UNR | | SC |
| 16. | 140218 | VIRAG JAIN | M | | UNR | | EWS |
| 17. | 141298 | VISHAL PARMAR | M | | UNR | | OBC |
| 18. | 140046 | SANTOSH KUMAR KUMAWAT | M | | UNR | | OBC |
| 19. | 143166 | PRASHANT CHOUBEY | M | | UNR | | EWS |
| 20. | 140338 | MANOJ CHOUDHRY | M | | UNR | | SC |
| 21. | 140160 | PRAVIN KUMAR YADAV | M | | OBC | | OBC |
| 22. | 140024 | ANIL PADIYAR | M | | UNR | | OBC |
| 23. | 140144 | LAVISH JAIN | M | | UNR | | UNR |
| 24. | 140829 | MOHIT KUMAR PANDEY | M | | UNR | | UNR |
| 25. | 142869 | ARJUN SINGH RAWAT | M | | OBC | | OBC |
| 26. | 140604 | ABHISHEK | M | | OBC | | OBC |
| 27. | 143782 | AJAY KUMAR PATEL | M | | OBC | | OBC |
| 28. | 140557 | SHIV KUMARI RAGHUWANSHI | F | | UNRF | | EWS |
| 29. | 145101 | DEEKSHA | F | | UNRF | | OBC |
| 30. | 140259 | GYANENDRA YADAV | M | | OBC | | OBC |
| 31. | 142587 | ALOK TYAGI | M | | EWS | | EWS |
| 32. | 141156 | SHALINI SINGH | F | | UNRF | | UNR |
| 33. | 140590 | MANISHA CHOUHAN | F | | UNRF | | OBC |
| 34. | 144356 | PRATHAM BHANOTRA | M | | SC | | SC |
| 35. | 140373 | PUSHPENDRA SINGH LODHI | M | | OBC | | OBC |
| 36. | 142417 | ABHISHEK SHARMA | M | | EWS | | EWS |
| 37. | 140246 | RAVINDRASINGH TANK | M | प्रावधिक | EWS | | EWS |
| 38. | 140018 | ANUSHKA RAJE | F | | UNRF | | UNR |
| 39. | 141997 | ABADHESH KUMAR NIRANJAN | M | | OBC | | OBC |
| 40. | 141442 | RAGINI TIWARI | F | | UNRF | | UNR |
| 41. | 142724 | KANIKA GUPTA | F | | UNRF | | EWS |
| 42. | 140100 | PRIYA | F | | UNRF | | EWS |
| 43. | 142165 | RACHNA PAL | F | प्रावधिक | OBCF | | OBC |
| 44. | 141723 | ADARSH CHOUDHARY | M | | SC | | SC |
| 45. | 140984 | PRIYANKA SONI | F | | OBCF | | OBC |
| 46. | 140612 | PRSRAM MANDLOI | M | | ST | | ST |
| 47. | 143676 | DIVYA TIWARI | F | | EWSF | | EWS |
| 48. | 142351 | SAKSHI BHADAURIYA | F | | EWSF | | EWS |
| 49. | 141537 | SUNIL YADAV | M | | SC | | SC |
| 50. | 141935 | SURBHI BATHAM | F | | OBCF | | OBC |
| 51. | 140260 | SHEELA MEWADA | F | | OBCF | | OBC |
| 52. | 144150 | APOORVA PRAKASH DAHAYAT | F | | SCF | | SC |
| 53. | 140053 | JAYA NYAWAT | F | | SCF | | SC |
| 54. | 143054 | NEHA DEHARIYA | F | | SCF | | SC |
| 55. | 140581 | RAMSINGH DAMOR | M | | ST | | ST |
| 56. | 141048 | BHEEMSEN MALVIYA | M | | SC | | SC |
| 57. | 140076 | HANSHA BAGHEL | F | | STF | | ST |
| 58. | 140083 | KAVITA | F | | STF | | ST |
| 59. | 140149 | KAMLESH YADAV | M | | ST | | ST |
| 60. | 144622 | SUPRIYA MEDA | F | | STF | | ST |
| 61. | 140270 | MANISH KIRAD | M | | ST | | ST |
| 62. | 141859 | VIPIN SHAH DHUMKETI | M | | ST | | ST |
| 63. | 141017 | KRISHANA KHADE | M | | OBCHO | अस्थिबाधित | OBC |
| 64. | 144352 | DEVI SINGH RATHORE | M | | ST | | ST |
| 65. | 140159 | LOKESH WASKEL | M | | ST | अस्थिबाधित | ST |
| 66. | 140276 | SURAJ SOLANKI | M | | ST | | ST |
| 67. | 140005 | NEELAM DAWAR | F | | STF | | ST |
| 68. | 140564 | KIRAN CHOUHAN | F | | STF | | ST |
| 69. | 141511 | RADHA BAI GOUND | F | | ST | | ST |
| 70. | 140182 | PRIYANKA CHANGOD | F | | ST | | ST |
| 71. | 143699 | SONALIKA SHUKLA | F | | UNRHD | श्रवणबाधित | UNR |

**अनुपूरक सूची**

| स. क्र. | अनुक्रमांक | नाम | लिंग | | श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 140038 | PRASHANT MISHRA | M | | UNR |
| 2. | 144099 | SUDHANSHU SINGH | M | | UNR |
| 3. | 140757 | HARSHITA MALVIYA | F | | UNR |
| 4. | 142472 | CHANDRAVEER SHARMA | M | | UNR |
| 5. | 140128 | ANKIT MISHRA | M | | UNR |
| 6. | 140336 | ASHUTOSH KURARIYA | M | | EWS |
| 7. | 143484 | KULDEEP PANDEY | M | | EWS |
| 8. | 142993 | CHANDRA PAL SINGH KAURAV | M | | OBC |
| 9. | 141018 | MAHENDRA SINGH CHOUHAN | M | | OBC |
| 10. | 141539 | AKANKSHA SINGHAI | F | | UNR |
| 11. | 143804 | DEEPIKA CHATURVEDI | F | | UNR |
| 12. | 140406 | NIDHI DENGARE | F | | UNR |
| 13. | 140526 | GARIMA KUSHWAHA | F | | OBC |
| 14. | 140215 | PAYAL PORWAL | F | | EWS |
| 15. | 142668 | PURNIMA YADAV | F | | OBC |
| 16. | 140512 | SONU MISHRA | F | | EWS |
| 17. | 140056 | RAHUL BHARDWAJ | M | | SC |
| 18. | 140883 | SANDEEP MESHRAM | M | | SC |
| 19. | 141516 | RAJNI MEHRA | F | | SC |
| 20. | 141838 | SHIKHA DEHARIYA | F | | SC |
| 21. | 143158 | LEKH RAJ AHIRWAR | M | अस्थिबाधित | SC |
| 22. | 144655 | PUSHPENDRA RATHORE | M | | ST |
| 23. | 140323 | SOURABH PARMAR | M | | ST |
| 24. | 140326 | JITENDRSINGH AWASYA | M | | ST |
| 25. | 140518 | JYOTI RANA | F | अस्थिबाधित | ST |
| 26. | 140359 | SUNAYANA BURMAN | F | | ST |
| 27 | 144694 | RAHUL BAMNIYA | M | श्रवणबाधित | SC |

**टीप :-**

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं, जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हो। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5. घोषित चयन परिणाम मान. उच्चतम न्यायालय में दायर एस.एल.पी. क्रमांक 8764/2023, एस.एल.पी. क्रमांक 12398/2022 एवं मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 28200/2024 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
6. न्यायालयीन प्रकरण वाले अभ्यर्थियों के चयन परिणाम रोके जाकर मान न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रखे गए हैं।

सचिव

जी-13548/51026/2025 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

## कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग) जिला खण्डवा

E-mail : actw.khd@mp.gov.in

क्र./जनजातीय कार्य/निर्माण/2024-25/2497 खण्डवा, दिनांक : 26.05.2025

### ई-निविदा विज्ञप्ति आमंत्रण
### प्रथम निविदा आमंत्रण

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से निम्न लिखित कार्यो हेतु ऑनलाइन मोहरबंद प्रतिशत दर निविदायें, फार्म ए पर लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीयकृत ठेकेदारों से तालिका में अंकित निर्माण कार्यों हेतु, लोक निर्माण विभाग की प्रचलित दर अनुसूची (भवन निर्माण कार्य हेतु) जो परियोजना संचालक लोक निर्माण विभाग म.प्र. भोपाल द्वारा जारी एवं दिनांक 01 जनवरी 2024 से प्रभावशाली है (निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित) पर ऑनलाइन झोनल निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

**स.क्र. एवं कार्य का विवरण :–** 1. अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन, सीनियर एवं जूनियर छात्रावासों में लघु निर्माण कार्य, मरम्मत कार्य परिसम्पति संधारण कार्य।

| ऑनलाइन निविदा क्रमांक | लागत राशि (लाख में) | अमानत राशि (रु. में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में) | ठेकेदार की श्रेणी | कार्य अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 2025_TAD_424097 | 200.00 | 200000.00 | 12500.00 | लोक निर्माण विभाग की केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत | 12 माह वर्षाकाल सहित |

**स.क्र. एवं कार्य का विवरण :–** 2. जनजातीय महाविद्यालयीन छात्रावासों में लघु निर्माण कार्य, मरम्मत कार्य, परिसम्पति संधारण कार्य।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 2025_TAD_424099 | 80.00 | 80000.00 | 10000.00 | लोक निर्माण विभाग की केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत | 12 माह वर्षाकाल सहित |

**स.क्र. एवं कार्य का विवरण :–** 3. जनजातीय सीनियर एवं जूनियर छात्रावासों में लघु निर्माण कार्य, मरम्मत कार्य परिसम्पति संधारण कार्य।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 32025_TAD_424101 | 200.00 | 200000.00 | 12500.00 | लोक निर्माण विभाग की केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत | 12 माह वर्षाकाल सहित |

**स.क्र. एवं कार्य का विवरण :–** 4. जनजातीय आश्रमों में लघु निर्माण कार्य, मरम्मत कार्य परिसम्पति संधारण कार्य।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 2025_TAD_424102 | 200.00 | 200000.00 | 12500.00 | लोक निर्माण विभाग की केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत | 12 माह वर्षाकाल सहित |

**स.क्र. एवं कार्य का विवरण :–** 5. जनजातीय विभाग द्वारा संचालित हायर सेकेंडरी, हाईस्कूलों एवं आवासीय विद्यालयों में लघु निर्माण परिसम्पति संधारण कार्य।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 2025_TAD_424104 | 200.00 | 200000.00 | 12500.00 | लोक निर्माण विभाग की केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत | 12 माह वर्षाकाल सहित |

**नोट :-**
1. ऑनलाइन निविदा पत्र विक्रय की प्रारंभ तिथि 02.06.2025 एवं ऑनलाइन निविदा जमा करने की **अंतिम तिथि 18.06.2025 तक** है। निविदा की विस्तृत शर्तें निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारियां **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।
2. निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर ही किया जायेगा तथा संशोधन में पृथक से समाचार पत्रों में कोई प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
3. ऑनलाइन वेबसाइट में होने वाली किसी भी समस्या के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।
4. अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालय समय में अवकाश को छोड़कर किसी भी दिवस में प्राप्त की जा सकती हैं।

**सहायक आयुक्त**

**जी-13606/51039/2025** **जनजातीय कार्य विभाग, जिला खण्डवा**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री
## लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग मण्डला (म.प्र.)
### निविदा आमंत्रण सूचना

**निविदा सूचना क्रमांक 07/2025-26** **मण्डला, दिनांक : 27.05.2025**

निम्नलिखित कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे।

**ग्रुप क्र. एवं कार्य का नाम :–** 1. मदनपुर से नैझर मार्ग पर मजबूतीकरण कार्य लं. 4.00 किमी. विद्युतीकरण कार्य सहित।

| टेण्डर आई.डी. | जिला | आमंत्रण क्र. | ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में) | अमानत राशि | निविदा प्रपत्र की राशि | समयावधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2025_PWDRB_426644_1 | मण्डला | प्रथम आमंत्रण | 384.63 | 384700 | 15000 | 10 माह वर्षाकाल सहित |
| **ग्रुप क्र. एवं कार्य का नाम :–** 2. साल्हेडंडा से नर्मदा परिक्रमा हेतु सिवनी जिले को जोड़ने वाला मार्ग लंबाई 4.00 किमी. विद्युतीकरण कार्य सहित। | | | | | | |
| 2025_PWDRB_426647_1 | मण्डला | प्रथम आमंत्रण | 384.69 | 384700 | 15000 | 08 माह वर्षाकाल सहित |
| **ग्रुप क्र. एवं कार्य का नाम :–** 3. सहस्त्रधारा पहुंच मार्ग पर मजबूतीकरण कार्य लंबाई 4.00 किमी. विद्युतीकरण कार्य सहित। | | | | | | |
| 2025_PWDRB_426648_1 | मण्डला | प्रथम आमंत्रण | 474.56 | 474560 | 15000 | 10 माह वर्षाकाल सहित |
| **ग्रुप क्र. एवं कार्य का नाम :–** 4. नकावल पहुंच मार्ग पर मजबूतीकरण कार्य लंबाई 4.00 किमी. विद्युतीकरण कार्य सहित। | | | | | | |
| 2025_PWDRB_426649_1 | मण्डला | प्रथम आमंत्रण | 275.70 | 275700 | 15000 | 08 माह वर्षाकाल सहित |
| **ग्रुप क्र. एवं कार्य का नाम :–** 5. हाईस्कूल टिकरिया पहुंच मार्ग लंबाई 0.60 किमी, मनेरी बिलनगरी मार्ग लं. 2.30 किमी, पिपरिया अमदरी मार्ग लं. 3.00 किमी, पिपरिया कुटरई मार्ग लं. 2.60 किमी. विश्राम गृह टिकरिया मार्ग लं. 0.80 किमी., शहरी क्षेत्र निवास मार्ग लं. 0.46 किमी. कुल लंबाई 9.76 किमी का नवीनीकरण कार्य। | | | | | | |
| 2025_PWDRB_426651_1 | मण्डला | छटवां आमंत्रण | 123.30 | 123300 | 12500 | 03 माह वर्षाकाल छोड़कर |
| | | **योग रु.** | **1642.88** | | | |

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 16.06.2025 (17.30) बजे तक** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधनों का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। सभी दस्तावेज ऑनलाइन ही स्वीकार किये जावेंगे। अलग से कोई भी दस्तावेज इस कार्यालय में प्राप्त नहीं किया जावेगा।

**कार्यपालन यंत्री**

**जी-13613/51038/2025** **लो.नि. विभाग (भ/स) संभाग मण्डला**

## कार्यालय उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग
## जिला हरदा

**(Tel. No. : 07577-22538, Email : ddvs.ahhar@mp.gov.in)**

**क्रमांक 1431/स्थापना/नि:शक्तजन भर्ती/2025-26/हरदा** **दिनांक : 16.05.2025**

### विशेष भर्ती अभियान के तहत् नि:शक्तजन (दृष्टिबाधित) के लिये की जाने वाली भर्ती हेतु विज्ञापन

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में पारित निर्णय व संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग म.प्र. भोपाल का पत्र क्र. 5585/स्था.ब./अलिपिक/2025/भोपाल, दिनांक 24.04.2025 एवं संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग म.प्र. भोपाल का पत्र क्र. 4090/स्था.ब./2025/भोपाल, दिनांक 26.03.2025 एवं मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल का आदेश क्रमांक एफ-8-2/2013/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 29.04.2025 के परिपालन में दिव्यांगजन (दृष्टिबाधित) के विशेष भर्ती अभियान अन्तर्गत चतुर्थ श्रेणी के 01 रिक्त पद की पूर्ति हेतु **दिनांक 20.06.2025 तक** आवेदन पत्र स्पीड पोस्ट अथवा व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में (कार्यालयीन समय प्रातः 10:00 से सायं 06:00 तक) जमा किये जा सकेंगे। रिक्त पद का विवरण निम्नानुसार है -

| विज्ञप्ति पद (संवर्ग का नाम एवं वेतन बैंड | पद श्रेणी | पदों की संख्या | | | निर्धारित शैक्षणिक योग्यता एवं आयु सीमा |
|---|---|---|---|---|---|
| | | अस्थिबाधित | दृष्टिबाधित | श्रवणबाधित | |
| भृत्य रु. 15500-49000 | चतुर्थ | | 01 | | 18 वर्ष से 40 वर्ष, 5 वर्ष की अतिरिक्त छूट सहित 45 वर्ष अधिकतम एवं न्यूनतम आठवीं परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य। |

आवेदन पत्र एवं सेवा शर्तें कार्यालय उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग जिला हरदा से प्राप्त की जा सकती हैं एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा है। चयन निर्धारित शैक्षणिक योग्यता की मेरिट के आधार पर किया जायेगा। उपरोक्तानुसार आवेदन पत्र एवं सेवा शर्तें विभागीय वेबसाइट **www.mpdah.gov.in** पर भी देखी जा सकती हैं।

**उपसंचालक**

**जी-13573/51024/2025** **पशुपालन एवं डेयरी विभाग, जिला हरदा (म.प्र.)**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री
## लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड सिंगरौली (म.प्र.)

**पता - विजय बंधु पेट्रोल पम्प के पास**

**Email : eephedsin@gmail.com, Phone : 07805-299483**

**नि.आ.सू.क्र. 31 से 41/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड/सिंगरौली/2025** **दिनांक : 26.05.2025**

### निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्यों हेतु निविदा का ऑनलाइन वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 09.06.2025 सायं 17:30 बजे** तथा निविदा खुलने की तिथि 10.06.2025 सायं 17:30 बजे है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

**Name of Work :-** "Drilling of 20 Nos. Tubewell 125/115 Dia 90m deep DTH Tubewells various Villages in Block- Waidhan, Deosar & Chitrangi of District Singrauli (M.P.)

| S. No. | NIT No. | Tender ID | Name of Village/ Block | PAC (Rs. In Lakhs) | e-EMD in Rs. | Cost of Tender in Rs. | No. of Calls |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 31/2025-26 | 2025_PHED_425851_1 | Waidhan | 14.59 | 29180.00 | 2000.00 | 1st |
| 2 | 32/2025-26 | 2025_PHED_425852_1 | Waidhan | 14.59 | 29180.00 | 2000.00 | 1st |
| 3 | 33/2025-26 | 2025_PHED_425853_1 | Waidhan | 14.59 | 29180.00 | 2000.00 | 1st |
| 4 | 34/2025-26 | 2025_PHED_425854_1 | Deosar | 14.59 | 29180.00 | 2000.00 | 1st |
| 5 | 35/2025-26 | 2025_PHED_425855_1 | Deosar | 14.59 | 29180.00 | 2000.00 | 1st |
| 6 | 36/2025-26 | 2025_PHED_425856_1 | Chitrangi | 14.59 | 29180.00 | 2000.00 | 1st |
| 7 | 37/2025-26 | 2025_PHED_425857_1 | Chitrangi | 14.59 | 29180.00 | 2000.00 | 1st |
| 8 | 38/2025-26 | 2025_PHED_425858_1 | Chitrangi | 14.59 | 29180.00 | 2000.00 | 1st |
| 9 | 39/2025-26 | 2025_PHED_425859_1 | Chitrangi | 14.59 | 29180.00 | 2000.00 | 1st |
| 10 | 40/2025-26 | 2025_PHED_425860_1 | Chitrangi | 14.59 | 29180.00 | 2000.00 | 1st |
| 11 | 41/2025-26 | 2025_PHED_425861_1 | Chitrangi | 14.59 | 29180.00 | 2000.00 | 1st |

**कार्यपालन यंत्री**

**जी-13570/51025/2025** **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सिंगरौली (म.प्र.)**

## कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

**ईमेल : ce.tender.wrdmp@gmail.com**

**फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406**

**निविदा सूचना क्रमांक - 1153/2025-26/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/भोपाल, दिनांक : 27.05.2025**

निम्न कार्यो हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 23.06.2025 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

| स.क्र. | निविदा क्र. | कार्य | जिला | लागत (लाख) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 2025_WRD_426776 | **टर्न की पद्धति पर :-** कदवाल तालाब का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं। | श्योपुर | 642.19 |
| 2. | 2025_WRD_426778 | चकरपुर बांध में प्रकाश व्यवस्था सहित डी.जी. सेट (02 नग - 100 के.व्ही.ए.) प्रदाय सहित स्थापना व परीक्षण का कार्य। | सागर | 57.90 |
| 3. | 2025_WRD_426779 | कढान दबावयुक्त सिंचाई परियोजना में 3.15 एम.व्ही.ए. पी.टी.आर. सहित आग्जलरी ट्रान्सफारमर के प्रदाय सहित स्थापना व परीक्षण का कार्य। | सागर | 83.65 |
| 4. | 2025_WRD_426780 | केन-बेतवा लिंक नहर के अलाइन्मेन्ट के समानान्तर सीमा पत्थरों को लगाना और भू-अर्जन केस की ऑनलाइन धारा 11, धारा 19 और धारा 21 की तैयारी तथा प्रस्तुति एवं अनुगमन कार्य। | छतरपुर | 93.41 |
| 5. | 2025_WRD_426781 | मोहनिया लघु तालाब के स्पिल के नाले पर रोड ब्रिज का निर्माण कार्य। | रायसेन | 46.22 |
| 6. | 2025_WRD_426782 | **टर्न की पद्धति पर :-** भैरा लघु सिंचाई तालाब अंतर्गत बांध एवं नहर के समस्त अवयवों का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं। | छतरपुर | 822.25 |

**जी-13596/51040/2025** **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री

## लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1, इन्दौर

eepwd1ind@mp.nic.in, Ph.No.: 0731-2490978

**निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 12/ब.ले.लि/2025-26/** इन्दौर, दिनांक : 26.05.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देख जा सकता है।

| स. क्र. | ऑनलाइन टेण्डर नं. | कार्य का नाम | ठेके की अनु.राशि (लाख में) | अमानत राशि (रु.) | निविदा प्रपत्र की राशि | कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 2025_ PWDRB_ 426559 | बंगला क्रमांक सी.3 एमपीपीएससी सदस्य इंदौर में पथवे एवं उद्यान का निर्माण (डिपॉजिट कार्य)। | 4.45 | 8900.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 2. | 2025_ PWD RB_ 426560 | बंगला क्रमांक सी.3 में लघु मरम्मत कार्य का नवीनीकरण एमपीपीएससी सदस्य इंदौर (डिपॉजिट कार्य) | 2.56 | 5120.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 3. | 2025_ PWDRB_ 426561 | पब्लिक डेंटिसिटी डेंटल कॉलेज इंदौर में नवीनीकरण द्वार, पेंटिंग और ढकाव का कार्य (डिपॉजिट कार्य) | 1.22 | 2440.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 4. | 2025_ PWDRB_ 426564 | होलकर अनुभाग इंदौर के अंतर्गत जी.ए.डी पूल क्वार्टर में वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट कार्य और प्लास्टिक पनी का पी/एफ | 17.50 | 35000.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 5. | 2025_ PWDRB_ 426565 | जल प्रूफिंग उपचार कार्य और पी/एफ पीएफ प्लास्टिक पनी का कार्य अग्रसेन प्रतिमा होलकर अनुभाग इंदौर के पास | 16.50 | 33000.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 6. | 2025_ PWDRB_ 426566 | होलकर कॉलेज अनुभाग इंदौर में विविध कार्य और विविध क्वार्टर | 19.50 | 39000.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 7. | 2025_ PWDRB_ 426567 | पीएम उत्कृष्टता श्री अटल बिहारी कला एवं वाणिज्य इंदौर में विभिन्न कार्य | 19.50 | 39000.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 8. | 2025_ PWDRB_ 426568 | रसलपुरा उपसंभाग महू के अंतर्गत सिमरोल और पशु चिकित्सा अनुभाग में विभिन्न ए/आर और प्रदर्शन गारंटी सड़कों पर बीटी पेच मरम्मत | 19.96 | 39920.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 9 | 2025_ PWDRB_ 426569 | रसलपुरा उपसंभाग महू के अंतर्गत मुख्यालय और मानपुर खंड में विभिन्न ए/आर और प्रदर्शन गारंटी सड़कों पर बीटी पेच मरम्मत | 19.82 | 39640.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 10. | 2025_ PWDRB_ 426570 | रसलपुरा उपसंभाग महू के अंतर्गत सरकारी आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का एआर/ एसआर/डिपॉजिट/एमओडब्ल्यू कार्य काटने का कार्य | 18.85 | 37700.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 11. | 2025_ PWD RB_ 426571 | बेटमा अनुभाग जिला 1 उप संभाग इंदौर के अंतर्गत विभिन्न सड़कों की मरम्मत का कार्य | 18.85 | 37700.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 12. | 2025_ PWDRB_ 426573 | राजेंद्र नगर रोड सेक्शन जिला 1 सब डिवीजन इंदौर के अंतर्गत विभिन्न सड़कों की मरम्मत और रखरखाव का कार्य | 17.90 | 35800.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 13. | 2025_ PWDRB_ 426574 | इंदौर नेमावर रोड अनुभाग जिला 1 उप संभाग इंदौर के अंतर्गत विभिन्न सड़कों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य | 18.90 | 37800.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 14. | 2025_ PWDRB_ 426575 | खंडवा रोड अनुभाग जिला उप संभाग इंदौर के अंतर्गत विभिन्न सड़कों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य | 19.85 | 39700.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 15. | 2025_ PWDRB_ 426576 | विभिन्न सड़कों की मरम्मत और रखरखाव कार्य कनाड़िया रोड जिला 1 उप संभाग इंदौर | 15.85 | 31700.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 16. | 2025_ PWDRB_ 426579 | इंदौर के रेजीडेंसी सेक्शन के अंतर्गत विभिन्न क्वार्टरों और बंगलों में वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट कार्य और प्लास्टिक पनी का पी/एफ | 19.80 | 39600.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 17. | 2025_ PWD RB_ 426580 | विभिन्न क्वार्टर और बंगलो अंडर सीआरपी लाइन सेक्शन इंदौर में वॉटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट पी/ एफ कार्य और प्लास्टिक पनी का कार्य | 17.80 | 35600.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 18. | 2025_ PWDRB_ 426581 | होलकर अनुभाग इंदौर के अंतर्गत विभिन्न क्वार्टरों में जलरोधक उपचार कार्य और प्लास्टिक पनी का पी/एफ का कार्य | 16.50 | 33000.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 19. | 2025_ PWDRB_ 426582 | विभिन्न क्वार्टर के ईब कंपाउंड और तुकोगंज पुलिस लाइन इंदौर में प्लास्टिक पनी का जलरोधक का कार्य और पी/एफ का कार्य | 15.50 | 31000.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| 20. | 2025_ PWDRB_ 426583 | सामान्य मरम्मत रखरखाव और अन्य कार्य शासकीय आवासीय ई2 टाइप क्वार्टर पलासिया अनुभाग इंदौर | 19.00 | 38000.00 | 2000.00 | 90 दिवस वर्षाकाल सहित |
| | | | **319.81** | | | |

1. उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन पेमेंट करने के पश्चात बिड डॉक्यूमेंट क्रय किया जा सकता है।
2. बिड प्रस्तुत करते समय बिड प्रस्तुतकर्ता को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक हैं :–
   1. बिड डॉक्यूमेंट की खरीदी का प्रमाण, 2. अरनेस्ट मनी जमा करने का प्रमाण 3. चेक लिस्ट, 4. एफिडेविट विस्तृत जानकारी बिड डाटा शीट में देखी जा सकती है।
3. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **तिथि दिनांक 28.05.2025 10:00 से दिनांक 05.06.2025 18:00 बजे तक** निर्धारित है।
4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
5. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाकर सिर्फ वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर ही किया जावेगा,

**कार्यपालन यंत्री**

**जी-13583/51023/2025** **लो.नि.वि. संभाग क. 1 इन्दौर**

## कार्यालय मुख्य अभियंता

## लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)

## निविदा सूचना

**निविदा सूचना क्रमांक 02/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2025-26** **भोपाल, दिनांक : 21.05.2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है । उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

**क्र. एवं कार्य का नाम** :– 1. उज्जैन जिले के अंतर्गत UJN-VRG in IDU सेक्शन कि.मी. 02/45.49 रेलवे समपार क्रमांक-02 उज्जैन मक्सी रोड पर रेलवे ओव्हर ब्रिज (इलेक्ट्रिक पोल शिफ्टिंग एच.टी./एल.टी. लाइन स्ट्रीट लाइटिंग) विद्युत कार्य सहित निर्माण कार्य।

| टेण्डर क्रमांक | जिला | कार्य का प्रकार | आमंत्रण क्र. | कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में) | ई.एम.डी राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु। |
|---|---|---|---|---|---|
| 2025_PWDRB_425404_1 | उज्जैन | पुल कार्य | प्रथम | 3656.98 | केवल ऑनलाइन |
| **क्र. एवं कार्य का नाम** :– 2. खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर में कावेरी नदी पर पैदल पुल सहित ओंकारघाट से भीलट बाबा मंदिर सिद्धवरकुट तक पहुँच मार्ग सहित उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य। | | | | | |
| 2025_PWDRB_425212_1 | खण्डवा | पुल कार्य | प्रथम | 2948.41 | केवल ऑनलाइन |
| **क्र. एवं कार्य का नाम** :– 3. उज्जैन जिले के अंतर्गत विक्रम नगर रेल्वे स्टेशन के समीप कि.मी. 7/19-21 रेलवे समपार क्रमांक-07 उज्जैन-देवास ब्राडगेज ट्रेक पर रेलवे ओव्हर ब्रिज (इलेक्ट्रिक पोल शिफ्टिंग एच.टी./एल.टी. लाइन स्ट्रीट लाइटनिंग) विद्युत कार्य सहित निर्माण कार्य। | | | | | |
| 2025_PWDRB_425405_1 | उज्जैन | पुल कार्य | प्रथम | 2797.54 | केवल ऑनलाइन |
| **क्र. एवं कार्य का नाम** :– 4. उज्जैन जिले के अंतर्गत कार्तिक चौक से शंकराचार्य चौराहा मार्ग पर जलमग्नीय पुल निर्माण (इलेक्ट्रिक पोल शिफ्टिंग स्ट्रीट लाइटनिंग) विद्युत कार्य सहित निर्माण कार्य। | | | | | |
| 2025_PWDRB_425406_1 | उज्जैन | पुल कार्य | प्रथम | 1742.65 | केवल ऑनलाइन |
| **क्र. एवं कार्य का नाम** :– 5. उज्जैन शहर में लालपुल के डाउन स्ट्रीम में रेलवे पुल के समानांतर क्षिप्रा नदी पर नवीन 4 लेन जलमग्नीय पुल निर्माण (इलेक्ट्रिक पोल शिफ्टिंग एच.टी./एल.टी. लाइन स्ट्रीट लाइटनिंग) विद्युत कार्य सहित निर्माण कार्य। | | | | | |
| 2025_PWDRB_425407_1 | उज्जैन | पुल कार्य | प्रथम | 1338.48 | केवल ऑनलाइन |
| | | | **कुल योग** | **12484.06** | |

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 11.06.2025 (17:30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधनों का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

**मुख्य अभियंता**

**जी-13559/51027/2025** **लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल**

## कौशल विकास संचालनालय (म.प्र.)

**क्र./कौ.वि.सं./प्र/स्टेटसेल/प्रवेश/2025/645** **भोपाल, दिनांक :28.05.2025**

## म.प्र. की आईटीआई में सत्र 2025 हेतु प्रवेश प्रारंभ

**चलो आईटीआई ......**

## आवश्यक सूचना

म.प्र. स्थित शासकीय एवं प्रायवेट आईटीआई में संचालित एनसीवीटी/एससीवीटी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विभाग के पोर्टल **(www.dsd.mp.gov.in)** पर **"प्रवेश रजिस्ट्रेशन 2025"** पर जाकर रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन में त्रुटिसुधार एवं च्वाईस फिलिंग हेतु **दिनांक 16.06.2025 तक** कार्यवाही कर सकेंगे। संशोधित समय सारणी निम्नानुसार है:-

| स.क्र. | की जानी वाली कार्यवाही | New Dates |
|---|---|---|
| 1. | आवेदकों द्वारा रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन में त्रुटि सुधार। | 01.05.2025 से 16.06.2025 |
| 2. | इच्छित संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम का चयन करना | 10.05.2025 से 16.06.2025 |
| 3. | कामन रैंक आवेदकों के लॉगिन पर प्रदर्शित की जायेगी | 17.06.2025 |
| 4. | कामन रैंक में यदि प्राप्तांकों में त्रुटि हो तो सुधार हेतु आवेदकों द्वारा पोर्टल पर स्वयं के लॉगिन पर जाकर (Edit) त्रुटि सुधार किया जा सकेगा। | 17.06.2025 से 18.06.2025 |
| 5. | प्रथम चयन सूची डिस्प्ले करना। (एसएमएस द्वारा आवेदकों को सूचित करना।) | 23.06.25 |
| 6. | प्रथम चयन सूची के आवेदकों का प्रवेश आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश | 24.06.2025 से 26.06.2025 |
| 7. | द्वितीय चयन सूची जारी करना, अपग्रेड के साथ | 01.07.2025 |
| 8. | द्वितीय चयन सूची के आवेदकों का प्रवेश। | 02.07.2025 से 04.07.2025 |

**आवेदकों के लिये महत्वपूर्ण जानकारियां निम्नानुसार हैं:-**

- आईटीआई में महिलाओं के प्रवेश हेतु 35% सीटें आरक्षित की गई हैं, जिससे प्रदेश में महिलाओं का कौशल विकास में योगदान बढ़ेगा।
- इस वर्ष से प्रदेश की आईटीआई में 12 ट्रेड (Welder, Plumber, Weaving Technician, Welder-Fabrication, Driver Cum Mechanic, Dress Making, Sewing Technology, Mason, Wood Work Technician-Carpenter, Painter General, Wireman, Surface Ornamentation) में 08वीं के आधार पर प्रवेश की प्रक्रिया की जा रही है।
- आवेदकों को सूचित किया जाता है कि 08वीं एवं 10वीं के ट्रेड में च्वाईस फिलिंग हेतु रजिस्ट्रेशन फार्म में **"Both - 08वीं एवं 10वीं के आधार पर"** ऑप्शन का चयन अवश्य करें तथा 08वीं एवं 10वीं दोनों कक्षाओं के उत्तीर्ण प्राप्तांकों की प्रविष्टि अनिवार्यतः करें।
- आईटीआई के विभिन्न ट्रेड में प्रवेश की अधिक जानकारी के लिये नजदीकी शासकीय आईटीआई के हेल्पडेस्क पर अवश्य संपर्क करें। आईटीआई में प्रवेश फार्म भरने की व्यवस्था भी उपलब्ध है।
- प्रदेश की कई शासकीय आईटीआई में नवीन व्यवसाय प्रारंभ किये गये हैं, जिसके अंतर्गत कुल 4608 सीटों को और बढ़ाया गया है। इसके अंतर्गत 74 शासकीय आईटीआई में Future Skilling के 07 व्यवसाय (Drone Technician, Solar Technician, Mechanic Electric Vehicle, IoT-Smart Agriculture, IoT-Smart City, Technician Mechatronics, Wind Plant Technician) सम्मिलित हैं, जिसमें कुल 1996 सीटें आवेदकों के लिये उपलब्ध हैं।
- ऐसे आवेदक जिनके द्वारा पूर्व में च्वाईस फिलिंग लॉक कर दी गई है, वे भी इन व्यवसायों में **दिनांक 16.06.2025 के पूर्व** च्वाईस फिलिंग कर सकेंगे।
- समस्त आवेदकों को सूचित किया जाता है कि अंतिम तिथि के पूर्व प्रवेश की प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिये च्वाईस फिलिंग करना अनिवार्य है।
- बेहतर भविष्य निर्माण के लिये शासकीय आईटीआई में प्रवेश लेकर कौशल उन्नयन करें एवं अपने सपनों को साकार करें।

**प्रवेश पोर्टल पर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संपर्क करें**

**फोन नं.** : 9220407724, 9220407725, 9220407726, **ई-मेल** : mpiticounseling2025@gmail.com

**संचालक**

**जी-13519/51022/2025** **कौशल विकास संचालनालय**

अमृत भारत स्टेशन योजना

# अत्याधुनिक और सुविधाजनक रेलवे स्टेशन निर्माण की पहल

रेल और रेलवे स्टेशन भारत की बड़ी आबादी के आवागमन का प्रमुख केन्द्र है। वर्षों से रेलवे स्टेशन यात्रियों की आवाजाही का स्थान रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के रेलवे स्टेशन के महत्व को समझा उनकी स्थिति को जाना और आवश्यकता अनुसार उनकी बेहतरी के लिए प्रयास किया। रेलवे स्टेशनों को चरणबद्ध स्वरूप में बेहतर बनाने के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की।

यह योजना रेलवे स्टेशनों में सुधार करने की दीर्घकालिक योजना है। इस योजना के तहत, प्रत्येक स्टेशन के लिए विस्तृत योजना बनाई गई है और स्टेशन की जरूरतों के अनुसार काम किया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत गांधीनगर स्टेशन से हुई, फिर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन ने एक नया रूप लिया।

### योजना का लक्ष्य

अमृत भारत स्टेशन योजना का लक्ष्य रेलवे स्टेशनों को अधिक स्वच्छ, अधिक आरामदायक और उपयोग के लिए आसान बनाना है। इसमें प्रवेश और निकास द्वार, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्लेटफॉर्म और छत को बेहतर बनाना शामिल है। जहां भी ज़रूरत होगी है, वहां लिफ्ट, एस्केलेटर और मुफ्त वाई-फाई जैसी सुविधाएं जोड़ी जा रही है। यात्रियों की मदद के लिए बेहतर संकेत और सूचना प्रणाली भी होगी। कुछ स्टेशनों में एग्जीक्यूटिव लाउंज और बिजनेस मीटिंग के लिए विशेष स्थान होंगे। 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के तहत कियोस्क पर स्थानीय उत्पाद बेचे जाएंगे और स्टेशनों को हरा-भरा और अधिक आकर्षक बनाने का प्रयास किया जाएगा।

### एक स्टेशन एक उत्पाद

इसका उद्देश्य देशभर के रेलवे स्टेशनों पर डिस्प्ले और बिक्री आउटलेट प्रदान करके देशभर के स्वदेशी और विशिष्ट उत्पादों एवं शिल्प को प्रोत्साहित करना है। यह उत्पाद उस क्षेत्र तथा स्थान के लिए विशिष्ट होंगे। इसमें स्थानीय जनजातियों द्वारा बनाई गई कलाकृतियां, स्थानीय बुनकरों द्वारा हाथकरघा, हस्तशिल्प, चिकनकारी और जरी-जरदोजी का काम या मसाले चाय, कॉफी और अन्य उत्पाद शामिल हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना स्टेशन भवनों को उन्नत करने, स्टेशन के माध्यम से शहर के दोनों किनारों को जोड़ने और स्टेशनों को बसों और मेट्रो जैसे अन्य परिवहन विकल्पों से जोड़ने का भी प्रयास कर रही है। दिव्यांगजनों के लिए स्टेशनों को अनुकूल बनाने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पर्यावरण के अनुकूल ट्रैक का सुधार किया जा रहा है।

अमृत भारत स्टेशन योजना लाखों यात्रियों के लिए यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए भारतीय रेल द्वारा अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने का एक ठोस प्रयास है। इस योजना में आधुनिक यात्री सुविधाओं जैसे कि सुंदर ढंग से डिजाइन किए गए अग्रभाग, नए सिरे से बनाए गए प्लेटफॉर्म, सुंदर लैंडस्केप, रूफ प्लाजा, कियोस्क, फूड कोर्ट, बच्चों के खेलने का स्थान आदि का निर्माण किया जा रहा है। सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सड़कों को चौड़ा करना, अवांछित संरचनाओं को हटाना, अच्छी तरह से डिजाइन किए गए साइनेज लगाना, समर्पित पैदल यात्री मार्ग बनाना और पार्किंग सुविधाओं को बढ़ाना, साथ ही बेहतर प्रकाश की व्यवस्था करना शामिल है।

### अमृत भारत स्टेशन योजना में विकास के साथ विरासत

अमृत भारत स्टेशन योजना की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि पुनर्विकसित स्टेशन भवनों का डिजाइन स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला पर आधारित है। जैसे कि अहमदाबाद स्टेशन मोढेरा सूर्य मंदिर से प्रेरित है, जबकि द्वारका स्टेशन द्वारकाधीश मंदिर से प्रेरित है। गुरुग्राम स्टेशन आईटी थीम पर आधारित होगा, जबकि ओडिशा के बालेश्वर स्टेशन को भगवान जगन्नाथ मंदिर की थीम पर डिजाइन किया जाएगा। तमिलनाडु के कुंभकोणम् स्टेशन पर चोल वास्तुकला का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

यह अमृत भारत स्टेशन न केवल भारत की हजारों वर्ष पुरानी विरासत को संरक्षित कर रहे हैं, बल्कि राज्यों में पर्यटन विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में भी कार्य कर रहे हैं, जिससे युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसरों का सृजन हो रहा है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1,300 से अधिक स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जा रहा है, जिन्हें क्षेत्रीय वास्तुकला को प्रतिबिंबित करने और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। करणी माता मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की सेवा करने वाला देशनोक रेलवे स्टेशन मंदिर वास्तुकला और मेहराब एवं स्तंभ विषयवस्तु से प्रेरित है। तेलंगाना में बेगमपेट रेलवे स्टेशन काकतीय साम्राज्य की वास्तुकला से प्रेरित है। बिहार में थावे स्टेशन में 52 शक्तिपीठों में से एक माँ थावेवाली का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न भित्ति चित्र और कलाकृतियां शामिल हैं और यहां मधुबनी पेंटिंग को दर्शाया गया है। गुजरात में डाकोर स्टेशन रणछोड़राय जी महाराज से प्रेरित है। भारतभर में पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों में आधुनिक अवसंरचना को सांस्कृतिक विरासत, दिव्यांगजनों के लिए यात्री केंद्रित सुविधाओं और यात्रा के अनुभव को बढ़ाने के लिए दीर्घकालिक कार्य प्रणालियों के साथ एकीकृत किया गया है।

### दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाएं

भारतीय रेलवे स्टेशनों को दिव्यांगजनों और कम गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए 'सुगम्य भारत मिशन' या 'सुगम्य भारत अभियान' के तहत सुधार किया गया है। दिव्यांगजनों और कम गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए दी जाने वाली सुविधाओं में प्रवेश रैंप, सुलभ पार्किंग, कम ऊंचाई वाले टिकट काउंटर, सहायता बूथ, शौचालय, पीने के पानी के बूथ, रैंप, लिफ्ट के साथ सबवे, फुट ओवर ब्रिज, ब्रेल साइनेज सहित मानक साइनेज और दृष्टिबाधित लोगों के लिए ब्रेलसाइन और टैक्सटाइल पाथवे आदि शामिल हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना भारत के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह बदलाव नये भारत के निर्माण की आवश्यकताओं को पूर्ण करेंगे। इसमें यात्रियों के लिए आराम, स्थानीय संस्कृति, स्थिरता और बेहतर कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान रखा गया है। अब यह स्टेशन सिर्फ ट्रेन पकड़ने की जगह मात्र नहीं हैं, बल्कि ये स्टेशन स्वच्छ, सुलभ और जीवंत स्थान बन रहे हैं। यह योजना देश के समावेशी और समग्र विकास के संकल्प को स्थापित कर रही है। अब भारत के रेलवे स्टेशन सफर के समय आने-जाने का स्थान होने के साथ प्रत्येक शहर के ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व को प्रदर्शित करता है।

**- हितेश शर्मा**

**(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)**

## विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

# हिन्दी

**1. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने किस पत्रिका के माध्यम से खड़ी बोली को परिष्कृत और परिमार्जित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई?**
(अ) चाँद (ब) सुधा
(स) सरस्वती (द) प्रताप
**उत्तर (स) सरस्वती**

**2. 'मध्यकाल में राजकाज की भाषा के रूप में किस भाषा को मान्यता मिली हुई थी'?**
(अ) हिन्दी (ब) उर्दू
(स) फारसी (द) अरबी
**उत्तर (स) फारसी**

**3. 'बुंदेली' और कन्नौजी बोली हिन्दी के किस उपभाषा वर्ग की बोलियाँ हैं?**
(अ) पूर्वी हिन्दी (ब) पश्चिमी हिन्दी
(स) राजस्थानी (द) पहाड़ी
**उत्तर (ब) पश्चिमी हिन्दी**

**4. 'मैथिल कोकिल' किसे कहा जाता है?**
(अ) विद्यापति (ब) बिहारी
(स) कलक्टर सिंह केसरी
(द) धनानंद
**उत्तर (अ) विद्यापति**

**5. 'मेवाती और हाड़ौती' बोलियां हिंदी में किस वर्ग की बोलियां हैं?**
(अ) पहाड़ी (ब) राजस्थानी
(स) बिहारी (द) पश्चिमी हिन्दी
**उत्तर (ब) राजस्थानी**

**6. हिंदी में किस भाषा के अर्थ में पहले 'साधुभाषा', 'टकसाली भाषा' तथा 'परिनिष्ठित भाषा' का प्रयोग होता था?**
(अ) ब्रजभाषा (ब) खड़ी बोली हिन्दी
(स) मानक भाषा (द) जन भाषा
**उत्तर (स) मानक भाषा**

**7. भाषा के संदर्भ में महात्मा गांधी ने किसका समर्थन किया?**
(अ) हिन्दी (ब) हिंदुस्तानी
(स) हिंदुई (द) उर्दू
**उत्तर (अ) हिन्दी**

**8. अपभ्रंश को 'पुरानी हिन्दी' कहने वाले प्रथम लेखक कौन थे?**
(अ) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
(ब) रामचन्द्र शुक्ल
(स) जार्ज ग्रियर्सन
(द) शिवसिंह सेंगर
**उत्तर (अ) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'**

**9. हिन्दी साहित्य के इतिहास का प्रथम लेखक कौन है?**
(अ) जार्ज ग्रियर्सन
(ब) शिवसिंह सेंगर
(स) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(द) गार्सा द तॉसी
**उत्तर (द) गार्सा द तॉसी**

**10. काशी नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा 'हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास' कितने खंडों में प्रकाशित किया गया?**
(अ) छह (ब) बारह
(स) बीस (द) सोलह
**उत्तर (द) सोलह**

**11. 'गार्सा द तॉसी' ने इस्त्वार द ला लितरेत्यूर ऐंदुई ऐंदुस्तानी ग्रंथ की रचना किस भाषा में की?**
(अ) अंग्रेजी (ब) फ्रेंच
(स) रूसी (द) जर्मन
**उत्तर (ब) फ्रेंच**

**12. 'सरहपाद' को हिन्दी का प्रथम कवि किसने माना?**
(अ) मिश्रबंधु
(ब) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
(स) राहुल सांकृत्यायन
(द) हजारी प्रसाद द्विवेदी
**उत्तर (स) राहुल सांकृत्यायन**

**13. आदिकालीन कृति 'ढोला मारू-रा दूहा' की गणना किस साहित्य के अंतर्गत की जाती है?**
(अ) रासो साहित्य (ब) जैन साहित्य
(स) सिद्ध साहित्य (द) लौकिक साहित्य
**उत्तर (द) लौकिक साहित्य**

**14. 'पृथ्वीराज रासो' का रचयिता किसे माना जाता है?**
(अ) नरपति नातह (ब) जगनिक
(स) चंद बरदाई (द) गोरखनाथ
**उत्तर (स) चंद बरदाई**

**15. दामोदर शर्मा द्वारा लिखित उक्ति-व्यक्ति प्रकरण किस प्रकार का ग्रंथ है?**
(अ) इतिहास ग्रंथ
(ब) भाषा-सर्वेक्षण ग्रंथ
(स) व्याकरण ग्रंथ
(द) काव्य ग्रंथ
**उत्तर (स) व्याकरण ग्रंथ**

**16. शंकराचार्य ने सामाजिक एकीकरण के लिए किस दार्शनिक आध्यात्मिक ऐक्य का निरूपण किया?**
(अ) विशिष्ट द्वैत (ब) द्वैताद्वैत
(स) अद्वैत वेदांत (द) शुद्धाद्वैत
**उत्तर (स) अद्वैत वेदांत**

**17. 'मसि कागद छुयौ नहि कलम गह्यौ नहिं हाथ' यह पंक्ति किस भक्त कवि को लक्ष्य करके कही गई है?**
(अ) नानक देव (ब) कबीर दास
(स) दाददयाल (द) रैदास
**उत्तर (ब) कबीर दास**

**18. अष्टछाप की स्थापना कब हुई?**
(अ) 1560 ई. (ब) 1600 ई.
(स) 1565 ई. (द) 1570 ई.
**उत्तर (स) 1565 ई.**

**19. 'जानकी हरण' के रचयिता कौन हैं?**
(अ) कुमारदास (ब) भवभूति
(स) माधव भट्ट (द) धनंजय
**उत्तर (अ) कुमारदास**

**20. 'मैं कहता हूँ आँखिन देखी, तू कहता कागद की लेखी' कहने वाले भक्त कवि कौन थे?**
(अ) कुंभन दास (ब) दाददयाल
(स) रज्जब (द) कबीरदास
**उत्तर (द) कबीरदास**

**21. 'भक्तन को कहा सीकरी सों काम' किस कवि की पंक्ति है?**
(अ) परमानंद दास(ब) कृष्ण दास
(स) कुंभनदास (द) कबीरदास
**उत्तर (स) कुंभनदास**

**22. 'बरवै रामायण' किसकी रचना है?**
(अ) तुलसीदास (ब) नरहरि बारहर
(स) केशवदास (द) प्राणचंद चौहान
**उत्तर (अ) तुलसीदास**

**23. 'कृष्ण गीतावली' के रचयिता कौन हैं?**
(अ) सूरदास (ब) नंददास
(स) तुलसीदास (द) मीराबाई
**उत्तर (स) तुलसीदास**

**24. 'या लकुटि अरू कामरिया पर राज तिहूँ पुर कौ तजि डारौं' इस पंक्ति की रचना किसने की?**
(अ) सूरदास (ब) रत्नाकर
(स) रसखान (द) नंददास
**उत्तर (स) रसखान**

**25. मलिक मुहम्मद जायसी की रचना 'पदमावत' किस भाषा में है?**
(अ) खड़ी बोली (ब) राजस्थानी
(स) अवधी (द) ब्रजभाषा
**उत्तर (स) अवधी**

**26. 'कठिन काव्य का प्रेत' किस कवि को कहा जाता है?**
(अ) केशवदास (ब) चिंतामणि
(स) बोधा (द) ठाकुर
**उत्तर (अ) केशवदास**

**27. 'अति सूधो सनेह को मारग है' किसकी उक्ति है?**
(अ) बोधा (ब) ठाकुर
(स) धनानंद (द) आलम
**उत्तर (स) धनानंद**

**- डॉ. राममनोहर उपाध्याय**

(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं।)

# विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न
## अर्थव्यवस्था पर आधारित

**1. ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में शिक्षित बेरोज़गार युवाओं के लिये स्वरोज़गार के अवसर पैदा करने के लिये निम्न में से कौनसी योजना नहीं है?**
अ. ग्रामीण रोज़गार सृजन कार्यक्रम
ब. प्रधानमंत्री रोज़गार योजना
स. प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- स. प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना**

**2. बीज पूंजी (Seed Capital) होती है?**
अ. बीज खरीदने के लिये आवश्यक पूंजी
ब. एक नया व्यवसाय प्रारंभ करने के लिये प्रारंभिक पूंजी
स. शेयर बाजार में निवेश के लिये राशि
द. उपरोक्त सभी
**उत्तर- ब. एक नया व्यवसाय प्रारंभ करने के लिये प्रारंभिक पूंजी**

**3. मानव विकास सूचकांक में निम्न में से कौनसे पैरामीटर सम्मिलित नहीं होते हैं?**
अ. प्रतिव्यक्ति आय
ब. शिक्षा का स्तर
स. महिला जागृति
द. जीवन प्रत्याशा
**उत्तर- स. महिला जागृति**

**4. मौद्रिक नीति के लिये भारतीय रिज़र्व बैंक के द्वारा कौनसे उपकरण उपयोग किये जाते हैं?**
अ. खुले बाजार की क्रिया
ब. बैंक दर
स. रेपो रेट
द. उपरोक्त सभी
**उत्तर- द. उपरोक्त सभी**

**5. घाटे के बजट को कम करने के लिये सरकार कौनसे कदम नहीं उठाती है?**
अ. राजस्व व्यय को कम करना
ब. आयात शुल्क कम करना
स. अनुदान को तर्क संगत बनाना
द. उपरोक्त सभी
**उत्तर- ब. आयात शुल्क कम करना**

**6. एक कठोर मुद्रा वह है, जो**
अ. विशेष आहरण अधिकार के परिवर्तनीय नहीं हो
ब. विदेशी मुद्रा बाजार प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हो
स. उच्च स्तर की तरलता के साथ थोड़े समय के दौरान अपेक्षाकृत स्थिर हो
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- स. उच्च स्तर की तरलता के साथ थोड़े समय के दौरान अपेक्षाकृत स्थिर हो**

**7. गैर कृषि गतिविधियों के मामले में निम्न में से कौनसा आगम/इनपुट कम मात्रा में आवश्यक है?**
अ. भूमि
ब. श्रम
स. पूंजी
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- अ. भूमि**

**8. कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की स्थापना कब हुई थी?**
अ. 1956 ब. 1960
स. 1965 द. 1970
**उत्तर- स. 1965**

**9. माइक्रो क्रेडिट (लघु वित्त) निम्न में से किसके द्वारा वितरित किये जाते हैं?**
अ. माइक्रो फाइनेंस संस्था
ब. गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां
स. सहकारी बैंक
द. उपरोक्त सभी
**उत्तर- द. उपरोक्त सभी**

**10. ब्रेटन वुड्स सम्मेलन के तहत कौनसी संस्था/संस्थाएं स्थापित की गई थीं?**
अ. विश्व बैंक
ब. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
स. उपरोक्त दोनों
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- स. उपरोक्त दोनों**

**11. सरकार द्वारा विनिवेश की नीति लागू की जाती है?**
अ. सरकार पर वित्तीय बोझ कम करने के लिये
ब. विकास के लिये निधि प्रदान के लिये
स. प्रतिस्पर्धा बनाये रखने के लिये
द. उपरोक्त सभी
**उत्तर- द. उपरोक्त सभी**

**12. निम्न में से कौनसा/कौनसे कथन सत्य हैं?**
अ. राजकोषीय नीति में अर्थव्यवस्था की उच्च मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने पर सीधा प्रभाव पड़ता है
ब. रिज़र्व बैंक की मौद्रिक नीति का 'लागत जन्य' मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने पर सीधा प्रभाव पड़ता है
स. उपरोक्त दोनों कथन सत्य हैं
द. उपरोक्त दोनों कथन असत्य हैं
**उत्तर- स. उपरोक्त दोनों कथन सत्य हैं**

**13. फिलिप्स वक्र किस-किस के मध्य संबंध को बताता है?**
अ. मुद्रास्फीति और बेरोज़गारी
ब. मुद्रास्फीति और रोज़गार
स. मुद्रा अपस्फीति और बेरोज़गारी
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- अ. मुद्रास्फीति और बेरोज़गारी**

**14. इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड के संस्थापक निवेशक हैं?**
अ. आई डी एफ सी
ब. सिटीग्रुप
स. इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी
द. उपरोक्त सभी
**उत्तर- द. उपरोक्त सभी**

**15. निम्नलिखित में से कौनसा 'सनराइज उद्योग' का उदारहण नहीं है?**
अ. पेपर उद्योग
ब. अंतरिक्ष उद्योग
स. पेट्रोकेमिकल्स उद्योग
द. हाइड्रोजन ईंधन उद्योग
**उत्तर- अ. पेपर उद्योग**
**व्याख्या-** सनराइज उद्योग वह होते हैं जो अपेक्षाकृत नये हैं और तेजी से वृद्धि कर रहे हैं।

**16. निम्नलिखित में से कौनसी गतिविधियां/गतिविधि चतुर्थक गतिविधियों में सम्मिलित नहीं हैं?**
अ. चिकित्सा पर्यटन
ब. सूचना प्रौद्योगिकी
स. अनुसंधान और विकास
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- अ. चिकित्सा पर्यटन**

**17. हरित क्रान्ति का नेतृत्व किसने किया था?**
अ. अशोक गुलाटी
ब. एम.एस. स्वामीनाथन
स. विकास पिल्लाई
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- ब. एम.एस. स्वामीनाथन**

**18. ऑपरेशन फ्लड का दूसरा नाम क्या है?**
अ. श्वेत क्रांति
ब. हरित क्रांति
स. नीली क्रांति
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- अ. श्वेत क्रांति**

**19. डिजिटल इंडिया मिशन कब प्रारंभ हुआ था?**
अ. 1 जुलाई, 2015
ब. 1 जुलाई, 2016
स. 31 जुलाई, 2015
द. 31 जुलाई, 2016
**उत्तर- अ. 1 जुलाई, 2015**

**20. भारत माला परियोजना कब प्रारंभ की गई?**
अ. 1 जुलाई, 2015
ब. 1 जुलाई, 2016
स. 31 जुलाई, 2015
द. 31 जुलाई, 2016
**उत्तर- स. 31 जुलाई, 2015**

**21. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रयुक्त होने वाले 'डंपिंग' से क्या अभिप्राय है?**
अ. देश में उत्पादन की उच्च लागत के कारण वस्तुओं का निर्यात करना
ब. देश में उत्पादन की उच्च लागत के कारण वस्तुओं का आयात करना
स. देश में उत्पादित वस्तुओं के उत्पादन लागत से भी कम कीमत पर निर्यात करना
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- स. देश में उत्पादित वस्तुओं के उत्पादन लागत से भी कम कीमत पर निर्यात करना**

**22. भारतीय रिज़र्व बैंक राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिये हार्ड करेंसी को प्रिंट कर सकता है पर बैंक ऐसा नहीं करता है क्योंकि?**
अ. घाटे को पूरा करने के लिये रिज़र्व बैंक अधिनियम में कोई प्रावधान नहीं है
ब. घाटे को पूरा करने के लिये हार्ड करेंसी की छपाई से हाइपर इन्फ्लेशन हो सकता है
स. यह एक सैद्धांतिक प्रक्रिया है
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- ब. घाटे को पूरा करने के लिये हार्डकरेंसी की छपाई से हाइपर इन्फ्लेशन हो सकता है**

**23. भारत की कुल प्रजनन दर प्रति महिला कितने बच्चे है?**
अ. 2.0 ब. 2.1
स. 2.2 द. 2.3
**उत्तर- अ. 2.0**

**24. वित्त आयोग के संबंध में सत्य कथन बताइये?**
अ. यह एक संवैधानिक निकाय है
ब. इसकी स्थापना संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत की गई है
स. राज्यों के बीच संसाधनों के आवंटन पर निर्णय लेने के लिये प्रत्येक पांच वर्ष में इसकी स्थापना की जाती है
द. उपरोक्त सभी सत्य हैं
**उत्तर- द. उपरोक्त सभी सत्य हैं**

**25. किस संविधान संशोधन ने सहकारी समितियों के गठन के अधिकार को मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 19) के रूप में स्थापित किया है**
अ. 95 ब. 97
स. 101 द. 108
**उत्तर- ब. 97** (यह संशोधन 2011 में हुआ था)

**26. उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (PLI) कब प्रारंभ हुई थी?**
अ. 2020 ब. 2022
स. 2023 द. 2024
**उत्तर- अ. 2020**

**27. फैंटम एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) से तात्पर्य है?**
अ. हरित परियोजनाओं में किया गया निवेश
ब. निवेश जो खाली कार्पोरेट शेल कंपनियों के जरिए किया जाता है
स. उपरोक्त दोनों
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- ब. निवेश जो खाली कार्पोरेट शेल कंपनियों के जरिए किया जाता है**

**28. सेन्ट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC) के बारे में निम्न में से कौनसा कथन असत्य है?**
अ. CBDC को केन्द्रीय बैंक कानूनी मुद्रा के रूप में जारी करता है
ब. CBDC और बिटकाइन दोनों बैंक द्वारा जारी की जाती हैं
स. उपरोक्त सभी
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- ब. CBDC और बिटकाइन दोनों बैंक द्वारा जारी की जाती हैं**

**29. भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण IRDAI किस मंत्रालय के अधीन एक वैधानिक निकाय है?**
अ. वित्त
ब. उद्योग मंत्रालय
स. भारतीय रिज़र्व बैंक
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- अ. वित्त**

**30. निम्नलिखित में से कौनसा कुल प्रजनन दर का सूचक है?**
अ. एक वर्ष में जन्म और मृत्यु दर के बीच का अंतर
ब. एक वर्ष में प्रति 1000 व्यक्तियों पर जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या
स. एक महिला द्वारा अपने प्रजनन काल में जन्मे बच्चों की संख्या
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- स. एक महिला द्वारा अपने प्रजनन काल में जन्मे बच्चों की संख्या**

**31. स्थायी जमा सुविधा के बारे में सत्य कथन बताइये?**
अ. यह एक लिक्विडिटी विंडो है, जिसके माध्यम से रिज़र्व बैंक बैंकों को अतिरिक्त तरलता प्रदान करता है
ब. यह रिवर्स रेपो सुविधा से अलग है, क्योंकि इसमें बैंकों को फंड जमा करते समय संपार्श्विक प्रदान नहीं करना होता
स. उपरोक्त दोनों
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- स. उपरोक्त दोनों**

**32. निम्न में से असत्य कथन बताइये?**
अ. सकल घरेलू उत्पाद (GDP) किसी देश की सीमाओं के भीतर उत्पादित तैयार घरेलू वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य है?
ब. सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) किसी देश के नागरिकों द्वारा घरेलू और विदेश में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य है
स. GDP स्थानीय या राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का सूचक है जबकि GNP यह दर्शाता है कि देश के नागरिक देश की अर्थव्यवस्था के लिये कितना योगदान दे रहे हैं
द. उपरोक्त में से कोई कथन असत्य नहीं है
**उत्तर- द. उपरोक्त में से कोई कथन असत्य नहीं है**

**33. भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है?**
अ. 3 ब. 6
स. 4 द. अनिश्चित
**उत्तर- अ. 3**

**34. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन की स्थापना कब हुई?**
अ. 1984 ब. 1985
स. 1980 द. 1987
**उत्तर- ब. 1985**

**35. मुद्रास्फीति लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये आवश्यक रेपो दर निर्धारित करने के लिये प्राथमिक रूप से कौन जिम्मेदार है?**
अ. भारतीय रिज़र्व बैंक
ब. भारत सरकार
स. वित्त मंत्रालय
द. कोई नहीं
**उत्तर- अ. भारतीय रिज़र्व बैंक**

**36. ब्रिक्स समूह में कितने सदस्य सम्मिलित हैं?**
अ. 8 ब. 9
स. 10 द. 11
**उत्तर- स. 10** (हाल ही में इंडोनेशिया 10वें सदस्य के रूप में सम्मिलित हुआ है)

**37. विश्व व्यापार संगठन की स्थापना किस वर्ष में हुई थी?**
अ. 1990 ब. 1993
स.1995 द. 2000
**उत्तर- स.1995**
**व्याख्या-** इसका गठन मारकेश समझौते के तहत किया गया था।

**38. भारतीय मानक ब्यूरो का मुख्यालय कहां है?**
अ. भोपाल ब. नई दिल्ली
स. मुंबई द. चेन्नई
**उत्तर- ब. नई दिल्ली**
**व्याख्या-** यह भारतीय मानक संस्थान (ISI) के रूप में 1947 में स्थापित हुआ था।

**39. लॉजिस्टिक्स ईज़ एक्रास डिफरेंट स्टेट्स (LEADS) 2024 की रिपोर्ट किसे द्वारा जारी की गई?**
अ. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
ब. परिवहन मंत्रालय
स. नीति आयोग
द. उपरोक्त मं से कोई नहीं
**उत्तर- अ. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय**

**40. ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC) कब लागू किया गया था?**
अ. 2020 ब. 2021
स. 2022 द. 2023
**उत्तर- स. 2022**

**41. मध्य आय जाल शब्द से तात्पर्य है?**
अ. तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थायें मध्यम आय स्तर पर स्थिर हो रही हैं और उच्च आय वाले देशों की श्रेणी में सम्मिलित नहीं हो पा रही हैं
ब. कई देश जानबूझकर मध्य आय स्तर पर हैं ताकि WTO के लाभ प्राप्त हो सके
स. उपरोक्त दोनों
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
**उत्तर- अ. तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थायें मध्यम आय स्तर पर स्थिर हो रही हैं और उच्च आय वाले देशों की श्रेणी में सम्मिलित नहीं हो पा रही हैं**

- डॉ. माया राठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय, भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)

8वीं क्लास में पढ़ते समय तत्कालीन कलेक्टर को देखकर आईएएस बनने का सपना देखा था

# बालाघाट जिले की फरखंदा कुरैशी बनीं आईएएस

**सपने देखने की कोई उम्र नहीं होती है। देश के पूर्व राष्ट्रपति, महामहिम डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी कहा है कि, बड़े सपने देखो और पूरा करने के लिए जुट जाओ। इसी तरह का सपना कक्षा 8वीं क्लास में पढ़ते समय मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले की एक बेटी फरखंदा कुरैशी ने भी तब देखा था, जब उनके जिले में कलेक्टर श्री बी. चंद्रशेखर थे। उनकी कार्यप्रणाली से प्रभावित होकर फरखंदा ने तय किया था कि मुझे भी कलेक्टर बनना है। मजबूत इरादे, कड़े परिश्रम और माता-पिता समेत परिवार के सहयोग ने हर उस बाधा को पार किया जो इस सपने को सच करने के दौरान जीवन में आयीं। तीन बार की असफलता के बाद चौथे प्रयास में फरखंदा ने यूपीएससी 2024 की सिविल सेवा परीक्षा में 67वीं रैंक हासिल की है। यह सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि बालाघाट की इस बेटी को जिले की पहली आईएएस मुस्लिम महिला होने का भी गौरव मिला है। अपने अब तक के सफर और सफलता के बारे में फरखंदा ने रोज़गार और निर्माण से बात की...**

**सवाल- अपने अब तक के सफर के बारे में बताइए?**

**जवाब-** मैंने अपनी स्कूल की पढ़ाई बालाघाट में सेंट मैरी स्कूल और मेथाडिस्ट मिशन इंग्लिश स्कूल से पूरी की है। इसके बाद मैंने जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय से भू-गर्भ शास्त्र में स्नातक की डिग्री पूरी करने के बाद 2019 में सिविल सर्विस की तैयारी के लिए दिल्ली जाने का निर्णय लिया था। छह महीने की कोचिंग के बाद कोविड की वजह से मैं वापस बालाघाट अपने घर आ गई। बाकी की तैयारी मैंने घर पर रहकर ही ऑनलाइन स्टडी के माध्यम से पूरी की। चौथे प्रयास में मुझे सफलता मिली है।

**सवाल- आपको आईएएस बनने की प्रेरणा कब और कहां से मिली?**

**जवाब-** जब मैं आठवीं कक्षा में पढ़ रही थीं, तब हमारे शहर में बालाघाट के तत्कालीन कलेक्टर श्री बी. चंद्रशेखर सर थे। उनके जमीनी काम से मैं बहुत प्रभावित हुई थी। मैंने देखा कि कैसे एक प्रशासनिक अधिकारी जनता के बीच रहकर काम करता है। व्यवस्थाओं में सुधार करता है, जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की समस्याएं दूर करता है।

**सवाल- आपने वैकल्पिक विषय के रूप में किसे और क्यों चुना?**

**जवाब-** मैंने भू-गर्भ शास्त्र (जियोलॉजी) को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था।

**सवाल- क्या आपने कोचिंग की मदद ली? कोचिंग को सिलेक्शन के लिए आप कितना जरूरी मानती हैं?**

**जवाब-** कोविड के पहले मैंने दिल्ली में 6 महीने तक कोचिंग की। इस दौरान मेरी मां का पूरा सहयोग रहा, शुरुआत में वहां मेरे साथ मेरी मां रहीं, उसके बाद कुछ समय बड़ी मम्मी रहीं। बाद में कोविड के बाद में कोचिंग बीच में ही छोड़कर घर आ गई और घर से ही ऑनलाइन स्टडी की। मुझे लगता है कि कोचिंग गाइडेंस के लिए बेहतर है। इससे आपको सही दिशा में तैयारी करने में मदद मिलती है लेकिन सेल्फ स्टडी का यह विकल्प नहीं हो सकती है। आपको तैयारी खुद ही करनी होगी।

**सवाल- सिविल सर्विस बहुत अनिश्चितता भरी है, चौथे प्रयास में आपको सफलता मिली है, ऐसे में मानसिक स्तर पर किस तरह की चुनौतियों का सामना किया? उन्हें कैसे दूर किया?**

**जवाब-** निश्चित ही जब हमें तय समय में कामयाबी नहीं मिलती है तो हमें खुद को लेकर संशय होने लगता है कि हममें यह करने की क्षमता है भी या नहीं। उस समय मेरे पेरेंट्स ने मुझे काफी मोटीवेट किया। विशेषकर मेरी मां ने कहा कि, जब और बच्चे सफल हो सकते हैं तो तुम भी सफलता हासिल कर सकती हो।

**सवाल- सिविल सर्विस में यदि सलेक्शन नहीं होता तो आप किस फील्ड में जातीं?**

**जवाब-** यदि सिविल सर्विस में सिलेक्शन नहीं होता तो मैं अकेडमिक की फील्ड में अपना कैरियर बनाती। इसके साथ ही यूजीसी नेट की तैयारी भी कर रही थी। मैंने प्लान बी के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के बारे में सोच रखा था।

**सवाल- अपने माता-पिता, परिवार का आपकी सफलता में क्या योगदान रहा? आपने उनसे क्या सीखा? जो सिविल सर्विस की यात्रा में काम आया?**

**जवाब-** मैं एक संयुक्त परिवार में रहती हूं, जहां मेरे माता-पिता, दादी, भाई-बहन, बड़े पापा-बड़ी मम्मी सभी साथ में रहते हैं। मेरे पिता जो पेशे से अधिवक्ता हैं और मां गृहिणी हैं। मैं इन दोनों को ही अपनी सफलता का असली हीरो मानती हूं। मेरे माता-पिता ने असफलता मिलने पर मुझे टूटने नहीं दिया, बल्कि मोटिवेट करते रहे कि एक दिन सफलता जरूर मिलेगी।

**सवाल- कठिन और मुश्किल तथ्यों को याद रखने के लिए क्या प्रक्रिया अपनायी?**

**जवाब-** मैंने अपने स्टडी रूम की दीवारों पर जरूरी फैक्ट्स चिपका लिए थे। जब कभी पढ़ने का मन नहीं करता था तो मैं उन तथ्यों को रिवाइज कर लिया करती थी। कुछ फैक्ट्स के शॉर्ट नोट्स बना लिए थे। इस तरह बार-बार रिवीजन से फैक्ट्स याद किए।

**सवाल- इंटरनेट पर बहुत सारा स्टडी मटेरियल उपलब्ध है। ऐसे में सही मटेरियल का चुनाव कैसे किया?**

**जवाब-** बहुत सारे रिसोर्स उपलब्ध हैं। ऐसे में कई बार प्रतियोगी को लगता है कि सब लोग यह सब पढ़ रहे हैं। हम नहीं पढ़ रहे हैं। खुद को नियंत्रित करना जरूरी है कि हमें अपनी तय किताबों से ही पढ़ना है। ऐसे में करेंट अफेयर्स है तो किसी एक मटेरियल से ही पढ़ाई करें। लिखकर रखें कि हमें किस रिसोर्स से पढ़ना है। तभी बेहतर रिवीजन संभव है।

**सवाल- आपने रोजाना कितने घंटे अध्ययन किया? आपकी दिनचर्या क्या रही?**

**जवाब-** मैं नियमित तौर पर 8 से 10 घंटे पढ़ाई किया करती थी। परीक्षा के समय करीब आने पर यह 12 घंटे तक हो जाता था। मैं 2-2 घंटे के स्लॉट बनाकर पढ़ाई करती थी। 2 घंटे पढ़ने के बाद मैं 10 मिनट का ब्रेक लेती थी। 2 स्लॉट कंप्लीट होने पर 1 घंटे का ब्रेक लेती थी।

**सवाल- सिविल सर्विस की परीक्षा की तैयारी एक लंबी यात्रा है, ऐसे में किस तरह की चुनौतियों का सामना किया और उन्हें कैसे दूर किया?**

**जवाब-** निश्चित ही इस तैयारी में हम अपने ज्यादातर दोस्तों से पूरी तरह कट जाते हैं। मानसिक तौर पर भी अलगाव या अकेलापन महसूस होता है। हमारी जिंदगी कहीं ना कहीं एक कमरे के दायरे में सीमित हो जाती है। कई बार शारीरिक चुनौतियां भी होती हैं। ऐसे में हमें बस अपने लक्ष्य के प्रति ही समर्पित होना चाहिए, कि हमने यह तैयारी क्यों शुरू की। यही बातें हमें अपनी यात्रा को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाती हैं।

**सवाल- आपने इंटरव्यू की तैयारी कैसे की?**

**जवाब-** इंटरव्यू की तैयारी के लिए मैंने करेंट अफेयर्स की तैयारी की। प्रमुख मुद्दे, प्रमुख समाचार तैयार किए। मॉक इंटरव्यू की भी प्रेक्टिस की। प्रदेश के बारे में भी पढ़ा, यहां के मुद्दों के बारे में अध्ययन किया।

**सवाल- आपसे इंटरव्यू में किस तरह के सवाल पूछे गए और आपने उनके क्या जवाब दिए?**

**जवाब-** मुझसे समसामयिक मुद्दों और सिचुएशन बेस्ड सवाल पूछे गए।

**सवाल- आपने किस माध्यम से परीक्षा दी? माध्यम की चयन में कितनी भूमिका है?**

**जवाब-** मैंने अंग्रेजी माध्यम से परीक्षा दी है। मुझे लगता है कि माध्यम का कोई फर्क नहीं पड़ता है क्योंकि अब अंग्रेजी हिंदी सभी में अच्छा स्टडी मटेरियल उपलब्ध है। शिक्षक भी अच्छे हैं। हम तैयारी किस तरह कर रहे हैं, यह मायने रखता है।

**सवाल- आपने अपने पेरेंट्स से क्या सीखा? जो सिविल सर्विस की परीक्षा में सफलता में काम आया?**

**जवाब-** मेरी मां हमेशा से चाहती थीं कि वह सिविल सर्विस की तैयारी करें लेकिन कुछ वजहों से वह नहीं कर सकीं। लेकिन उन्होंने मुझे हमेशा इस परीक्षा की तैयारी के लिए प्रेरित किया। मुझे आगे बढ़ने, आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। जब असफल हो रही थी। तब उनका मुझ पर विश्वास मेरी ताकत बना। मेरे पिता एक वकील हैं। ऐसे में नियमित समय से कोर्ट जाना, अपना काम समय पर पूरा करना, उसे दूसरे दिन के लिए नहीं टालना। जो तय किया है उसे आज ही पूरा करना है। यह अनुशासन मैंने अपने पिता से सीखा है।

**सवाल- कई बार पढ़ने का मन नहीं होता है? तब ध्यान लगाने के लिए क्या करती थीं?**

**जवाब-** कई बार पढ़ने का भी मन नहीं करता है। ऐसे में आधे घंटे का ब्रेक ले लेती थी। लेकिन ऐसा कभी नहीं करना है कि उस दिन पढ़ें ही नहीं। रेगुलर पढ़ना जरूरी है। ऐसे में टेस्ट ले लेती थी। इससे हमें नया पढ़ने को मिलता है, जिससे हमें इंट्रेस्ट भी जागता है। इसके अलावा अपनी हॉबी जैसे फोटोग्राफ लेना, गार्डनिंग कर लेती थी। इस तरह पर्सनाल्टी डेवलपमेंट के काम भी कर लेती थी।

**सवाल- परीक्षा हॉल में आपकी क्या रणनीति थी?**

**जवाब-** परीक्षा हॉल में प्रीलिम्स के लिए टाइम मैनेजमेंट बहुत जरूरी है। जीएस का पेपर तीन पार्ट में कंप्लीट करती थी। पहले उन सवालों को हल करती थी, जो सबसे सरल लगते थे। उसके बाद जिनके सवाल के संभावित जवाब पता उन्हें करती थी। अंत में कठिन सवाल को इंटेलीजेंट गेसिंग या जो पुराने प्रश्न पत्र के आधार पर करती थी। सीसेट के लिए 40 मिनट रीडिंग कंप्रेसिंग को देती और बाकी समय रीजनिंग को देती थी।

**सवाल- आपका चयन जिस पद के लिए हुआ है? उसे लेकर आपके क्या विचार हैं?**

**जवाब-** मैं जिस क्षेत्र से आती हूं, यह जनजातीय क्षेत्र है। ऐसे में जनजातीय क्षेत्र के लोगों के आर्थिक सामाजिक विकास के लिए तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करना चाहती हूं। इसके साथ ही महिलाओं की शिक्षा के लिए विशेष कार्य करना चाहती हूं।

**सवाल- चार प्रयास के बाद सफलता मिली? क्या कभी लगा कि नहीं हो रहा है छोड़ देना चाहिए? ऐसे में खुद को कैसे प्रेरित किया?**

**जवाब-** मुझे विश्वास था कि एक ना एक दिन सिलेक्शन जरूर होगा। मैं अपनी तैयारी के उस दौर में पहुंच चुकी थी। मैंने खुद से ऐसे वक्त में हमेशा यही कहा कि इतना आगे आने के बाद मैं इसे छोड़ती हूं, तो मेरा बड़ा नुकसान होगा। मैंने टॉपर्स के बारे में भी पढ़ा था जिनमें से कई को पांचवे प्रयास में भी सफलता मिली है।

**सवाल- क्या आपने रोज़गार और निर्माण पढ़ा है? आपको उसमें क्या पढ़ना पसंद आया?**

**जवाब-** मुझे रोज़गार और निर्माण पढ़ना पसंद है। इसमें सफल प्रतियोगियों के साक्षात्कार पढ़ना पसंद था। इस समाचार पत्र में प्रकाशित महत्वपूर्ण न्यूज-करेंट अफेयर्स की जानकारी, राज्य से जुड़े अन्य समाचार पढ़ना मुझे पसंद है।

**सवाल- रोज़गार और निर्माण के माध्यम से आप युवाओं को क्या संदेश देना चाहेंगी?**

**जवाब-** मैं युवाओं को यही कहना चाहूंगी कि, मेहनत और लगन के बिना सफलता हासिल नहीं की जा सकती। प्रीलिम्स और मेंस दोनों के लिए पुराने प्रश्न पत्रों को ध्यान में रखकर तैयारी करना चाहिए। ज्यादा से ज्यादा परीक्षा के पहले 3 से 4 बार रिवीजन करना चाहिए। टाइम मैनेजमेंट के लिए पेपर देना चाहिए। खुद पर भरोसा अवश्य करना चाहिए, खुद को मोटीवेट करना चाहिए।

-डॉ. सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)

### परिचय

| | |
|---|---|
| नाम | - फरखंदा कुरैशी |
| पद | - भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) |
| रैंक | - 67वीं |
| उम्र | - 26 वर्ष |
| पिता | - श्री अब्दुल मलिक कुरैशी |
| माता | - श्रीमती निखत अंजुम कुरैशी |
| पता | - वार्ड नं. 3, बैहर रोड, बालाघाट, मध्यप्रदेश |
| शिक्षा | - **हाईस्कूल** - सेंट मैरी इंग्लिश मीडियम स्कूल , बालाघाट |
| हायर सेकेंडरी | - मेथोडिस्ट मिशन इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल , बालाघाट |
| स्नातक | - बीएससी जियोलॉजी, जटाशंकर त्रिवेदी पी.जी. कॉलेज (रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी) |
| स्नातकोत्तर | - एमए ज्योग्राफी , सरदार पटेल यूनिवर्सिटी, बालाघाट, मध्यप्रदेश |

### इंटरव्यू में पूछे गए कुछ सवाल

**सवाल - यदि आप डीएम बनते हैं और आपके जिले में कहीं प्रोटेस्ट हो रहा है तो आप क्या करेंगी?**

**जवाब -** यदि कोई भी प्रोटेस्ट होता है तो उसके पीछे कोई वजह होती है। इसलिए सबसे पहले अपने जिले के अधिकारियों के साथ बात करके इसके पीछे का मुख्य कारण जानकर उसके हिसाब से रणनीति तैयार करूंगी। इसके बाद मैं प्रोटेस्ट से संबंधित लीडर से बात करूंगी। सिविल सोसायटी के व्यक्तियों, एनजीओ के लोगों से भी बात करूंगी।

**सवाल - यदि आप डीएम बनते हैं, तो अपने जिले में निवेश कैसे लेकर आएंगी?**

**जवाब -** मैं एक मेला आयोजित करूंगी। उससे जो आय होगी, उसे सरप्लस फंड के रूप में जमा करूंगी। इसके इस्तेमाल जिले के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, शिक्षा बेहतर करने, स्मार्ट क्लास शुरू करने आदि पर व्यय करूंगी। स्पेशल चिल्ड्रन के स्कूल के लिए प्रयोग करूंगी।

**सवाल - ग्रीनलैंड का जियोग्राफिकल और जियोलॉजिकल महत्व क्या है?**

**जवाब -** ग्रीनलैंड अटलांटिक महासागर में स्थित है। यह ट्रेड वे है, काफी व्यस्त रूट है। इसके व्यवसायिक फायदे ज्यादा है। जिससे अमेरिका को काफी फायदा होगा। ग्लेशियर पिघलने से सीमावर्ती देशों डेनमार्क, रूस में संघर्ष बढ़ेगा। वहां मौजूद खनिज संसाधन, गैस, ऑयल आदि के लिए विरोध बढ़ेगा।

**सवाल - नेचर फोटोग्राफी में क्या-क्या क्लिक करना पसंद है?**

**जवाब -** नेचर से रिलेटेड फोटो नदी, पहाड़, सूर्योदय, सूर्यास्त, इन्सेक्ट आदि के फोटो क्लिक करना मुझे बहुत ज्यादा पसंद है।

# होलकर रियासत

मध्यप्रदेश में होलकर रियासत का इतिहास 18वीं शताब्दी में मराठा साम्राज्य के प्रमुख शासकों में से एक के रूप में होलकर वंश की स्थापना से शुरू होता है। मल्हार राव होलकर, जिन्हें इस वंश का संस्थापक माना जाता है, उन्होंने पेशवा के अधीन काम किया और बाद में मध्यभारत के इंदौर में अपनी रियासत स्थापित की।

होलकर राजवंश हिन्दू मराठा परिवार से संबंधित है, होलकर राजवंश का इतिहास नीरा नदी के किनारे होलगांव नाम के गांव से जुड़ा है। होलगांव से ही उन्हें अपना नाम मिला। मल्हार राव होलकर ने वर्ष 1732 में होलकर वंश की स्थापना की। शुरुआत में होलकर मराठा साम्राज्य के तहत राजाओं के रूप में शासन करते थे। बाद में वर्ष 1818 में इंदौर राज्य ब्रिटिश साम्राज्य के संरक्षण में एक रियायत बन गया।

होलकर रियासत की राजधानी इंदौर शहर नंदलाल मंडलोई द्वारा स्थापित एक स्वतंत्र रियासत के रूप में पहले से ही अस्तित्व में था। वे नंदलाल मंडलोई ही थे जिन्होंने इस क्षेत्र में मराठों को खान नदी के पास शिविर के लिये अनुमति दी। इंदौर में होलकर राजवंश की स्थापना मल्हार राव होलकर के द्वारा की गई। अहिल्याबाई द्वारा राजधानी महेश्वर में स्थापित की गई।

### प्रमुख शासक

- मल्हार राव होलकर प्रथम (1732 से 1766)
- मालेराव होलकर (1766-67)
- अहिल्याबाई होलकर (1767-1795)
- तुकोजी राव होलकर (1795-1797)
- यशवंत राव होलकर प्रथम (1797 से 1811)
- मल्हार राव होलकर द्वितीय (1811 से 1833)
- मार्तण्ड राव होलकर (1833-34)
- हरि राव होलकर (1834 से 1843)
- शिवाजी राव होलकर (1886 से 1903)
- यशवंत राव होलकर द्वितीय (1926 से 1948)

### मल्हार राव होलकर प्रथम

- होलकर वंश के संस्थापक।
- जनवरी 1761 में हुये पानीपत के तृतीय युद्ध में मल्हार राव होलकर ने मराठों की ओर से युद्ध में भाग लिया। लेकिन मराठा सेना के सेनापति द्वारा वैचारिक मतभेद के कारण वे युद्ध से अलग हो गये।
- मल्हार राव द्वारा इंदौर में राजवाड़ा का निर्माण, सराफा का विस्तार तथा छतरी बाग की स्थापना की गई थी।
- हैदराबाद के निजाम को परास्त करने में भी मल्हार राव होलकर की महत्वपूर्ण भूमिका थी।
- मालवा विजय के प्रारंभिक युद्ध सारंगपुर के युद्ध में मराठा सेना का नेतृत्व किया तथा गिरधर बहादुर को परास्त किया।
- मई 1766 को आलमपुर, भिण्ड में मल्हार राव की आकस्मिक मृत्यु हो गई।

### मालेराव होलकर

मालेराव होलकर, मल्हार राव होलकर के पुत्र खांडेराव तथा पुत्रवधु अहिल्याबाई के एकमात्र पुत्र थे, मालेराव के पिता खांडेराव की मृत्यु अल्प आयु में हो गई थी। जिसके पश्चात मालेराव होलकर को होलकर रियासत का उत्तराधिकारी घोषित

किया। किंतु अल्प आयु के कारण देवी अहिल्याबाई ने पुत्र मालेराव की संरक्षिका बनकर शासन किया। गद्दी पर बैठने के 9 माह पश्चात ही मालेराव का निधन हो गया।

### अहिल्याबाई होलकर

- देवी अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के चौंडी ग्राम में हुआ था।
- विवाह मल्हार राव के पुत्र खांडेराव होलकर के साथ हुआ। दुर्भाग्यवश खांडेराव का निधन 1754 ईस्वी में हो गया।
- पुत्र मालेराव होलकर की मृत्यु के पश्चात देवी अहिल्याबाई 1767 से होलकर रियासत की वास्तविक प्रशासिका बनीं।
- रानी अहिल्याबाई ने अपनी राजधानी इंदौर से महेश्वर स्थानान्तरित की।
- मराठी कवि मोरोपंत, शाहिर अनंतफंडी और संस्कृत विद्वान खुलासी राम उनके कालखंड के महान दरबारी कवि थे।

### उपलब्धियां एवं कार्य

- महेश्वर में माहेश्वरी साड़ी उद्योग की स्थापना।
- समस्त राज्य में सड़कों का निर्माण।
- महेश्वर के किले का निर्माण।
- प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार।
- जनकल्याण के लिए अनेक धर्मशालाओं तथा चिकित्सालयों का निर्माण।
- नर्मदा नदी पर महेश्वर घाट का निर्माण।
- जनकल्याण के लिए कुओं तथा बावड़ियों का निर्माण।
- बनारस में मणिकर्णिका घाट का निर्माण।
- गया के विष्णुपद मंदिर का निर्माण।
- सोमनाथ, बद्रीनाथ और केदारनाथ सहित अन्य प्रमुख तीर्थ स्थलों पर कई लोकोपयोगी निर्माण कार्य किये।
- जनता के लिये राजकीय निःशुल्क अन्नक्षेत्र खोले गये।

### तुकोजीराव होलकर प्रथम

- तुकोजीराव होलकर को मालेराव की मृत्यु के उपरांत इंदौर राज्य का सूबेदार नियुक्त किया गया। इसके पश्चात देवी अहिल्याबाई के शासनकाल में इन्होंने राजकार्य में सहायता की तथा 1795 में अहिल्याबाई के देहान्त हो जाने के बाद तुकोजीराव प्रथम ने राज्याधिकार ग्रहण किया।
- इन्होंने होलकर वंश की राजधानी महेश्वर से इंदौर स्थानांतरित की।
- अपनी सेना का आधुनिकीकरण यूरोपीय पद्धति के अनुसार किया।
- इन्होंने संयुक्त मराठा सेना में सम्मिलित हो टीपू सुलतान पर चढ़ाई की तथा विजय प्राप्त की।
- भरतपुर के राजा के खिलाफ सफल अभियान किया।
- इनके शासनकाल में प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध हुआ तथा इन्होंने अपनी वीरता से कर्नल गोडार्ड को पीछे खदेड़ दिया।
- ये अपने समय के महान योद्धा, कुशल रणनीतिकार तथा महान विजेता थे।
- 1794 में निजाम को पराजित किया।
- 1797 को तुकोजीराव का स्वर्गवास हो गया।

### यशवंत राव होलकर प्रथम

चक्रवर्ती महाराजा यशवंतराव होलकर तुकोजीराव होलकर के औरस पुत्र थे। वह बड़े साहसी और दक्ष सेनानायक थे।

- इतिहासकार एन.एस. इनामदार ने इन्हें 'मध्यभारत का नेपोलियन' कहा।
- इन्हीं के समय पेशवा की पराजय तथा 1802 में बेसीन की संधि संपन्न हुई।
- इन्होंने अपनी राजधानी इंदौर से भानपुरा स्थानांतरित की।
- भानपुर में एक आधुनिक हथियारों के लिये तोपखाना स्थापित किया।
- दिसंबर 1805 को यशवंतराव होलकर और अंग्रेजों के मध्य संधि हुई।
- दिल्ली के मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय ने यशवंतराव को राजराजेश्वर अलीजा बहादुर की उपाधि प्रदान की।
- इन्होंने 1803-1805 तक चले द्वितीय आंग्ल मराठा युद्ध में भाग लिया।
- 1802 में इन्होंने पेशवा तथा सिंधिया को पराजित कर दोनों राज्यों को लूटा।
- संधि के पश्चात यशवंतराव प्रयत्नशील थे कि पुनः मराठा संघ को संगठित किया जाये।
- मानसिक अवसाद से ग्रस्त होने के कारण 1811 में भानपुरा में इनकी मृत्यु हो गई।

### मल्हार राव होलकर द्वितीय

- यशवंत राव होलकर की मृत्यु के बाद उनके अल्प वयस्क पुत्र मल्हार राव होलकर द्वितीय को होलकर राजवंश की मनसद प्राप्त हुई। पूर्व में उन्हें तुलसाबाई के द्वारा संरक्षण दिया गया।
- तुलसाबाई की मृत्यु के पश्चात तात्याजोग तथा रिजेन्सी कौंसिल के नियंत्रण में मल्हार राव होलकर ने लगभग 22 वर्षों तक शासन किया।
- 1818 में मल्हार राव द्वितीय ने राजधानी भानपुरा से इंदौर स्थानांतरित की।
- इनके समय में महु में ब्रिटिश छावनी का निर्माण किया गया।
- 1818 में इन्होंने अंग्रेजों के साथ मंदसौर की संधि की जिसके तहत होलकर राज्य ब्रिटिश संरक्षण में चला गया।
- इंदौर राज्य में ब्रिटिश रेजीडेंट तथा सेना रखी गई।
- इनके समय में ही इंदौर में पुराना महल तथा पंढरीनाथ मंदिर का निर्माण किया गया।
- 1817 ई. महिदपुर के युद्ध में मल्हार राव द्वितीय, हरिराव होलकर तथा भीमाबाई की संयुक्त सेना ने अंग्रेजों से संघर्ष किया।
- 27 अक्टूबर, 1833 को 28 वर्ष की अवस्था में मल्हार राव की मृत्यु हो गई।

### मार्तण्ड राव होलकर

मार्तण्ड राव होलकर, मल्हार राव द्वितीय की पत्नी कृष्णाबाई के दत्तक पुत्र थे। अनौपचारिक रूप से 4 वर्ष की अल्पआयु में कृष्णाबाई द्वारा मार्तण्ड राव को शासक के रूप में घोषित किया गया। परंतु फ़रवरी 1834 में जनता के कड़े विरोध के कारण उन्हें गद्दी से उतार दिया गया।

### हरि राव होलकर

हरि राव होलकर महाराजा यशवंतराव होलकर के भाई के पुत्र थे। हरि राव को सत्ता प्राप्ति के लिये प्रारंभ में संकट से गुजरना पड़ा।

- इन्होंने 1841 ई. को खांडेराव होलकर को गोद लिया। जो बाद में होलकर वंश के उत्तराधिकारी हुये।
- चुनौतियों तथा समस्याओं से जूझते हुये खराब स्वास्थ्य के कारण अक्टूबर 1843 में इनका स्वर्गवास हो गया।

### शिवाजी राव होलकर

- शिवाजी राव होलकर 1886 में सत्तारूढ़ हुये।
- शिवाजी राव शिक्षित, कुशल तथा योग्य शासक होने के साथ-साथ भाषा प्रवीण भी थे। अंग्रेजी भाषा पर इनका विशेष अधिकार था।
- 1887 में इन्होंने तुकोजीराव अस्पताल की स्थापना की।
- 1889 में इंदौर में तकनीकी संस्थान तथा 1891 ई. में उच्चशिक्षा संस्थान की स्थापना की। यह उच्च शिक्षा संस्थान वर्तमान में होलकर कॉलेज के नाम से जाना जाता है।
- इंदौर में लाल बाग पैलेस का निर्माण करवाया।
- वर्ष 1899-1900 के अकाल के दौरान जनसेवार्थ गरीबखानों की स्थापना की गई जहां भूखों को अन्न प्राप्त होता था।
- शिवाजी राव होलकर के समय तत्कालीन वायसराय लेंसडाउन तथा लॉर्ड एल्गिन का इंदौर आगमन हुआ।
- 1908 में अस्वस्थता के कारण इनका निधन हो गया।

### श्रीमंत महाराजा यशवंतराव होलकर द्वितीय

- 17 वर्ष की आयु में होलकर वंश की राजगद्दी पर बैठे।
- इनकी अल्पायु के कारण रियासत का शासन कैबिनेट द्वारा संचालित होता रहा।
- 1935 में क्षत्रिय धनगर सेवा संघ की स्थापना की।
- 1935 में बिजासन टेकरी के पास हवाई अड्डे का निर्माण करवाया।
- पेयजल और सिंचाई के लिये 1939 में यशवंतराव सागर तालाब का निर्माण करवाया।
- इन्होंने इंदौर में माणिकबाग पैलेस को अपना निवास स्थान बनाया।
- इंदौर के एमवाय अस्पताल का निर्माण इन्हीं की स्मृति में किया गया।
- द्वितीय विश्व युद्ध में इनके द्वारा अंग्रेजों को सैनिक सहायता प्रदान की।
- भारतीय संघ में इंदौर रियासत के विलय हेतु 1 जनवरी 1950 को विलय संधि पर हस्ताक्षर किये गए तथा रियासत मध्यभारत क्षेत्र का हिस्सा बनाई गई।
- इनके समय की प्रसिद्ध घटना भारत की स्वतंत्रता।
- इन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य तथा परिवहन पर विशेष ध्यान दिया।

### होलकर वंश का स्थापत्य और कला में योगदान

- मल्हार राव होलकर द्वारा होलकर वंश की स्थापना के साथ ही नगर निर्माण तथा स्थापत्य में विकास प्रारंभ हुआ। उनके द्वारा सम्पूर्ण मालवा में कई परगनों की स्थापना की।
- मल्हार राव होलकर द्वारा 1747 में इंदौर में राजवाड़ा का निर्माण करवाया गया।
- देवी अहिल्याबाई ने महेश्वर के किले का निर्माण करवाया।
- अहिल्या घाट (महेश्वर) और मणिकर्णिका घाट (वाराणासी) का निर्माण अहिल्याबाई होलकर द्वारा किया गया।
- माणिकबाग पैलेस (इंदौर) का निर्माण यशवंत राव होलकर द्वितीय द्वारा किया गया।
- शिवाजीराव होलकर द्वारा इंदौर में लाल बाग पैलेस का निर्माण करवाया।
- यशवंत राव सागर बांध का निर्माण करवाया।
- राणोजी सिंधिया द्वारा उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर का पुर्नः जीर्णोद्धार कराया था।
- तुकोजी राव तृतीय द्वारा इंदौर में संस्कृत महाविद्यालय, अहिल्या आश्रम विद्यालय का निर्माण करवाया गया।
- यशवंत राव ने भानपुरा में तोपखाने का निर्माण करवाया।

- श्रद्धा सुमन

(लेखिका, विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के विषयों पर लेखन करती हैं।)

# जॉब अलर्ट

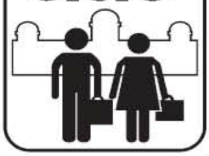

### इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

**पद का नाम** - ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी
**पदों की संख्या** - 80
**योग्यता** - किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ इंजीनियरिंग डिग्री।
**अंतिम तिथि** - 05 जून, 2025
**वेबसाइट** - https://www.ecil.co.in

### गार्डेन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड

**पद का नाम** - सुपरवाइजर, डिजाइन असिस्टेंट, इंजन टेक्निशियन
**पदों की संख्या** - 56
**योग्यता** - सुपरवाइजर पद के लिए स्नातक डिग्री या डिप्लोमा, डिजाइन असिस्टेंट पद के लिए इंजीनियरिंग में डिप्लोमा तथा इंजन टेक्निशियन पद के लिए इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स या टेलीकॉम इंजीनियरिंग में डिप्लोमा होना आवश्यक है।
**अंतिम तिथि** - 12 जून, 2025
**वेबसाइट** - https://grse.in

### भारत पेट्रोलियम कंपनी लिमि.

**पद का नाम** - प्रोफेशनल
**पदों की संख्या** - उल्लेखित नहीं
**योग्यता** - न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ एमबीए/एमए या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एचआर/पीएम/आईआर/पर्सनल मैनेजमेंट/मास्टर इन लेबर स्टडीज या समकक्ष।
**अंतिम तिथि** - 20 जून, 2025
**वेब.** - https://www.bharatpetroleum.in

### म.प्र. पावर जनरेटिंग कंपनी लिमि.

**पद का नाम** - छात्र प्रशिक्षणार्थियों के लिए एक वर्षीय ऑन द जॉब ट्रेनिंग
**पदों की संख्या** - 559
**योग्यता** - आवेदक आईटीआई (इंजीनियरिंग अथवा नॉन-इंजीनियरिंग) डिप्लोमा (इंजीनियरिंग) स्नातक (इंजीनियरिंग अथवा नॉन-इंजीनियरिंग) उत्तीर्ण होना चाहिए।
**अंतिम तिथि** - 05 जून, 2025
**वेब.** - https://www.mppgcl.mp.gov.in

### नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

**पद का नाम** - डिप्टी मैनेजर
**पदों की संख्या** - 150
**योग्यता** - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स/मैकेनिकल/कंट्रोल एंड इंस्ट्रूमेंटेशन विषय में इंजीनियरिंग डिग्री।
**अंतिम तिथि** - 09 जून, 2025
**वेब.** - https://careers.ntpc.co.in

### भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

**पद का नाम** - उप प्रबंधक (तकनीकी)
**पदों की संख्या** - 60
**योग्यता** - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री।
**अंतिम तिथि** - 09 जून, 2025
**वेबसाइट** - https://nhai.gov.in

### मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड

**पद का नाम** - एक्जीक्यूटिव ट्रेनी (जियोलॉजी), एक्जीक्यूटिव ट्रेनी (जियोफिजिक्स)
**पदों की संख्या** - 30
**योग्यता** - यूजीसी और एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त संस्थान से जियोलॉजी या जियोफिजिक्स में एमएससी या एमटेक की डिग्री।
**अंतिम तिथि** - 05 जून, 2025
**वेबसाइट** - https://mecl.co.in

### भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, तिरुचिरापल्ली

**पद का नाम** - एफटीए ग्रेड-II (इंजीनियर), एफटीए ग्रेड-III (सुपरवाइजर)
**पदों की संख्या** - 20
**योग्यता** - इंजीनियर पद के लिए इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में स्नातक डिग्री तथा सुपरवाइजर पद के लिए इंजीनियरिंग डिप्लोमा।
**अंतिम तिथि** - 11 जून,2025
**वेबसाइट** - https://careers.bhel.in

### इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड

**पद का नाम** - कार्यकारी
पदों की संख्या - 15
**योग्यता** - एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित प्रतिष्ठित संस्थान या विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री।
**अंतिम तिथि** - 13 जून, 2025
**वेबसाइट** - https://ircon.org

### वैमानिकीय विकास संस्थापन

**पद का नाम** - परियोजना प्रशासन सहायक, वरिष्ठ परियोजना प्रशासन सहायक, परियोजना प्रशासन अधिकारी, परियोजना तकनीकी सहायक, परियोजना वरिष्ठ तकनीकी सहायक।
**पदों की संख्या** - 23
**योग्यता** - पदानुसार
**अंतिम तिथि** - 13 जून, 2025
**वेबसाइट** - https://ada.gov.in

### उत्तर पूर्व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहाट

**पद का नाम** - वैज्ञानिक, तकनीकी सहायक, तकनीशियन
**पदों की संख्या** - 26
**योग्यता** - पदानुसार
**अंतिम तिथि** - 06 जून, 2025
**वेबसाइट** - https://www.neist.res.in

## एडमिशन अलर्ट

### सेंट्रल टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर

**पाठ्यक्रम का नाम** - डिप्लोमा इन टूल एंड डाई मेकिंग, डिप्लोमा इन मेकाट्रॉनिक्स, डिप्लोमा इन ऑटोमेसन एंड रोबोटिक्स
**योग्यता** - किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से गणित और विज्ञान विषय के साथ मैट्रिकुलेशन या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो।
**आवेदन की अंतिम तिथि** - 07 जून, 2025
**प्रवेश परीक्षा तिथि** - 15 जून, 2025
**वेबसाइट** - https://www.cttc.gov.in

### भारतीय पैकेजिंग संस्थान

**पाठ्यक्रम का नाम** - पीजीडीपी- पैकेजिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
**योग्यता** - एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम द्वितीय श्रेणी के साथ विज्ञान स्नातक, इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी स्नातक, फॉर्मेसी स्नातक, खाद्य विज्ञान/खाद्य प्रौद्योगिकी स्नातक आदि।
**आवेदन की अंतिम तिथि** - 15 जून, 2025
**प्रवेश परीक्षा तिथि** - 22 जून, 2025
**वेबसाइट** - https://www.iip-in.com

**हमारी नदियां**

# ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व की नदी मोक्षदायिनी क्षिप्रा

**मध्यप्रदेश की धरती को प्रकृति ने नदियों की विपुलता से समृद्ध किया है। इसलिए प्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। नदियां जीवन और प्रकृति संवर्धन का आधार हैं। नदी तट पर कई संस्कृतियों का निर्माण और विकास हुआ है। जल-जीवन की इस विरासत से आपको परिचित करवाने के लिए रोज़गार और निर्माण में मध्यप्रदेश की नदियां स्तम्भ शुरू किया है। इस अंक में प्रस्तुत है मध्यप्रदेश की क्षिप्रा नदी का परिचय...**

मध्यप्रदेश की क्षिप्रा नदी एक पवित्र और ऐतिहासिक नदी है, जो उज्जैन शहर से होकर बहती है। इसे मोक्षदायिनी माना जाता है। यह पवित्र नदी तीर्थ स्वरूपा है। सिंहस्थ के समय यहां करोड़ों भक्तों का मेला लगता है। पुराणों में इसका उल्लेख विशेष रूप से ब्रह्म पुराण तथा स्कंद पुराण में किया गया है। स्कंद पुराण में इसकी महान गाथा का वर्णन आवन्त्य खण्ड में है। बौद्ध तथा जैन ग्रंथों में भी क्षिप्रा का उल्लेख है। अवन्ति खण्ड के 69वें अध्याय तथा इसी पुराण के अन्य तीन अध्यायों में इस नदी के चार नाम हैं क्षिप्रा, ज्वरघ्नी, पापहनी और अमृत संभवा। उज्जैन क्षेत्र में प्रवाहित उत्तर वाहिनी क्षिप्रा के तट पर अनेक तीर्थ क्षेत्र तथा ऋषि मुनियों की साधना के स्थल हैं।

पौराणिक आख्यानों में क्षिप्रा की उत्पत्ति को लेकर कई कथाएं हैं। इन विवरणों में महर्षि व्यास और सनत्कुमार के प्रश्नोत्तर के रूप में क्षिप्रा की उत्पत्ति का उल्लेख किया गया है। उसके अनुसार एक बार शिवजी ब्रह्मा जी के कपाल को लेकर भिक्षा मांगने निकले त्रिलोक में उन्हें कहीं भिक्षा नहीं मिली तो वे बैकुण्ठ पहुंचे और उन्होंने भगवान विष्णु से भिक्षा मांगी। भगवान विष्णु ने अपनी तर्जनी अंगुली ऊपर दिखाते हुए शिवजी से कहा कि इसे ग्रहण करें। भगवान विष्णु का अंगुली दिखाना शिवजी को अच्छा नहीं लगा। उन्होंने उस पर आघात किया, जिससे रक्त की धारा बहने लगी। शिवजी के हाथ में रखा कपाल भर गया। उसके चारों ओर रक्त की धारा बहने लगी। इसी धारा ने क्षिप्रा नदी का स्वरूप लिया। क्षिप्रा बैकुण्ठ से निकलकर तीनों लोकों में प्रसिद्ध हुई। यह प्रसंग लोक-श्रुत प्रसंग है। इसके अलावा भी क्षिप्रा की उत्पत्ति को लेकर कथाएं हैं, जिनका उल्लेख स्कंद पुराण में है। कहीं भगवान विष्णु के हृदय से तो कहीं भगवान शिव के कमण्डल से निकलने का वर्णन मिलता है।

इन पौराणिक आख्यानों से क्षिप्रा का पौराणिक महत्व रेखांकित होता है। स्कंद पुराण के अनुसार क्षिप्रा के किनारे क्षण भर रहने पर ही मुक्ति प्राप्त होती है। स्कंद पुराण में यह भी उल्लेख है कि नैमिषारण्य तथा पुष्कर को उत्तम तीर्थ माना गया है। किन्तु काशी से भी महत्वपूर्ण महाकाल वन के क्षेत्र को माना गया है। इसी क्षेत्र से क्षिप्रा प्रवाहित होती है। क्षिप्रा अमृत तुल्य है जिसके जल में स्नान कर तट पर प्रणाम करने से समस्त पापों का नाश होता है और अक्षय पुण्य प्राप्त होता है।

पुराणों में वर्णित कथाओं के अनुसार इस पावन नदी को बैकुण्ठ में क्षिप्रा, स्वर्ग में ज्वरघ्नी, यमद्वार में पापघ्नी तथा पाताल में अमृत संभवा के रूप में उल्लेखित किया गया है।

### ऐतिहासिक महत्व

महाकाल वन क्षेत्र में प्रवाहित होने के कारण क्षिप्रा ने मालवा क्षेत्र के इतिहास और प्रमाण देखे हैं। उज्जयिनी अथवा अवन्तिका को अपनी जलधारा से पवित्र करती हुई यह महाकालेश्वर और कालभैरव की वन्दना करती है। पौराणिक युग में इसके निकट सान्दीपनि ऋषि का आश्रम था। भगवान कृष्ण ने यहीं शिक्षा प्राप्त की थी। क्षिप्रा तट भर्तृहरि की साधना स्थली रही है। शताब्दियों से यह चण्ड प्रद्योत, महासेन, विक्रमादित्य, रूद्रसेन, क्षत्रपवंशीय राजाओं तथा अनेक राजवंशों के उत्थान तथा पतन की साक्षी रही है। महान पराक्रमी परमारों ने इस नदी के तट पर स्थित उज्जैन को अपनी राजधानी बनाया। मुगल काल के अनेक ऐतिहासिक प्रसंगों की भी यह साक्षी रही। यहां भारत के ब्रिटिश शासन से मुक्ति पाने के समय तथा रियासतों के विलीनीकरण के पूर्व तक के ऐतिहासिक साक्ष्य हैं। इस पवित्र नदी के तट पर स्थित कालियादेह का भव्य भवन, तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थान और प्रसंग इसकी ऐतिहासिक महिमा प्रतिष्ठित किये हुए हैं। इनमें सर्वाधिक उल्लेखनीय है इस पवित्र नदी के तट पर लगने वाला सिंहस्थ का मेला। कहा जाता है कि जब अमृत कुंभ के लिए सुरों और असुरों में संघर्ष हुआ था और जब अमृत कुंभ को लेकर जयंत आकाशमार्ग से उड़ा था तब उसकी चार बूंदें पृथ्वी पर गिरी थीं। उनमें से एक बूंद क्षिप्रा पर गिरी। इसलिए हर बारह वर्ष में एक बार कुंभ का महान पर्व अत्यंत प्राचीन काल से इस नदी के तट पर आयोजित होता आ रहा है। सिंह राशि पर बृहस्पति के आने पर यह महान सांस्कृतिक पर्व सिंहस्थ के रूप में आयोजित होता है। एक माह का यह महान पवित्र धार्मिक तथा सांस्कृतिक समारोह क्षिप्रा के तट पर कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक विभिन्न भाषा-भाषी श्रद्धालुओं के सांस्कृतिक संगम का रूप धारण कर भारतीय संस्कृति के आधारभूत सिद्धांत 'अनेकता में एकता' को स्थापित करता आ रहा है। वर्तमान में सिंहस्थ पर्व पर करोड़ों की संख्या में देश-दुनिया के लोग एकत्रित होते हैं।

### क्षिप्रा की उत्पत्ति

भौगोलिक रूप से इस उत्तर वाहिनी नदी का उद्गम विंध्याचल पर्वत माला की कोकरी टेकडी है। यह स्थान इंदौर से 11 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में स्थित है। उत्तर वाहिनी क्षिप्रा उत्तर पश्चिम दिशा में 60 किलोमीटर की दूरी तक प्रवाहित होते हुए लगभग 56 किलोमीटर तक उज्जैन जिले की परिधि रेखा अंकित करते हुए उज्जैन में प्रविष्ट होकर इस जिले में लगभग 93 किलोमीटर प्रवाहित होती है।

क्षिप्रा की कुल भौगोलिक लंबाई लगभग 195 किलोमीटर है। इसके किनारे काफी नीचे हैं किन्तु महिदपुर और आलोट के बीच इसके किनारे ऊंचे हैं।

### सहायक नदियां

क्षिप्रा की सहायक नदियां मुख्य रूप से खान (कान्ह) और गंभीर हैं। कान्ह उज्जैन शहर के कुछ पहले तथा गंभीर महिदपुर के पास क्षिप्रा में मिल जाती है। इसके बाद क्षिप्रा उज्जैन जिले से बाहर निकलकर रतलाम, मंदसौर तथा भीलवाड़ा जिलों की सीमा रेखा पर चम्बल नदी में मिल जाती है।

### क्षिप्रा तट के स्थल

वैसे तो क्षिप्रा के तट पर स्थित उज्जैन एक आध्यात्मिक, पौराणिक तथा ऐतिहासिक स्थान है, किन्तु उज्जैन जिले के कालियादेह, भैरोगढ़, महिदपुर आदि स्थान भी क्षिप्रा के तट पर स्थित होने के कारण उल्लेखनीय हैं। कालियादेह, उज्जैन से 8 किलोमीटर दूर क्षिप्रा के बायें तट पर स्थित है। स्कंद पुराण में इस स्थान का नाम ब्रह्मकुण्ड था। इस स्थान पर स्थित ऐतिहासिक कालियादेह का भव्य भवन मालवा के सुल्तान नसीरुद्दीन के द्वारा बनवाया गया बताया जाता है।

उज्जैन से 9 किलोमीटर की दूरी पर स्थित भैरोगढ़ में एक अत्यंत प्राचीन वट वृक्ष है जिसकी महिमा प्रयाग के अक्षय वट के समान ही बताई जाती है। भैरोगढ़ में स्थित कालभैरव का मन्दिर भी तांत्रिकों की साधना स्थली है। उज्जैन जिले की तहसील का मुख्यालय महिदपुर क्षिप्रा के दाहिने किनारे पर स्थित है। पौराणिक उल्लेख के अनुसार यहां हरसिद्धि विशाल क्षेत्र में स्थित है।

क्षिप्रा नदी के तट पर स्थित अनेक ग्राम और कस्बे पर्वों के समय मेले और तीर्थ का रूप धारण कर लेते हैं, किन्तु उज्जैन में क्षिप्रा के तट पर निर्मित नरसिंहघाट, रामघाट, गंगाघाट, और छत्रीघाट वर्ष भर श्रद्धालु भक्तों की पूजा-अर्चना के केन्द्र बने रहते हैं। इसी पवित्र नदी के तट पर महान वीर योद्धा दुर्गादास राठौर की समाधि बनी हुई है। क्षिप्रा में स्नान-अर्चना करने के साथ ही यात्री महाकालेश्वर, हरसिद्धि देवी, बड़े गणेश जी, भर्तृहरि की गुफा, सान्दीपनि आश्रम, मंगलनाथ, वेधशाला, कालभैरव, अंकपात आदि पौराणिक तथा ऐतिहासिक स्थानों का दर्शन करते हैं।

**- देवेन्द्र गोरे**
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

# खेल चर्चा

## खेलो इंडिया बीच गेम्स में मध्यप्रदेश ने जीते पांच पदक

**दमन,** देश में पहली बार आयोजित हो रहे प्रथम खेलो इंडिया बीच गेम्स-2025 में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते हैं। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के अजय कालिया और महेंद्र स्वामी ने पेंचक सिलाट स्पर्धा में ये पदक जीते। प्रतियोगिता में पेंचक सिलाट के टेंडिंग (फाइट) इवेंट में प्रदेश के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पेंचक सिलाट टेंडिंग की 70 से 75 किलोग्राम बालक व्यक्तिगत स्पर्धा में अजय कालिया ने स्वर्ण पदक जीता, वहीं 85 से 90 किलोग्राम बालक व्यक्तिगत स्पर्धा में महेंद्र ने जम्मू और कश्मीर के जिब्रान मकसूद को हराकर स्वर्ण पदक जीता। खेलो इंडिया बीच गेम्स में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अब तक दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य सहित कुल पांच पदक जीत चुके हैं। उल्लेखनीय है कि खेलो इंडिया बीच गेम्स में कुल आठ खेल शामिल किए गए हैं।

### भारतीय क्रिकेट टीम का इंग्लैंड दौरा

# शुभमन गिल बने भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान

**मुंबई,** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान की घोषणा कर दी है। बीसीसीआई की चयन समिति के प्रमुख अजीत आगरकर ने मुंबई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शुभमन गिल को भारत का नया कप्तान घोषित किया। टीम इंडिया की कप्तानी की दौड़ में जसप्रीत बुमराह, के.एल. राहुल और ऋषभ पंत भी थे, लेकिन टीम प्रबंधन, मुख्य कोच और चयनकर्ताओं ने युवा क्रिकेटर शुभमन पर भरोसा जताया है।

**टीम में करुण नायर की वापसी**

घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले करुण नायर की आठ वर्ष बाद टीम इंडिया में वापसी हुई है। करुण ने भारत के लिए छ: टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में तिहरा शतक भी बनाया है। वीरेंद्र सहवाग के बाद टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाले वह दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। चयनकर्ताओं ने साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन और अर्शदीप सिंह को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में जगह दी है, वहीं ऑलराउंडर के रूप में शार्दुल ठाकुर की भी भारतीय टीम में वापसी हुई है। हालांकि टीम इंडिया में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर का चयन नहीं हुआ।

- भारत के 37वें टेस्ट कप्तान बनेंगे शुभमन गिल।
- शुभमन अब तक 32 टेस्ट मैच खेले और 1893 रन बनाए हैं।
- शुभमन आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान हैं।
- विकेट कीपर और बल्लेबाज ऋषभ पंत टीम के उपकप्तान बनाये गए।

**इंग्लैंड से शुरू होगी कप्तानी पारी**

शुभमन की कप्तानी का दौर अगामी इंग्लैंड दौरे से शुरू होगा। इस दौरे पर भारतीय टीम को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है, जिसकी शुरुआत (पहला टेस्ट मैच) 20 जून से लीड्स क्रिकेट स्टेडियम में होगी। इसके बाद टीम इंडिया 2 जुलाई से बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट, 10 जुलाई से लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट, 23 जुलाई से मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट और 31 जुलाई से ओवल में पांचवां टेस्ट मैच खेलेगी। इस सीरीज के साथ टीम इंडिया आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2025-27 में अपने अभियान की शुरुआत भी करेगी।

**टेस्ट में पाचवें सबसे युवा भारतीय कप्तान बने शुभमन**

शुभमन गिल 25 वर्ष और 258 दिन की उम्र में टेस्ट में भारत की कप्तानी करने वाले पांचवें सबसे युवा क्रिकेटर बन गए हैं। उनसे पहले मंसूर अली खान पटौदी (21 वर्ष, 77 दिन), सचिन तेंदुलकर (23 वर्ष, 169 दिन), कपिल देव (24 वर्ष, 48 दिन) और रवि शास्त्री (25 वर्ष, 229 दिन) ने भारतीय टेस्ट टीम की कमान संभाली थी।

**इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम**

शुभमन गिल, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, के.एल. राहुल, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप, प्रसिद्ध कृष्णा, अभिमन्यु ईश्वरन, साई सुदर्शन, करुण नायर, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर और अर्शदीप सिंह।

## स्प्रिंट रेस जीतने वाले पहले भारतीय रेसर बने कुश

**मोंटे कार्लो,** भारतीय कार रेसर कुश मैनी ने मोनाको ग्रांप्री में इतिहास रच दिया है। कुश मैनी ने मोनाको ग्रांप्री में फॉर्मूला-2 स्प्रिंट रेस जीती हैं। इस जीत के साथ कुश फॉर्मूला-2 सर्किट पर जीत दर्ज करने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं। कुश ने डैंस लुकास ऑयल टीम के लिए रेस करते हुए 30 लैप की इस स्प्रिंट रेस को 44 मिनट 57.639 सेकेंड में पूरा किया। रेस के दौरान कुश ने इटली के गैब्रियल मिनी और ब्रिटेन के ल्यूक ब्राउनिंग को हराया। रेस में गैब्रियल दूसरे तथा ल्यूक तीसरे स्थान पर रहे।

## बिजय ने लैटिन अमेरिकी क्लब से किया करार

**नई दिल्ली,** भारत के उभरते युवा फुटबॉलर बिजय छेत्री ने उरुग्वे के क्लब कोलोन एफसी के साथ स्थायी अनुबंध किया है। वह लैटिन अमेरिकी क्लब के साथ स्थायी करार करने वाले पहले भारतीय फुटबॉलर बन गए हैं। बिजय ने अपने कॅरियर की शुरुआत वर्ष 2016 में शिलोंग लाजोंग क्लब से की थी। बिजय इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में चैन्नइयन एफसी के लिए खेलते थे, वह चैन्नइयन एफसी से लोन पर कोलोन एफसी के लिए खेल रहे थे। उन्होंने नवंबर 2024 में उरुग्वे की सेकेंड डिवीजन प्रोफेशनल लीग में ला लूज क्लब के खिलाफ पदार्पण किया था।

# नीरज ने कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में जीता रजत पदक

**चोरजोव (पोलैंड),** भारत के जैवलिन थ्रो स्टार नीरज चोपड़ा ने ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल-2025 प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में उन्होंने 84.14 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। यह प्रतियोगिता पोलैंड के चोरजोव में आयोजित हुई थी। प्रतियोगिता में जर्मनी के जूलियन वेबर ने पहला स्थान हासिल किया।

भारत के स्टार खिलाड़ी नीरज ने इस प्रतियोगिता की शुरुआत फाउल के साथ की। लेकिन दूसरे प्रयास में 81.28 मीटर का थ्रो कर शीर्ष तीन में अपनी जगह बना ली। इसके बाद नीरज के तीसरे और चौथे प्रयास भी फाउल रहे। नीरज ने अपने पांचवें प्रयास में 81.80 मीटर का थ्रो किया। उन्होंने अंतिम प्रयास में 84.14 का थ्रो किया, जिसने उन्हें दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया।

जर्मनी के जूलियन वेबर ने दूसरे प्रयास में 86.12 मीटर के साथ खिताब अपने नाम किया। उन्होंने अपने पहले प्रयास में 80.77 मीटर का थ्रो किया था और पहले स्थान पर जगह बनाई। वेबर ने भाला फेंक इवेंट में शुरू से ही शीर्ष पर अपना दबदबा कायम रखा और आखिर में जीत दर्ज की। वह 85 मीटर के निशान को पार करने वाले एकमात्र एथलीट थे और उन्होंने ऐसा तीन बार किया। प्रतियोगिता में ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 83.24 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वहीं, पोलैंड के मार्सिन क्रुकोव्स्की 79.47 मीटर थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर जगह बनाई, जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं। चोरजोव मीट-2025 एथलेटिक्स कैलेंडर में नीरज चोपड़ा का तीसरा इवेंट था। इससे पहले उन्होंने दोहा डायमंड लीग-2025 में 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था।

## खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल महासंघों का बजट बढ़ाया

**नई दिल्ली,** खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए वित्तीय सहायता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। खेल मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने कहा कि यह वृद्धि महंगाई, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, उपकरणों की लागत और बुनियादी ढांचे के विकास में बढ़ोत्तरी को ध्यान में रखते हुए की गई है। उन्होंने कहा कि यह कदम वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी की आकांक्षा को देखते हुए देश के खेल ढांचे को मजबूत करने के लिए उठाया गया है। खेल मंत्री ने कहा कि अब उच्च प्राथमिकता वाले खेलों की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के आयोजन के लिए बजट आवंटन 51 लाख रुपये से बढ़ाकर 90 लाख रुपये कर दिया गया है, जो लगभग 90 प्रतिशत अधिक है। खेल मंत्रालय ने खेल महासंघों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने वार्षिक बजट का न्यूनतम 20 प्रतिशत हिस्सा जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों के विकास पर खर्च करें। साथ ही जिन महासंघों का बजट 10 करोड़ रुपये से अधिक है, उन्हें अनिवार्य रूप से हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर और सीईओ की नियुक्ति करनी होगी।

# हॉकी प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए भारतीय टीम का ऐलान

**नई दिल्ली,** हॉकी इंडिया ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। हॉकी इंडिया ने 24 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान अनुभवी खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह को सौंपी है जबकि मिडफील्डर हार्दिक सिंह टीम के उपकप्तान होंगे।

हॉकी इंडिया ने कहा कि हॉकी प्रो लीग के यूरोपीय चरण की शुरुआत में सात और नौ जून को नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैचों के साथ करेगी। इसके बाद भारतीय टीम 11 और 12 जून को एम्सटेलवीन के वैगनर स्टेडियम में अर्जेंटीना से मुकाबला करेगी तथा 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए एंटवर्प जाएगी और फिर 21 और 22 जून को मेजबान बेल्जियम के खिलाफ अपना अभियान समाप्त करेगी।

भारत ने इस वर्ष की शुरुआत में भुवनेश्वर में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 का घरेलू चरण खेला था, जहां टीम ने आठ मैचों में पांच जीत के साथ 15 अंक हासिल किए और अब टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर हैं। हॉकी इंडिया ने कहा कि प्रो लीग सीजन पुरुषों के एफआईएच हॉकी विश्व कप-2026 को देखते हुए और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जिसमें सीजन के अंत में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर रहने वाली टीम, जो पहले से ही मेजबान के रूप में या प्रो लीग 2023-24 के माध्यम से क्वालीफाई नहीं करती है, एक स्थान सुरक्षित करती है।

**भारतीय टीम इस प्रकार है-**

**गोलकीपर-** कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा।

**डिफेंडर-** सुमित, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, नीलम संजीप जेस, हरमनप्रीत सिंह , जरमनप्रीत सिंह, संजय और यशदीप सिवाच।

**मिडफील्डर-** राज कुमार पाल, नीलकंठ शर्मा, हार्दिक सिंह , राजिंदर सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और शमशेर सिंह।

**फॉरवर्ड-** गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह।

### निशानेबाजी जूनियर विश्वकप

# भारतीय निशानेबाजों ने जीते तीन स्वर्ण पदक

**सुहल,** जर्मनी में आयोजित जूनियर निशानेबाजी विश्वकप में भारतीय निशानेबाजों ने स्वर्णिम प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता में भारत ने तीन स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य सहित कुल 11 पदक अपने नाम किए हैं। निशानेबाजों के इस प्रदर्शन की बदौलत भारत विश्वकप की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करने में सफल रहा। प्रतियोगिता में भारत के लिए तीनों स्वर्ण पदक महिला निशानेबाजों ने जीते हैं।

**कनक ने जीता पहला स्वर्ण पदक**

जूनियर निशानेबाजी विश्वकप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक कनक ने जीता। कनक ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 571 अंक लेकर फाइनल राउंड में जगह बनाई। उन्होंने फाइनल में 239.0 अंक हासिल किए और मोल्दोवा की अन्ना डुल्स को 1.7 अंकों के अंतर से हराया। अन्ना डुल्स दो बार की ओलंपियन और मौजूदा यूरोपीय चैंपियन हैं। स्पर्धा में चीनी ताइपे की चेन येन-चिंग ने कांस्य पदक जीता।

- पदक तालिका में पहले स्थान पर है भारत। दूसरे स्थान पर चीन और तीसरे स्थान पर इटली है।
- विश्वकप में एड्रियन कर्माकर, ख्याति चौधरी एवं नारायण प्रणव तथा रीजा ढिल्लो ने रजत पदक जीते।
- कनक ने वर्ष 2024 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक जीता था।

**पिस्टल इवेंट में विजेता बनीं तेजस्विनी**

भारतीय निशानेबाज तेजस्विनी ने जूनियर विश्वकप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश की इस प्रतियोगिता में निरंतरता को बनाए रखा। तेजस्विनी ने फाइनल में 50 शॉट्स में 31 अंक बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। स्पर्धा में बेलारूस की अलीना ने 29 अंक के साथ रजत पदक जीता, जबकि हंगरी की मिरियम जाको ने 23 अंक बनाकर कांस्य पदक पर कब्जा किया।

**शांभवी ने भी जीता स्वर्ण पदक**

जूनियर निशानेबाजी विश्वकप में भारत के लिए तीसरा स्वर्ण पदक शांभवी क्षीरसागर ने जीता। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में भारतीय निशानेबाजों का जलवा रहा। स्पर्धा के फाइनल में शांभवी के साथ ओजस्वी ठाकुर ने भी जगह बनाई। फाइनल राउंड में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। स्पर्धा में शांभवी ने 253 अंक लेकर स्वर्ण पदक जीता, वहीं 251.8 अंक लेकर ओजस्वी ने रजत पदक अपने नाम किया। इटली की कार्लोट साल्फिया ने कांस्य पदक जीता।

## सिमरनजीत कौर बनीं प्रोफेशनल मुक्केबाज

**नई दिल्ली,** भारत की दिग्गज महिला मुक्केबाज सिमरनजीत कौर अब प्रोफेशनल मुक्केबाज बन गई हैं। एशियाई चैंपियनशिप की दो बार की पदक विजेता सिमरनजीत ने टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने पूर्व अमेरिकी पेशेवर मुक्केबाज रॉय जोन्स जूनियर और भारतीय प्रोफेशनल मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा से अनुबंध करके प्रोफेशनल मुक्केबाजी से जुड़ने का फैसला किया। सिमरनजीत इस वर्ष पेशेवर बनने वाली तीसरी भारतीय मुक्केबाज हैं। इससे पहले विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता निशांत देव और अमित पंघाल प्रोफेशनल सर्किट से जुड़ चुके हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

# सामयिकी

## 'भारत फोरकास्टिंग सिस्टम' का उद्घाटन

भारत की अत्याधुनिक मौसम पूर्वानुमान प्रणाली 'भारत फोरकास्टिंग सिस्टम' का अनावरण किया गया। यह दुनिया की सबसे सटीक और उच्च रेजोल्यूशन वाली मौसम प्रणाली है। यह 6 किलोमीटर के रेजोल्यूशन के साथ मौसम की भविष्यवाणी करने में सक्षम होगी, जिससे विस्तृत और सटीक पूर्वानुमान संभव हो सकेगा। यह प्रणाली पुणे स्थित भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) ने विकसित की है। इसका विकास 'अर्का' सुपरकंप्यूटर की सहायता से किया गया है, जिसे पिछले वर्ष संस्थान परिसर में स्थापित किया गया था। अर्का की 11.77 पेटाफ्लॉप्स की कंप्यूटिंग और 33 पेटाबाइट्स की स्टोरेज क्षमता ने वैज्ञानिकों को इतनी जटिल गणनाएं तेजी से करने में मदद की।

## कोच्चि तट पर लाइबेरियाई कार्गो शिप एल्सा-3 डूबा

केरल में कोच्चि तट पर लाइबेरिया का कार्गो शिप एमएससी एल्सा 3 डूब गया। इंडियन कोस्ट गार्ड (आईसीजी) और नेवी ने सभी 24 क्रू मेंबर्स को बचा लिया। शिप पर लदे 640 कंटेनर्स में कैल्शियम कार्बाइड, डीजल, फर्नेस ऑयल समेत कुछ खतरनाक केमिकल्स भरे थे। शिप 23 मई को केरल के ही विझिनजाम पोर्ट से कोच्चि के लिए रवाना हुआ था।

इमरजेंसी की सूचना मिलते ही कोच्चि में आईसीजी के मरीन रेस्क्यू सब सेंटर ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। रूस, यूक्रेन, जॉर्जिया और फिलीपींस के सभी 24 क्रू मेंबर्स को बचा लिया गया। हालांकि, शिप का झुकाव बढ़ता रहा और वह डूब गया। शिप के एक तरफ झुकने की वजह का अभी पता नहीं चला है।

## सऊदी अरब ने वैश्विक पर्यटन मंच 'टूराइज' का अनावरण किया

सऊदी अरब के पर्यटन मंत्री ने टूराइज मंच की घोषणा करते हुए वैश्विक पर्यटन मंच 'टूराइज' लॉन्च किया।

दरअसल सऊदी अरब ने एक वैश्विक पर्यटन मंच शुरू करने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच ''शक्तिशाली साझेदारी'' बनाना और पर्यटन के लिए भविष्य की रूपरेखा तैयार करना है। सऊदी अरब के पर्यटन मंत्री अहमद अल-खतीब ने 'टूराइज' मंच की शुरुआत की और यह भी घोषणा की कि 'टूराइज' शिखर सम्मेलन 11 से 13 नवंबर तक रियाद में आयोजित किया जाएगा। यह घोषणा सऊदी अरब की राजधानी में प्रेस वार्ता के दौरान की गई, जिसमें दुनिया भर से बड़ी संख्या में पत्रकारों ने डिजिटल माध्यम से हिस्सा लिया था। 'टूराइज' एक ''साहसिक नयी पहल'' है, जिसे एक उच्च-स्तरीय वैश्विक सलाहकार बोर्ड के साथ जोड़ा जाएगा। सऊदी अरब के मंत्री ने कहा कि यह मंच अगले 50 वर्षों के लिए पर्यटन का खाका तैयार करना चाहता है।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

---

**प्रधानमंत्री ने भुज, गुजरात में 53 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया**

# भारत के रडार पर थे आतंकी मुख्यालय, सटीक हमले से सशस्त्र बलों की ताकत और अनुशासन का पता चला- प्रधानमंत्री

- कच्छ व्यापार और पर्यटन का एक बड़ा केंद्र है।
- भारत तटीय क्षेत्रों में एक नया पारिस्थितिकी तंत्र बना रहा है।
- आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति शून्य सहिष्णुता की है।
- ऑपरेशन सिंदूर मानवता की रक्षा और आतंकवाद को खत्म करने का मिशन है।
- भारत की लड़ाई सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ है।

*प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भुज में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं शुभारंभ किया*

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के भुज में 53 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कच्छ व्यापार, वाणिज्य और पर्यटन के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में खड़ा है। उन्होंने कहा कि यह भारत के एक प्रमुख नीली अर्थव्यवस्था और हरित ऊर्जा के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। कच्छ दुनिया में हरित ऊर्जा के सबसे बड़े केंद्र के रूप में उभर रहा है। कांडला देश के तीन नामित हरित हाइड्रोजन केंद्रों में से एक है। उन्होंने कच्छ में एक नए हरित हाइड्रोजन संयंत्र की आधारशिला रखने की घोषणा की और जोर देकर कहा कि इस संयंत्र में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक पूरी तरह से "मेड इन इंडिया" है।

### लाखों परिवार पहले ही लाभान्वित हुए

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात में लाखों परिवार पहले ही लाभान्वित हो चुके हैं। सरकार बंदरगाहों के आसपास के शहरों का विस्तार कर बंदरगाह-आधारित विकास पर आधारित दृष्टिकोण आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए महत्वपूर्ण निवेश हो रहे हैं, जिसके उल्लेखनीय परिणाम सामने आ रहे हैं।

### दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना भारत

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में 26 मई को पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने लोगों को जोड़ने के साधन के रूप में पर्यटन में भारत के दृढ़ विश्वास की पुष्टि की और इसकी तुलना पाकिस्तान जैसे देशों से की जो पर्यटन के बजाय आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं। भारत ने सशस्त्र बलों की क्षमता और अनुशासन का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादी मुख्यालयों को सटीक रूप से निशाना बनाया।

### विरासत विकास के पीछे एक प्रेरक शक्ति बन गई

श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विरासत अब क्षेत्र के विकास के पीछे एक प्रेरक शक्ति बन गई है। उन्होंने भुज में कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, चीनी मिट्टी की चीजें और नमक उत्पादन सहित विभिन्न उद्योगों में पिछले दो दशकों में देखी गई उल्लेखनीय वृद्धि पर विचार रखे। कच्छ कढ़ाई, ब्लॉक प्रिंटिंग, बांधनी कपड़े और चमड़े के काम जैसे कच्छ के पारंपरिक शिल्प की व्यापक मान्यता पर टिप्पणी की और हथकरघा कला के एक जीवंत संग्रहालय के रूप में भुजोडी गांव की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने अजरख छपाई की अनूठी परंपरा को स्वीकार किया, जिसने अब भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग हासिल कर लिया है, जिससे आधिकारिक तौर पर कच्छ में इसकी उत्पत्ति की पुष्टि होती है।

## कुवैत में 42 हजार से अधिक नागरिकों की नागरिकता रद्द

कुवैत सरकार ने हाल ही में एक व्यापक अभियान के तहत 42 हजार से अधिक लोगों की नागरिकता रद्द कर दी है, जिनमें से अधिकांश महिलाएं हैं। इनमें वे महिलाएं भी शामिल हैं जिन्होंने कुवैती पुरुषों से विवाह के बाद नागरिकता प्राप्त की थी। यह कदम कुवैत के नए अमीर, शेख मिसाल अल-अहमद अल-सबा के नेतृत्व में उठाया गया है, जो देश की राष्ट्रीय पहचान को संरक्षित करने के लिए नागरिकता कानूनों में सख्ती ला रहे हैं।

सरकार का दावा है कि यह कार्रवाई उन लोगों के खिलाफ की गई है जिन्होंने धोखाधड़ी या गलत दस्तावेजों से नागरिकता प्राप्त की थी। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि यह महिलाओं और प्राकृतिक रूप से नागरिकता प्राप्त करने वालों के खिलाफ भेदभावपूर्ण है। इससे प्रभावित लोगों को बैंक खातों के फ्रीज होने, सरकारी सेवाओं से वंचित होने और सामाजिक लाभों के समाप्त होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

## जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी इकोनॉमी बना भारत

जापान को पीछे छोड़कर भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने ये जानकारी दी। उन्होंने नीति आयोग के गवर्निंग काउंसिल की 10वीं बैठक के बाद कहा कि ग्लोबल और इकोनॉमिक माहौल भारत के अनुकूल बना हुआ है।

बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा, "हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी हैं. आज हम चार हजार डॉलर की अर्थव्यवस्था बन चुके हैं." उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों का हवाला देते हुए आगे कहा, "भारतीय अर्थव्यवस्था अब जापान से भी बड़ी हो गई है। भारत ने ये मुकाम पाकर इतिहास रच दिया है।

### जल्द ही होंगे तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी

नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि हम अपनी योजना पर कायम हैं और अगर सब कुछ सही रहता है तो अगले ढाई-तीन सालों में जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत ने ये मुकाम ऐसे समय में हासिल किया है, जब यूएस टैरिफ के चलते दुनियाभर में हलचल है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी भारत की ग्रोथ को नहीं रोक सके हैं।

## प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सुदृढ़ ब्रिक्स सांस्कृतिक इको सिस्टम निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है - श्री शेखावत

भारत ने ब्राजील के विदेश मंत्रालय के प्रतिष्ठित इटामारती पैलेस में आयोजित 10वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक में सक्रिय रूप से भागीदारी की। केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए ब्रिक्स देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को परिपुष्ट करने के उद्देश्य से उच्च स्तरीय चर्चाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री ने संस्कृति, नवाचार और वाणिज्य के बीच रणनीतिक जुड़ाव के रूप में रचनात्मक अर्थव्यवस्था पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि यह सकल घरेलू उत्पाद, रोज़गार और डिजिटल कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत साझा मूल्यों और मानवीय गरिमा पर आधारित एक मजबूत ब्रिक्स सांस्कृतिक इको सिस्टम के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने सांस्कृतिक संपत्ति की वापसी पर ब्राजील की पहल का स्वागत किया और इस पहल को सांस्कृतिक न्याय और सभ्यतागत गरिमा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने 642 सांस्कृतिक कलाकृतियों (2014-2024) को वापस लाने में भारत की सफलता को वैश्विक सहयोग के लिए एक मानदंड के रूप में रेखांकित किया।

### समकक्षों के साथ की द्विपक्षीय बैठक

इस अवसर पर श्री शेखावत ने रचनात्मक अर्थव्यवस्था, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और डिजिटल नवाचार में साझेदारी की संभावनाओं पर विचार-विमर्श के लिए ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। उल्लेखनीय है कि 10वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक में भारत की भागीदारी सांस्कृतिक कूटनीति, नवाचार और विरासत संरक्षण में इसके बढ़ते नेतृत्व को रेखांकित करती है और यह वैश्विक दक्षिण के साथ संबंधों को मजबूत करते हुए एक अधिक समावेशी सांस्कृतिक भविष्य को आकार प्रदान करेगी।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।